कर्णोदय

चौदहवाँ अंक
2016–17

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (न.रा.का.स) करनाल

राजभाषा विभाग
(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
के समग्र मार्गदर्शन में
कार्यरत

राजभाषा
नीति, नियमों
एवं व्यवस्थाओं का
कार्यान्वयन

सदस्य कार्यालयों
के सहयोग से राजभाषा
के प्रचार-प्रसार
को प्रतिबद्ध

आदर्श

प्रेरणा, प्रोत्साहन
व सहयोग

Town Official Language Implementation Committee (T.O.L.I.C.), Karnal

भाकृअनुप
ICAR

रा.डे.अनु.सं
N.D.R.I.

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

करनाल स्थित भारत सरकार के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, संस्थानों, वि.वि., उपक्रम निगमों, लिमि. एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों आदि की समिति

समन्वय कार्यालय : भाकृअनुप-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), करनाल
Co-ordination Office : ICAR-NDRI (Deemed University), Karnal

प्रस्तुत है

एक बार भुगतान करें...
और सुरक्षा के साथ समृद्धि पाएँ

एलआईसी की

जीवन उत्कर्ष

Plan No. 846 UIN : 512N313V01

एक नॉन-लिंक्ड, लाभ-सहित, एकल प्रीमियम योजना

योग्यता मापदंड
प्रवेश पर न्यूनतम आयु : 6 वर्ष
प्रवेश पर अधिकतम आयु : 47 वर्ष
न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : 75000/-
अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : असीमित
पॉलिसी अवधि : 12 वर्ष

प्रीमियम भुगतान का प्रकार : एकल प्रीमियम

आसान तरलता

पॉलिसी जारी होने के दिनांक से 3 माह बाद ऋण उपलब्ध

5 वर्ष पश्चात निर्गम पर निष्ठा वृद्धि, यदि कोई हो

अपने अभिकर्ता/शाखा से संपर्क करें या
हमारी वेबसाइट **www.licindia.in** पर विज़िट करें या
SMS करें **'आपके शहर का नाम', 56767474** पर (जैसे 'Mumbai')

Follow us on: YouTube **LIC India Forever**

भ्रामक फोन कॉल्स तथा फर्जी/धोखाधड़ी वाले ऑफर्स से सावधान आईआरडीएआई सर्वसाधारण को सूचित करता है : • **आईआरडीएआई या इसके अधिकारी, बीमा विक्रय या वित्तीय उत्पाद अथवा प्रीमियम निवेश संबंधी गतिविधियों से संबंध नहीं रखते.** • **आईआरडीएआई किसी प्रकार के बोनस की घोषणा नहीं करता.** ऐसे फोन आने पर कॉल विवरण तथा फोन नंबर की रिपोर्ट तुरंत पुलिस में दर्ज करवायें.

LIC/AR/17-18/HIN

IRDAI Regn No.:512

बिक्री समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, नियम और शर्तों के लिए प्लान की बिक्री पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़े.

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
ज़िन्दगी के साथ भी, ज़िन्दगी के बाद भी.

संरक्षक :

डा. आर.आर.बी.सिंह, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

एवं निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, मान्य विश्वविद्यालय,

अग्रसैन चौक, करनाल, हरियाणा, पिन–132 001

ईमेल : tolic.karnal.ndri@gmail.com

सलाहकार :

1. श्री सुशांत साहा, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) एवं कुलसचिव, भा.कृ.अ.प.–रा.डे.अ.सं., करनाल
2. श्री के.पी.एस.गौतम, समन्वयक, न.रा.का.स. करनाल एवं मु.प्रशा.अधि., भा.कृ.अ.प.–रा.डे.अ.सं., करनाल
3. श्री कुणाल कालरा, वित्त एवं लेखाधिकारी व नराकास वित्तीय समन्वयक, भा.कृ.अ.प.–रा.डे.अ.सं., करनाल (वित्तीय सलाहकार)

मुख्य संपादक :

राकेश कुमार कुशवाहा, सचिव, न0रा0का0स0 करनाल एवं सहायक निदेशक (राजभाषा), भा.कृ.अ.प.–रा.डे.अ.सं., करनाल

ईमेल : tolic.karnal.ndri@gmail.com

संपादक :

कंचन चौधरी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (प्रेस एवं संपादन), भा.कृ.अ.प.–रा.डे.अ.सं., करनाल

सह–संपादक

- श्री संजीव कुमार, राजभाषा अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल
- श्री तरूण शर्मा, राजभाषा अधिकारी, केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल
- श्री अमित कुमार, राजभाषा अधिकारी (ना.), भारतीय जीवन बीमा निगम, मण्डल कार्यालय, करनाल

प्रस्तुत अंक पर अपने विचार निम्न संपर्क सूत्र पर अवगत करायें :–

राकेश कुमार कुशवाहा, सचिव, न.रा.का.स. करनाल व सहायक निदेशक (राजभाषा), भा.कृ.अ.प.–रा.डे.अ.सं., करनाल, हरियाणा, पिन–132001.

दूरभाष : 0184 2259045, फैक्स 0184 2250042

ईमेल : tolic.karnal.ndri@gmail.com,

राजभाषा विभाग की संयुक्त वेबसाइट : http://narakas.rajbhasha.gov.in(Tolic Code 005)

इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों एवं भावों से नराकास करनाल सचिवालय एवं संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है एवं इसके लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं। प्रकाशित रचना की किसी भी रूप में नकल पूर्णतया प्रतिबंधित है।

प्रकाशक :

एरोन मीडिया, यू.जी.4, सेक्टर 17, सुपर मॉल, करनाल, पिन–132001. मोबाइल : 9896433225

ईमेल : aaronmedia1@gmail.com

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल
"कर्णोदय" 2016–17, चौदहवां अंक

भीतरी प्रवाह(अनुक्रमणिका)

क्र.सं.	विषय / अंतर्वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	संरक्षक की कलम से	01
2	सन्देश	02–08
3	नराकास करनाल के उल्लेखनीय कार्य एवं वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम	09
4	नराकास करनाल के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा गतिविधियों की जानकारी	10–16
5	हिंदी लिखते समय विराम चिह्नों का प्रयोग : आलेख	17
6	नराकास, करनाल की गतिविधियों की स्थानीय समाचार पत्रों में झलक	18
7	राजभाषा ज्ञान प्रश्नावली (प्रश्न एवं उत्तर)	19–22
8	भारत : हमारा महान देश (संस्मरण)	22
9	कंप्यूटर पर काम करने के लिए कुछ सरल व शॉर्टकट तरीके : आलेख	23
10	राजभाषा(हिन्दी) एवं अनुवाद की महत्ता : आलेख	24
11	डेरी क्षेत्र महिला सशक्तीकरण का आधार : संयुक्त आलेख	25–26
12	राजभाषा हिन्दी एवं हिन्दी दिवस का महत्व : आलेख	27
13	कविताऐं	28–33
14	छात्र की धृष्टता : लघुकथा	34
15	सरकारी कामकाज में प्रायः उपयोग में लाए जाने वाले प्रचलित वाक्यांश	35–37
16	हिन्दी पत्रों में प्रायः प्रयोग की जाने वाली अशुद्धियों का निवारण	38
17	भाकृअनुप–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल एवं नरकास करनाल की राजभाषा गतिविधियाँ	39–46
18	नराकास करनाल के सदस्य कार्यालय, लोगो एवं उनके कार्यालय प्रधान	47–50
19	समिति के वार्षिक राजभाषा पुरस्कार सम्मान समारोह एवं अन्य गतिविधियों की झलक	51–56

अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल एवं
निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)
करनाल, हरियाणा-132 001
Chairman, Town Official Language Implementation Committee and
Director, ICAR-NDRI (Deemed University)
Karnal, Haryana-132001
ईमेल : dir.ndri@gmail.com, ☎ : 0184-2252800, Fax : 0184-2250042

संरक्षक की कलम से.....

भारत देश विविध सांस्कृतिक परम्परा एवं भाषिक बहुलता का देश है, यही इस देश का आकर्षण और सौन्दर्य है। भाषा ही वह सशक्त माध्यम है, जिससे मानव प्रत्येक परिस्थिति के अनुरूप अपने भावों व विचारों को सम्प्रेषित करने में सफल होता है। कर्ण की नगरी करनाल अपने आप में अनगिनत इतिहास की परतें समेटे हुए हैं। औद्योगिक दृष्टि से भी करनाल हरियाणा का एक महत्वपूर्ण नगर है। ऐसी गरिमामयी भूमि में यदि किसी का दृष्टिकोण सकारात्मक है तो असंभव कार्य भी सम्पन्न किया जा सकता है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्र सरकार के कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, उपक्रमों, निगमों के 68 सदस्य कार्यालयों का ऐसा मंच है, जिसके माध्यम से नगर में वर्ष भर राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। नगर स्तर पर भी अनेक प्रतियोगिताएं तथा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इसके लिए सभी सदस्य कार्यालय बधाई के पात्र हैं, क्योंकि उनके सहयोग से ही समिति की राजभाषा प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन की सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से संपन्न हो रही हैं। नराकास की बैठकों में की जाने वाली समीक्षा इस बात का प्रमाण है कि हम सब मिलकर राजभाषा संबंधी सरकारी नीति के अनुपालन की सही दिशा में अग्रसर हैं। मैं सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने संगठन में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नेतृत्व व प्रेरणा प्रदान करते रहें और नराकास की बैठकों में शामिल होकर अपना सक्रिय योगदान जारी रखें।

कर्णोदय पत्रिका नराकास की राजभाषा गतिविधियों का आईना है और राजभाषा के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इस अंक को आपके हाथों में सौंपते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। जिन कार्यालयों ने अपनी राजभाषा कार्यकलाप, लेख एवं अन्य सामग्री प्रकाशन हेतु भेजी हैं उनसे यह अपेक्षा है कि वे राजभाषा के प्रयोग में निरंतर गति प्रदान करने में सहयोग देते रहें।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रसार, प्रसार एवं कार्यान्वयन के लिए समिति के समन्वयक श्री के.पी.एस.गौतम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं सचिव श्री राकेश कुमार कुशवाहा, सहायक निदेशक(राजभाषा) के द्वारा समन्वित रूप से किए जा रहे अथक प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ। साथ ही संपादक मण्डल के सभी सदस्यों को इसके सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक बधाई।

आर.आर.बी.सिंह

रा.डे.अनु.सं
N.D.R.I.

संयुक्त निदेशक(प्रशासन) एवं कुलसचिव,
भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)
करनाल, हरियाणा–132 001
Joint Director(Administration) & Ragistrar,
ICAR-NDRI (Deemed University) Karnal, Haryana-132001
ईमेल: jdadmin@ndri.res.in, ☎ : 0184-2272392

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति करनाल राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार की दिशा में सक्रियता से कार्य कर रही है तथा भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के समग्र समन्वय में समिति के द्वारा ''कर्णोदय'' पत्रिका के इस अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं अध्यक्ष, न.रा.कास. करनाल एवं संस्थान के निदेशक, संपादक मण्डल एवं रचनाएं प्रस्तुत करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों उनके परिवारजनों एवं बच्चों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ।

मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका समिति के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। संस्थान के राजभाषा एकक एवं विशेषकर समिति के सचिव श्री राकेश कुमार कुशवाहा, सहायक निदेशक(राजभाषा) के द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की भी मैं सराहना करता हूँ।

जय–हिन्द।

सुशांत साहा

निदेशक (राजभाषा)
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि एवं किसान, कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार
कृषि भवन, डा. राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली–110 001.

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा 'कर्णोदय'' पत्रिका के वर्ष 2016–17 के अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति करनाल के सदस्य कार्यालयों द्वारा समिति के मार्गदर्शन में एवं राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन के लिए आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यकलापों, आलेख, रचनाओं आदि को प्रकाशित किया जाएगा। इस तरह से सभी सदस्य कार्यालय दूसरे कार्यालय की राजभाषा गतिविधियों से परिचित होंगे और उन्हें अपने कार्यालय में राजभाषा के क्षेत्र में नए प्रयोग करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

राजभाषा हिन्दी न केवल भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है बल्कि विश्व में बोली जाने वाली अग्रणी भाषाओं में से एक है। इस प्रकार के प्रकाशनों से राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट साहित्य तथा विविध प्रकार की जानकारी को पाठकों तक पहुचांना आसान हो जाता है।

मैं ''कर्णोदय'' पत्रिका के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ इसकी सफलता की भी आशा करती हूं।

सीमा चोपड़ा

उप निदेशक (कार्यान्वयन),
उत्तर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय–1,
ए–149, सरोजिनी नगर, नई–दिल्ली, ईमेल : ddriodel-dol@nic.in

संदेश

मुझे यह जानकर अन्यन्त आनन्द की अनुभूति हो रही है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा अपनी पत्रिका 'कर्णोदय' के 14वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

भारत सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों एवं निगमों, बैंको में राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल निःसन्देह ही बधाई की पात्र है। यह एक ऐसा मंच है कि जिसके द्वारा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के साथ–साथ हम अपने आंतरिक उद्गारों को अभिव्यक्त कर सकते हैं।

समिति की चहुँमुखी प्रगति में समिति के समन्वयक श्री के.पी.एस.गौतम एवं सचिव श्री राकेश कुमार के प्रयास सराहनीय हैं। समिति के सराहनीय कार्यों के लिए गृह मंत्रालय द्वारा भी इसे समय–समय पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में समिति प्रगति की अनंत सीमाओं को छुएगी तथा कर्णोदय पत्रिका इस महत्वपूर्ण अभियान में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाएगी। मैं, इसके लिए नराकास करनाल को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ तथा पत्रिका के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रमोद कुमार शर्मा

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, प्रभारी राजभाषा एकक एवं समन्वयक, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

रा.डे.अनु.सं
N.D.R.I.

दूरभाष : 0184–2259086
ईमेल : kpsg1963@gmail.com

आमुख

विश्व पटल पर अपनी पताका फहराने वाले कर्मवीर, दानवीर एवं सूर्यपुत्र कर्ण की पवित्र भूमि–करनाल की मिट्टी की भीनी–भीनी सुगंध से इन्द्रधनुषीय छटा बिखेरती हुई आपकी प्रिय पत्रिका ''कर्णोदय'' के चौदहवें अंक को आपके दिलों की दहलीज पर रखते हुए ऐसा महसूस हो रहा है जैसे कि राजभाषा के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन के हमारे ख्वाबों को पंख लग गए हों और फिर हम राजभाषा के पथ पर नये उत्साह एवं साहस के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो गए हैं।

इस अवसर पर हम उन सभी धर्मवीरों, कर्मवीरों, स्वतंत्रता सैनानियों, संविधान निर्माताओं एवं आदर्श पुरूषों के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करना चाहेंगे, जिनके अथक प्रयासों से कटीले रास्तों से गुजरते हुए आज हमारी राजभाषा हिन्दी ने यह मंजिल पाई है। हम हिन्दी भाषा की इस प्रगति में सिनेमा जगत के अमिताभ बच्चनों, देवानन्दों, राजकपूरों एवं अन्य स्थापित कलाकारों के योगदान को भी रेखांकित करना चाहते हैं, जिन्होंने राजभाषा को जन–मानस की भाषा बना दिया है। बहरहाल जो भी हो, इस अवसर पर हम आप सभी से यह अनुरोध करना चाहते हैं कि ''कर्णोदय'' पत्रिका के प्रकाशन की सार्थकता तभी सिद्ध होगी, जब हम सभी अपने–अपने कार्यों में, कार्य–स्थलों पर एवं जीवन में राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन को प्राथमिकता देंगे।

''कर्णोदय'' पत्रिका वस्तुतः केवल एक पत्रिका नहीं है, बल्कि यह विभिन्न प्रकार के लेखों, रंगों, उमंगों एवं तरंगों की एक श्रृंखला है जो हम सबको प्रेरित करती है कि हम सभी अपना–अपना कार्य राजभाषा हिन्दी में करके राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करें। हमारे इस समन्वित प्रयास में प्रतिबद्धता के साथ कलम चलाने वाले कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की परंपरा के अनुयायी श्री राकेश कुमार कुशवाहा, सचिव नराकास करनाल के सार्थक प्रयासों की भी मैं मुक्त कंठ से प्रशंसा एवं सराहना करता हूँ, जिन्होंने सी.आर.पी.एफ. में 20 वर्षों की वर्दीधारी सेवा के निर्वहन करने के उपरांत इस संस्थान में दिनॉक 1.9.2016 को कार्यग्रहण करने के बाद के अपने 10 माह के छोटे से कार्यकाल में इस संस्थान में राजभाषा की प्रगति को बुलन्दियों को पहुंचाने के साथ–साथ नराकास करनाल को नई पहचान दिलाने में अथक परिश्रम किया है। उनके प्रतिबद्ध प्रयासों एवं पहल के बिना इस पत्रिका का समय पर प्रकाशन संभव नहीं था। ऐसे संभावनाशील अधिकारी को मैं बधाई भी देना चाहता हूँ कि उनकी देखरेख में संस्थान में एवं नराकास करनाल के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन का कार्य परिणामोन्मुखी प्रगति की ओर अग्रसर हुआ है। इस संस्थान की श्रीमती कंचन चौधरी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं श्री चन्द्रभान, सहायक के सार्थक सहयोग को रेखांकित करना भी हमारा परम कर्त्तव्य है।

जब कृतज्ञता ज्ञापित करने की बात चल ही गई है, तो हम उन सभी बुद्धिजीवियों, लेखकों एवं पाठकगण का भी आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके आशीर्वाद एवं भागीरथ प्रयासों के बिना इस पत्रिका का प्रकाशन संभव नहीं था। इस राह पर चलते–चलते, बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रोफेसर अनिल कुमार श्रीवास्तव, पूर्व निदेशक, राडेअसं, करनाल एवं अध्यक्ष, नराकास, करनाल के प्रति भी हम सादर कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं, जिनकी लगभग आठ वर्षों की अध्यक्षता में नराकास करनाल की सभी प्रकार की गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन हुआ और राजभाषा के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन का कार्य प्रगति के पथ पर अग्रसारित हुआ। डा.आर.आर.बी.सिंह, वर्तमान निदेशक, राडेअसं, करनाल एवं अध्यक्ष, नराकास करनाल भी राजभाषा के चहुँमुखी विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहते हैं। हम उनकी प्रतिबद्धता को भी नमन करते हैं।

''कर्णोदय'' पत्रिका की सफलता के लिए हृदय से बहुत बहुत बधाई एवं मुझे यह आशा ही नहीं बल्कि विश्वास है कि विगत अंकों की भाँति यह अंक भी राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार में बहुपयोगी सिद्ध होगा और राजभाषा के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन के लिए मील का पत्थर साबित होगा। किसी शायर ने कहा भी है कि, ''हिम्मत हो तो तितलियों को फूलों से हटा कर देखो, आँधियों तुमने दरख्तों को गिराया होगा''।

एक विनती प्रबुद्ध पाठकों से भी। यह पत्रिका आप ही के लिए है। आप इसे मन से पढ़ भी लेंगे तो हम समझेंगे कि हमारा प्रयास सफल हो गया है और, यदि आपने अपनी प्रतिक्रिया में दो शब्द लिख कर हमें भेजा तो हम उसे अनमोल हीरे की तरह सहेज कर रखेंगे। साथ ही प्राप्त हुए सुझावों से पत्रिका को और अधिक बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

शेष अगले अंक में.....................................इंतजार कीजियेगा।

जय राजभाषा................................जय भारत।

–के.पी.एस.गौतम

रा.डे.अनु.सं
N.D.R.I.

सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल एवं
सहायक निदेशक(राजभाषा)
भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)
करनाल, हरियाणा-132 001
Secretary, Town Official Language Implementation Committee, Karnal &
Assistant Director (O.L.)
ICAR-NDRI (Deemed University) Karnal, Haryana-132001
Asstt. Director (O.L.)
ईमेल: tolic.karnal.ndri@gmail.com, ☎ : 0184-2259045, Fax : 0184-2250042, Mob. 7597314664, 8708673785

मुख्य संपादक की कलम से ...

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा प्रकाशित पत्रिका ''कर्णोदय'' के वर्ष 2016–17 के चौदहवे अंक को आपके हाथों में सौंपते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रतिष्ठित संस्थान–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान एवं इस संस्थान के मान्य विश्वविद्यालय के लिए परम सौभाग्य का विषय है कि परमवीर, शूरवीर एवं दानवीर कर्ण की पावन भूमि करनाल नगर में स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, उपक्रमों, संस्थानों, लिमिटेड आदि सहित 68 सदस्य कार्यालयों को नराकास करनाल समिति के एकीकृत मंच के अधीन समन्वित करने का दायित्व इस संस्थान को प्रदान किया गया है और समिति के समस्त प्रशासनिक प्रधान अपने–अपने कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन के लिए सार्थक प्रयास कर रहे हैं।

इस अंक में नराकास करनाल के सदस्य कार्यालयों का ब्योरा, सदस्य कार्यालयों के अन्तर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न राजभाषा गतिविधियों का ब्योरा एवं समिति द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। मैं नराकास करनाल के सदस्य कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों, राजभाषा अधिकारियों, राजभाषा समन्वयकों, हिन्दी अनुवादकों, हिन्दी लिपिकों, कर्मचारियों, लेखकों–लेखिकाओं तथा विद्यार्थियों एवं प्रकाशक को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने अपने आलेखों, रचनाओं, बधाई–सन्देशों एवं विज्ञापनों से इस अंक को समय पर प्रकाशित करने व सफल बनाने में अपना–अपना बहुमूल्य सहयोग हमें प्रदान किया है तथा समिति के रचनात्मक कार्यों की अवसर विशेष पर मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारियों, डा.आर.आर.बी.सिंह, निदेशक एवं अध्यक्ष, नराकास, करनाल, श्री केपीएस गौतम, समिति के समन्वयक तथा नराकास करनाल के सभी सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों व पदाधिकारियों को हम इस अवसर पर विशेष रूप से बधाई देना चाहते हैं कि उनके मार्गदर्शन में समिति ने कई महत्वपूर्ण कार्य किये, जिनमें सदस्य कार्यालयों के डाटाबेस का अद्यतनीकरण, कागजविहीन पत्राचार, समय–समय पर विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं व संगोष्ठियों का आयोजन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों का राजभाषा शील्ड/ट्राफी से सम्मान, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालय प्रधानों, राजभाषा अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रशस्ति पत्र से सम्मान, नकदीरहित अंशदान प्राप्ति, समिति के वित्तीय अभिलेखों की समय पर लेखा परीक्षा एवं समिति की पत्रिका के समय पर प्रकाशन आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

संस्थान के निदेशक महोदय के मार्गदर्शन एवं सलाहकार व संपादक मण्डल के सतत् सहयोग के बिना इस अंक को समय पर प्रकाशित कर पाना संभव नहीं था। मैं इस संस्थान के श्री के.पी.एस.गौतम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, प्रभारी राजभाषा एकक तथा नराकास समन्वयक को इस अंक को आकर्षक बनाने में उनके बहुमूल्य सुझावों एवं मार्गदर्शन के लिए तथा संस्थान के राजभाषा एकक में पदस्थापित श्रीमती कंचन चौधरी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी(प्रेस एवं संपादन), श्री चन्द्रभान, सहायक, श्री कुणाल कालरा, नराकास वित्तीय समन्वयक, श्री संजीव कुमार, राजभाषा अधिकारी(यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल) और श्री तरूण शर्मा, राजभाषा अधिकारी(केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल) को सहयोग के लिए हृदय से धन्यवाद भी देता हूँ।

31 जुलाई, 2017 को महान कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की जयन्ती थी। उनकी साधारण जन के प्रति घनीभूत संवेदना और करूणा मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने का कार्य करती है। करूणा से सभी भेदभाव समाप्त हो जाते हैं और यह दूसरों की सेवा और उत्थान का सोपान भी बनती है। प्रेमचन्द की करूणा मनुष्य जाति के प्रति तो है ही, पशु–पक्षी भी उनके कल्याण के पात्र रहे हैं। इसलिए हम कर्णोदय पत्रिका के माध्यम से उन्हें सादर नमन भी करते हैं।

आशा है कि पूर्व की भांति इस अंक को भी सुधि पाठकगण रूचिकर और उपयोगी पायेंगे। इस प्रतिष्ठित पत्रिका के प्रबुद्ध पाठकों से हमारा पुनः विनम्र निवेदन है कि वे इस अंक में प्रकाशित सभी लेखों के बारे में अपनी प्रतिक्रियाएं अवश्य भेजें। उनकी प्रतिक्रिया इस पत्रिका को और अधिक उपयोगी बनाने में अपनी अहम् भूमिका अदा करती आ रही है एवं इस अंक पर प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा रहेगी।

जय–हिन्द।

राकेश कुमार कुशवाहा

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (न.रा.का.स) करनाल

सत्यमेव जयते

समन्वय कार्यालय :
भाकृअनुप-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

Co-ordination Office :
ICAR-NDRI (Deemed University), Karnal

Town Official Language Implementation Committee (T.O.L.I.C.), Karnal

न.रा.का.स., करनाल

न	नम्रतापूर्वक
रा	राजभाषा
का	कार्यान्वयन
स	समन्वय

क	कर्मठ केन्द्र नगर का
र	रहे राजभाषा उन्मुखी सर्वदा
ना	ना थमेंगे हमारे अथक प्रयास
ल	लक्ष्य न होंगे जब तक पूरे प्राप्त

**"नराकास करनाल के बढ़ते कदम,
प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सहयोग के संग"**

केनरा बैंक
भारत सरकार का उपक्रम
Canara Bank
A Government of India Undertaking
Together We Can

सन्देश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा " कर्णोदय पत्रिका " के 14वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है । इस अवसर पर मैं पत्रिका से जुड़े समस्त लोगों को बधाई देना चाहता हूँ ।

मुझे आशा है कि पत्रिका हमारे करनाल, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों के साथ आम लोगों में भी राजभाषा के प्रति जागरुकता एवं प्रचार–प्रसार करने में सफल होगी ।

"कर्णोदय पत्रिका" निरंतर पल्लवित–पुष्पित होती रहे और अपने उद्देश्यों में सफल हो, ऐसी शुभकामनाओं एक साथ ।

उमेश कुमार शर्मा
उप महा प्रबंधक
केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल

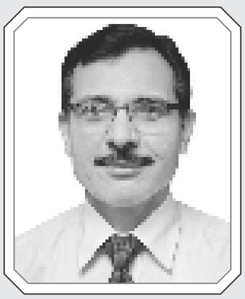

सन्देश

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
ज़िन्दगी के साथ भी, ज़िन्दगी के बाद भी.

यह हर्ष का विषय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा समिति की वार्षिक गृह पत्रिका ''कर्णोदय'' के चौदहवें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

करनाल नगर स्थित भारत सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय है।

हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि डॉ. आर.आर.बी. सिंह, अध्यक्ष, नराकास करनाल एवं निदेशक राडेअनुसं, करनाल के समग्र मार्गदर्शन एवं श्री राकेश कुमार कुशवाहा, सहायक निदेशक एवं सचिव, नराकास, करनाल के अथक प्रयासों से समिति राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार को सार्थकता प्रदान करती रहेगी।

इस विशेष प्रयास पर हार्दिक शुभकामनाएं।

जोगेन्द्र कुमार
वरिष्ट मण्डल प्रबन्धक
भारतीय जीवन बीमा निगम
मण्डल कार्यालय, करनाल

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
Ministry of Labour & Employment
भारत सरकार Government of India

सन्देश

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के समन्वय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा प्रकाशित की जा रही समिति की वार्षिक गृह पत्रिका ''कर्णोदय'' के वर्ष 2016–17 के अंक के प्रकाशन के लिए हमारे कार्यालय की ओर से शुभकामनायें।

इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए संपादक मंडल एवं प्रविष्टियाँ प्रस्तुत करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई। हमें आशा है कि पत्रिका राजभाषा के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन को नई दिशा प्रदान करेगी।

मो0रजी आलम खान,
सहायक श्रम आयुक्त(केन्द्रीय)
32, बैंक कॉलोनी, करनाल, हरियाणा

क्षेत्र प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मॉडल टाऊन करनाल

ईमेल: rh.karnal@unionbankofindia.com, ☎ : 0184-2268640

सन्देश

(नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति करनाल, के सदस्य कार्यालयों के लिए)

प्रिय साथियों,

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पत्रिका ''कर्णोदय'' के माध्यम से आपसे प्रथम बार परिचय करते हुए बहुत हर्ष का अनुभव हो रहा है। जीवन एक यात्रा है, जीवन का उद्देश्य ही चलते रहना है। जब हम अपने लक्ष्य की ओर चलते रहते हैं तो उससे हमें एक आत्मिक आनंद की प्राप्ति होती है जिससे हमारी साँसे या यूं कहें कि जीने की शक्ति ओर बढ़ जाती है। जीवन की कोई मंजिल नहीं है। जो लोग जीवन को मंजिल समझ लेते हैं वे आगे कर्म न करने के लिए रूक जाते हैं क्योंकि उनके पास आगे कदम बढ़ाने की कोई प्रेरणा नहीं होती। जब हम रूक जाते हैं तो आगे हमारी जिंदगी भी रूक जाती है। जीवन को सदैव एक सफर समझ कर चलते रहने से जो आनंद एवं उपलब्धियां प्राप्त होती हैं वे चिंताओं को भी दूर भगा देती हैं। इसलिए समझदारी सदैव चलते रहने एवं कर्म करते रहने में है। जीवन एक सुहाना सफर है। इसे हम सुहाना समझेंगे तो आनंद ले सकेंगें अन्यथा यदि इसे निराशाओं के साथ जियेंगें तो हमें चारों तरफ से दुख घेर लेंगें इसलिए आज हमें इसे सुहाना समझ कर ही जीना होगा। जीवन को सुहाना समझ कर जीने से धीरे–धीरे सभी तकलीफें दूर हो जाती हैं एवं हमारा उत्साह बढ़ता जाता है। इसलिए हमें जीवन का हर दिन एक त्यौहार की तरह जीना चाहिए। भविष्य के गर्भ में क्या छिपा है ये कोई नहीं जानता, अतः यह ज़रूरी है कि हम आज का भरपूर आनंद लें। आज का आनंद हमें इतना मजबूत कर देगा कि कल आने वाली तकलीफ या मुसीबत का सामना भी हम हँसते हँसते कर लेंगे। इस विषय में मैं आपको हरियाणा के सुप्रसिद्ध कवि प्रेमपाल सागर की दो पंक्तियाँ याद दिलाना चाहता हूँ –

''निराशा से आशाओं के कब दीप बुझे हैं, जो काँटों पर चले निरंतर चरण पुजे हैं।''

इसी के साथ मेरे पूरे यूनियन बैंक परिवार की ओर से आप सभी पाठकों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ।

नवनीत कुमार

निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, करनाल

सन्देश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि राजभाषा की प्रगति हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कर्णोदय पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है । करनाल नगर में राजभाषा हिंदी के प्रति सौहार्दपूर्ण वातावरण है और समिति की बैठकों में अधोहस्ताक्षरी स्वयं भाग लेते हैं, और मैंने यह भी पाया है कि श्री के.पी.एस.गौतम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के संयोजन में श्री राकेश कुमार कुशवाहा, सहायक निदेशक एवं सचिव न.रा.का.स. अपनी टीम के साथ प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं ।

हमारे संस्थान में अधिकतर कार्य हिंदी में ही किए जाते हैं और भारत सरकार के राजभाषा विभाग के लक्ष्यों की अनुपालना करने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें, हिंदी दिवस/पखवाड़ा/हिंदी कार्यशालाएं समय समय पर आयोजित की जाती है। संस्थान के कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु दो प्रोत्साहन योजनाएं हर वर्ष चलाई जाती है और पुरस्कार दिए जाते हैं।

कर्णोदय पत्रिका के प्रकाशन हेतु पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आशा करता हूँ कि यह पत्रिका पूरे भारत में अपनी सफलता का परचम लहराएगी ।

मेजर सिंह

नराकास करनाल के उल्लेखनीय कार्य

सदस्य कार्यालयों को राजभाषा के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन हेतु मार्गदर्शन
नराकास करनाल के समस्त कार्यालयों के डाटाबेस को अद्यतन रखना
समिति के पत्राचार को कागजन्यून से कागजविहीन(लेस पेपर से पेपरलेस) करना
समय–समय पर विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन
समय–समय पर राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन
उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों का राजभाषा शील्ड व ट्राफी से सम्मान
उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालय प्रधानों का प्रशस्ति पत्र से सम्मान
उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजभाषा अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशस्ति पत्र से सम्मान
सदस्य कार्यालयों से कैशलैस तरीके से अंशदान प्राप्त करना
समिति के वित्तीय अभिलेखों की समय पर लेखा परीक्षा
समिति की पत्रिका का समय पर प्रकाशन

छमाही बैठकों में सदस्य कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों की प्रतिभागिता की समीक्षा
प्रशासनिक प्रधानों के स्टेशन से बाहर रहने पर अगले वरिष्ठतम अधिकारी द्वारा प्रतिभागिता की समीक्षा
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय को ऑनलाइन रिपोर्ट/सूचनाओं का प्रेषण

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय का वर्ष 2017–18 का वार्षिक कार्यक्रम
(नराकास करनाल के ''क' क्षेत्र में स्थित सदस्य कार्यालयों के लिए लागू मदें)

क्र.	कार्य विवरण	''क'' क्षेत्र	''ख'' क्षेत्र	''ग'' क्षेत्र
1.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का हिंदी में उत्तर दिया जाना	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत
2.	हिंदी में कार्यालय टिप्पणियां लिखना	75 प्रतिशत	50 प्रतिशत	30 प्रतिशत
3.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	70 प्रतिशत	60 प्रतिशत	30 प्रतिशत
4.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80 प्रतिशत	70 प्रतिशत	40 प्रतिशत
5.	हिंदी में डिक्टेशन, कीबोर्ड पर सीधे टंकण(स्वयं व सहायक द्वारा)	65 प्रतिशत	55 प्रतिशत	30 प्रतिशत
6.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण एवं आशुलिपि)	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत
7.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत
8.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई–पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तको आदि की खरीद पर व्यय	50 प्रतिशत	50 प्रतिशत	50 प्रतिशत
9	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषिक खरीद	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत
10	वेबसाइट (द्विभाषी)	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत
11	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत	100 प्रतिशत
12	मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण (न्यूनतम)	25 प्रतिशत	25 प्रतिशत	25 प्रतिशत
13	राजभाषा संबंधी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें	वर्ष में 2 बैठकें, प्रति छमाही एक बैठक		
14	राजभाषा संबंधी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें	वर्ष में 4 बैठकें, प्रति तिमाही एक बैठक		
15	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद		100 प्रतिशत	

नराकास करनाल के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा गतिविधियों की जानकारी

1. एमएसएमई–विकास संस्थान, करनाल में राजभाषा गतिविधियॉ

कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी/प्रतिनिधि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल की बैठकों में भाग लेते हैं। संस्थान में अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों को हिंदी में मूल कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो प्रोत्साहन योजनाओं को लागू किया गया प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेताओं को प्रमाणपत्र भी वितरित दिए गए।

दिनांक 1 सितम्बर से 14 सितम्बर–2017 तक संस्थान में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान दिनॉक 7.9.2017 को नगर स्तर पर हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजिन किया गया विजेताओं को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की आगामी छमाही बैठक में मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन भी संस्थान में दिनॉक 1 सितंबर, 2017 को किया गया। तिमाही हिन्दी बैठक का आयोजन 14.9.2017 को किया गया जिसमें कार्यालय प्रधान ने पूरे संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। संस्थान के श्री हरीश रखेगा, सहायक निदेशक(प्रशासन) ने संस्थान के भिवानी स्थित अधीनस्थ कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया था। निरीक्षण नोट भी अनुपालना हेतु जारी किया गया।

उपरोक्त के अलावा निम्नलिखित कार्य हिंदी में किये जाते हैं :–

वर्ष 2017 में राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु तिमाही बैठकों का समय पर आयोजन किया गया।

मुख्यालय एवं राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय द्वारा प्राप्त निर्देशों का अनुपालन पूरी तरह से किया गया।

हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाता है।

संस्थान में सभी रबड़ की मोहरें हिंदी में अथवा द्विभाषी हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सभी अध्ययन सामग्री हिंदी में ही तैयार कर प्रशिक्षार्थियों को दी जाती है।

बैनर व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विज्ञापन आदि द्विभाषी/हिंदी में भेजे जाते हैं।

कार्यालय में धारा 3(3) की अनुपालना की जाती है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भाग लिया जाता है

नियम 8(4) के अंतर्गत अनुभागों को अपना सारा कार्य हिंदी में करने के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है।

प्रेस नोट सभी केवल हिंदी में तैयार किए जाते हैं।

छुट्टी के आवेदन केवल हिंदी में स्वीकार किए जाते हैं।

उपस्थित रजिस्टरों में सभी सद्स्य केवल हिंदी में हस्ताक्षर करते हैं।

सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियां हिंदी में ही की जाती हैं।

सभी प्रकार के अग्रेषण पत्र हिंदी में तैयार करके भेजे जाते हैं।

प्रशिण कार्यक्रम की रिपोर्ट भी हिंदी में तैयार की जाती है।

फाइलों पर स्टाफ सदस्य एवं अधिकारी नोटिंग एवं हस्ताक्षर हिंदी में ही करते हैं।

सभी अधिकारी अपने दौरा रिपोर्ट हिंदी में ही तैयार करते हैं।

अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर भी हिंदी में भेजने के प्रयास किए जाते है।

प्राप्ति एवं प्रेषण विभाग में लिफाफों पर पते हिंदी में लिखे जाते है।

राजभाषा की मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा भर कर एवं हिंदी में किए गए कार्यो के फोटो कापी सहित हिंदी अनुभाग में भेजी जाती है।

दिनॉंक 15.9.2016 को एस एस एम ई द्वारा संपन्न नगर स्तरीय राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं की सूची

श्रीमती पूनम सलूजा, एमएसएमई विकास संस्थान	प्रथम पुरस्कार
श्रीमती ज्योति गोयल, मुख्य डाकघर	द्वितीय पुरस्कार
श्रीमती रूचि ढल्ल, मुख्य डाकघर, करनाल	तृतीय पुरस्कार
श्री पवन गर्ग, भारतीय खाद्य निगम, करनाल	प्रोत्साहन पुरस्कार

दिनाँक 7.9.2017 को एस एस एम ई द्वारा संपन्न नगर स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं की सूची

श्री नरेन्द्र कुमार वैद, एस.एस.एम.ई. द्वारा भाकृअनुप–के0मृ0ल0अनु0सं0, करनाल	प्रथम पुरस्कार
श्री चित्र नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनालन	द्वितीय पुरस्कार
सुश्री मीनू बाला धीमान, एमएसएमई विकास संस्थान, करनाल	तृतीय पुरस्कार

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल कार्यालय में राजभाषा गतिविधियाँ

नराकास की बैठको में नियमित रूप से प्रतिभागिता।

प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यालय राजभाषा नियम 10 (4) के अन्तर्गत अधिसूचित है।

कार्यालय द्वारा 9 अनुभागों को धारा 8(4) में विनिर्दिष्ट किया गया है।

राजभाषा नियम 5 के तहत हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया जाता है।

दिनाँक 01.09.2017 से 15.09.2017 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाडे के दौरान आयोजन :

–हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

–हिन्दी विचार प्रतियोगिता

–हिन्दी निबंध प्रतियोगिता

–राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता

–हिन्दी गीत गायन/नृत्य/कविता पाठ प्रतियोगिता,

–हिन्दी कंप्यूटर ज्ञान प्रतियोगिता

–हिन्दी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह दिनाँक 14.09.2017 को संपन्न।

3. जवाहर नवोदय विद्यालय, तितरम–136027 (कैथल) में हिंदी पखवाड़ा संपन्न

जवाहर नवोदय विद्यालय, तितरम–कैथल में दिनांक 01.09.2017 से 15.09.2017 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े में निम्नलिखित प्रतियोगिताएं/गतिविधियॉ आयोजित की गईं :–

–8.9.2017 को हिन्दी नाटिका ''जागो ग्राहक जागो'' का मंचन।

–9.9.2017 को हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन।

–11.9.2017 को हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का आयोजन।

–12.9.2017 को हिन्दी साहित्यकारों का पोर्ट्रेट निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन

–13.9.2017 को हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन।

–14.9.2017 को हिन्दी दिवस का आयोजन।

–15.9.2017 को हिन्दी कविता पाठ का आयोजन

4. सहायक श्रमायुक्त(केन्द्रीय), करनाल द्वारा हिंदी पखवाड़ा गतिविधियों में प्रतिभागिता

सहायक श्रमायुक्त(केन्द्रीय), करनाल कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हिन्दी पखवाड़ा–2017 के परिप्रेक्ष्य में उप मुख्य श्रमायुक्त(केन्द्रीय), क्षेत्रीय कार्यालय, चण्डीगढ़ में दिनॉक 21.9.2017 से 22.9.2017 तक आयोजित निम्नलिखित गतिविधियों में प्रतिभागिता की गई–

–हिन्दी कार्यशाला का आयोजन।

–हिन्दी टिप्पण/आलेखन प्रतियोगिता।

–हिन्दी शब्दावली ज्ञान प्रतियोगिता।

–हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता

5. भाकृअनुप–राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल

संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें : संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें समय पर आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में लिए गए निर्णयों पर क्रियान्वयन व अनुपालन किया जाता है। प्रत्येक तिमाही में निष्पादित कार्रवाई पर चर्चा करके पुष्टि की जाती है। इस अवधि के दौरान अभी तक दो बैठकें 28–01–2017, 02–05–2017 तथा 29–07–2017 को आयोजित की गई हैं।

संस्थान राजभाषा सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन :

संस्थान में समय–समय पर संस्थान राजभाषा सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका "पशुधन प्रकाश" के प्रकाशन से संबंधित, हिंदी चेतना माह अथवा पखवाड़ा के आयोजन संबंधित विषयों पर चर्चा करके कार्यक्रमों की रूप–रेखा बनाई जाती है। राजभाषा सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन 27–7–2017 तथा 08–08–2017 को किया गया।

तिमाही हिंदी व्याख्यानों / कार्यशालाओं का आयोजन :

राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार व इसके प्रयोग के प्रति स्टाफ सदस्यों का रुझान बढ़ाने हेतु संस्थान में हिंदी व्याख्यान / कार्यशालाएं आयोजित की जाती है। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत दिनांक 27–1–2017 को "धन हस्तांतरण का अंकीकरण" विषय पर एक हिंदी व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 14–12–2017 को हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर हिंदी शब्द ज्ञान से सम्बंधित हिंदी प्रतियोगिता के साथ हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न आयोजन :

–6–21 सितम्बर 2017 : हिंदी पखवाड़े का आयोजन संपन्न।
–हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन (विषय : ''गौ संरक्षण में गोचरण का महत्व'')
–हिंदी पत्र लेखन प्रतियोगिता।
–हिन्दी टिप्पणी / मसौदा लेखन प्रतियोगिता।
–हिन्दी शब्दार्थ व अनुवाद प्रतियोगिता।
–हिन्दी आशु–भाषण प्रतियोगिता।
–हिन्दी भाषण प्रतियोगिता। (विषय : "नकदी रहित भारत")
– 12.9.17 को विद्यार्थियों हेतु हिंदी लेख / पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता(विषय : "मेरा गांव मेरा गौरव") संपन्न।
– 13–9–2017 को वैज्ञानिकों के लिए हिंदी में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता संपन्न।
–14–09–2017 को हिंदी दिवस का आयोजन।
–03 हिंदी शब्द ज्ञान प्रतियोगिता / कार्यशाला का आयोजन।
–संस्थान में ''वर्ष 2016–17 में राजकीय कार्यों में हिंदी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए चयनित ''हिंदी उत्कृष्ट कार्मिक'' प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मान।

–21.9.17 को हिंदी पुरस्कार वितरण समारोह :

दिनांक 21–09–2017 को संस्थान ने अपना 34वां स्थापना दिवस तथा हिंदी पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। समारोह के दौरान ही मुख्य अतिथि डॉ. के.एम.एल. पाठक, कुलपति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु विज्ञान एवम् गो अनुसन्धान विश्वविद्यालय, मेरठ ने हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

इसी शुभ अवसर पर ब्यूरो की वार्षिक हिंदी पत्रिका "पशुधन प्रकाश" के सप्तम अंक (वर्ष 2016) में प्रकाशित लेखों के मूल्यॉंकन के आधार पर तीन श्रेष्ठ लेखों को भी पुरस्कार प्रदान किये गए।

वार्षिक हिंदी पत्रिका पशुधन प्रकाश के अष्टम अंक का विमोचन :

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. के.एम.एल. पाठक, कुलपति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु विज्ञान एवम् गौ अनुसन्धान विश्वविद्यालय, मेरठ ने ब्यूरो की वार्षिक हिंदी पत्रिका पशुधन प्रकाश के अष्टम अंक (वर्ष 2017) का विमोचन भी किया।

विशेष उपलब्धि

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिए जाने वाले राजभाषा पुरस्कारों के अंतर्गत वर्ष 2016–17 का ''द्वितीय पुरस्कार'' भाकृअनुप–राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल कार्यालय को मिला, जिसमें संस्थान के लिए एक ट्रॉफी तथा संस्थान के निदेशक डा. आर्जव शर्मा एवं नामित राजभाषा अधिकारी श्री सतपाल को प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित किया गया।

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल

1. संस्थान में राजभाषा नीति एवं नियमों का नियमानुसार अनुपालन किया जा रहा है।
2. संस्थान की तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग को ऑनलाइन प्रेषित की जाती है।
3. संस्थान में सभी नामपट्ट बोर्ड, बैनर आदि द्विभाषी बने हुए हैं।
4. संस्थान में सभी प्रशासनिक बैठकों की कार्यवाही पूर्णतः हिन्दी में आयोजित की जाती है।
5. सभी मजदूरों के ठेके तथा नीलामी की सूचनाएं, विज्ञापन, प्रेस नोट निमंत्रण कार्ड आदि द्विभाषी/हिन्दी में प्रकाशित किये जाते हैं।
6. कार्यालय में डाक प्रेषण का सारा काम हिन्दी में किया जाता है।
7. अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियाँ हिन्दी में की जाती हैं।
8. लेखा परीक्षा अनुभाग के सभी बिलों पर भुगतान आदेश हिन्दी में लगाये जाते हैं एवं रोकड बही भी हिन्दी में लिखी जाती हैं।
9. संस्थान को भा.कृ.अनु.पं.–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के समन्वय में आयोजित होने वाली नराकास करनाल की छमाही समीक्षा बैठक में स्वयं कार्यालय प्रधान भाग लेते हैं। बोनाफाइड सरकारी ड्यूटी अथवा अपरिहार्य कारणों से स्टेशन से बाहर होने की स्थिति में वरिष्ठतम प्रशासनिक अधिकारी उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।
10. विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में 14 से 28 सितम्बर 2017 के मध्य हिन्दी पखवाडे का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 2017 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. आर. आर. बी. सिंह, निदेशक राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल थे।

क्र. सं	दिनांक	प्रतियोगिताओं के नाम	पुरस्कृत विजेता	विजेताओं के नाम प्रथम	द्वितीय	तृतीय	सांत्वना
1.	14.09.2017	हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन	4	डा. प्रवीण कुमार	डा. देवेन्द्र बुन्देला	डा. अनिता मान	श्री देवेन्द्र. यादव
2.	18.09.17	निबंध लेखन प्रतियोगिता	3	श्रीमती सुनीता मल्होत्रा	श्री फतेह सिंह	डा. पारूल सुंधा	–
3.	20.09.17	आवेदन पत्र लेखन (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों हेतु)	3	श्री फतेह सिंह	श्री चरण सिंह मीणा	श्री निरंजन सिंह	–
4.	23.09.17	हिन्दी टंकण प्रतियोगिता	3	श्रीमती सुषमा गर्ग	श्रीमती दिनेश गुगनानी	श्रीमती रीटा आहुजा	–
5.	25.09.17	टिप्पणी एवं मसौदा लेखन नगर स्तरीय प्रतियोगिता	इस प्रतियोगिता के विजेताओं को नराकास की बैठक में पुरस्कृत किया जायेगा।				
6.	26.09.17	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	10	डा. प्रवीण कुमार, श्री मयंक पांडे, श्री दलीप सिंह	डा. असीम दत्ता, श्रीमति अनिता मेहता, श्री राजपाल	डा. मधु चौधरी, श्री अनिल शर्मा, सुश्री शिवांगी	डा. राजकुमार, श्री बृजमोहन मीणा, श्री अजय जोशी
7.	27.09.17	हिन्दी गीत अन्ताक्षरी	12	डा. अश्वनी कुमार, श्री दिलबाग सिंह, श्री मयंक पांडे	डा. महति प्रकाश, श्री नरेन्द्र कुमार, श्रीमती सुषमा गर्ग	श्री तरूण कुमार, श्रीमती दिनेश गुगनानी, श्रीमति रीटा आहुजा	श्रीमती सुनीता ढीगंडा, श्री देवेन्द्र यादव, श्री बृजमोहन मीणा
8.	28.09.17	पोस्टर प्रदर्शनी प्रतियोगिता	9	श्री असलम पठान, डा. राहुल टोलिया, डा. भास्कर नर्जरी, डा. सत्येन्द्र कुमार, डा. डी. एस. बुंदेला	डा. मधु चौधरी, श्री अवतार सिंह, डा. गजेन्द्र सिंह	–	–
9.	28.09.17	समापन समारोह एवं कविता पाठ प्रतियोगिता	4	श्री मयंक पाण्डे	श्री बृजमोहन मीणा	श्रीमति जसबीर कौर	श्री देवेन्द्र यादव

भाकृअनुसं–के.मृ.ल.अनु.सं. करनाल में सरकारी कामकाज मूलरूप से हिन्दी में निपटाने के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत कर्मचारियों की सूची

क्र॰ सं॰	नाम एवं पद	परिणाम
1	श्री बलवान सिंह	प्रथम
2	श्रीमती जसबीर कौर	द्वितीय
3	श्रीमती जसबीर सिंह	द्वितीय
4	श्रीमती सुषमा गर्ग	तृतीय
5	श्री सुरेश पाल राणा	तृतीय
5	श्री चरण सिंह मीणा	तृतीय

विशेष : संस्थान की निदेशक इकाई को अपना सर्वाधिक कार्य हिन्दी में करने के लिए चल वैजयंती पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नराकास करनाल के तत्वावधान में के0मृ0ल0अनु0सं0, करनाल में दि. 23.9.2016 को संपन्न टिप्पणी एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता के विजेता

प्रथम : श्री अनिल कुमार शर्मा, के.मृ.ल.अनु.सं, करनाल

द्वितीय : श्री पंकज सिंह, केन्द्रीय विद्यालय करनाल

तृतीय : मुकेश तोमर,दूरदर्शन

प्रोत्साहन पुरस्कार :

श्रीमती सन्तरा देवी, के.मृ.ल.अनु.सं, करनाल

श्रीमती सुषमा देवी, के.मृ.ल.अनु.सं, करनाल

श्रीमती वीरा रानी, के.मृ.ल.अनु.सं, करनाल

श्री जीवन कुमार, दूरदर्शन, करनाल

श्री चन्द्रभानु सिंह, आई.ए.आर.आई., करनाल

श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव, के.मृ.ल.अनु.सं, करनाल

श्रीमती ऊषा कत्याल,एम.एस.एम.ई–विकास संस्थान, करनाल

7. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय स्टेशन, करनाल

–1 से 15 सितंबर, 2017 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया।

–12.9.2017 को कार्यालय के वैज्ञानिकों, प्रशासनिक वर्ग व हिन्दी मुहावरा एवं शब्द–ज्ञान प्रयोग, व सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परिणाम इस प्रकार रहा–

वैज्ञानिक वर्ग :

प्रथम : डा. अश्विनी कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक

द्वितीय : डा. राम निवास यादव, प्रधान वैज्ञानिक

तृतीय : डा. परमेश्वर बख्श सिंह, प्रधान वैज्ञानिक

प्रशासनिक वर्ग

प्रथम : श्रीमती निर्मला, सहायक

द्वितीय : श्री यादविन्द्र, वरिष्ठ तकनीकी सहायक

तृतीय : श्री धीरेन्द्र चौधरी, तकनीकी अधिकारी

कुशल सहायी वर्ग

प्रथम : श्री राम शरण, कुशल सहायी कर्मचारी

द्वितीयः श्री राम नारायण, कुशल सहायी कर्मचारी

तृतीयः श्री केदार नाथ, कुशल सहायी कर्मचारी

8. भारत संचार निगम लिमिटेड, करनाल

– 1 से 15 सितंबर, 2017 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया।

– **11.9.2017 को संपन्न हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता**

प्रथम : श्री रविन्द्र पाल, कार्यालय अधीक्षक जनरल, करनाल

द्वितीय : श्रीमती परमजीत कौर, कनिष्ठ अभियन्ता, करनाल

तृतीय : श्रीमती दीनिका, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, करनाल

– **11.9.2017 को हिंदी टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता**

प्रथम : श्री रविन्द्र पाल, कार्यालय अधीक्षक जनरल, करनाल

द्वितीय : श्री बाबू राम, उपमण्डल अभियन्ता, करनाल

तृतीय : श्रीमती दीनिका, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, करनाल

– **11.9.2017 को हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता**

प्रथम : श्रीमती दीनिका, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, करनाल

द्वितीय :श्रीमती गीता रानी, सहायक कार्यालय अधीक्षक, करनाल

तृतीय : श्रीमती परमजीत कौर, कनिष्ठ अभियन्ता, करनाल

– **15.9.2017 को हिंदी भाषण प्रतियोगिता**

प्रथम : श्रीमती दीनिका, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, करनाल

द्वितीय : श्रीमती रेनु, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, करनाल

तृतीय : श्री बाबू राम, उपमण्डल अभियन्ता, करनाल

– **15.9.2017 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही हिंदी बैठक भी संपन्न हुई।**

9. भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल

1. कार्यालय में राजभाषा नीति एवं नियमों का नियमानुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।
2. कार्यालय के सभी कंप्यूटरों में हिन्दी फोंट उपलब्ध हैं।
3. नराकास, करनाल की समीक्षा बैंठकों में कार्यालय प्रधान शामिल होते हैं तथा अपरिहार्य कार्यों से उनके स्टेशन में न होने की स्थिति में नामित वरिष्ठ अधिकारी उक्त बैठक में शामिल होते हैं।
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में समय पर हिन्दी बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
5. कार्यशालाएँ– विभिन्न कार्यशालाओं का हिन्दी में समय पर आयोजन किया जा रहा है।
6. नराकास सचिवालय एवं विभागीय मुख्यालय को समय पर हिन्दी प्रगति संबंधी रिपोर्ट भेजी जा रही हैं।
7. राजभाषा **उत्सव एवं हिन्दी पखवाड़ा :**

– राजभाषा उत्सव एवं हिन्दी पखवाड़ा (01–15 सितंबर, 2017) तक संपन्न।
– 1.9.2017 को कुशल सहायक कर्मचारियों के लिए हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता।
– 4.9.2017 को वैज्ञानिकों के लिए हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता।
– 5.9.2017 को प्रशासनिक स्टाफ के लिए हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता।
– 6.9.2017 को तकनीकी स्टाफ के लिए हिन्दी वाद–विवाद प्रतियोगिता।
– 7.9.2017 को सभी संवर्गों के लिए हिन्दी भाषण प्रतियोगिता
– 8.9.2017 को सभी संवर्गों के लिए कृषि क्षेत्र में शोध पर हिन्दी पोस्टर प्रदर्शनी।
– 11.9.17 को प्रमुख अन्वेशकों/ईकाई प्रमुखों के लिए पावर प्वांइट प्रस्तुति प्रतियोगिता।
– 12.9.2017 को नराकास स्तरीय खुला मंच प्रतियोगिता।
– 13.9.2017 को सभी संवर्गों के लिए उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार प्रतियोगिता।

8. गेहूँ एवं जौ स्वर्णिमा के सातवें अंक में प्रकाशित **"गेहूँ में उद्यमता विकास"** (अनुज कुमार, स्नेह नरवाल, बी एस त्यागी, आर के गुप्ता एवं जे के पाण्डेय) तथा **"आधुनिक युग में जैव उर्वरक व कार्बनिक खेती की व आवश्यकता उपयोगिता"** (विकास जून, आर एस छोकर, एस सी गिल, आर के सिंह, सचिन मलिक, ममता काजला, अकुंर चौधरी एवं आर के शर्मा) को उत्कृष्ट लेख पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में चयनित दो लेखों के लिए 3000/– रूपये प्रति लेख की नगद पुरस्कार राशि भी दी गई।
9. किसानों के लिए एक छःमाही पत्रिका **गेहूँ एवं जौ संदेश** का समयबद्ध प्रकाशन किया जा रहा है। साथ ही संस्थान द्वारा हिन्दी में विस्तार बुलेटिन, विस्तार कार्ड व अन्य प्रकाशन समय–समय पर प्रकाशित किए जा रहे हैं।

संस्थान की पत्रिका को पुरस्कार

गेहूँ एवं जौ स्वर्णिमा को **"गणेश भांकर विद्यार्थी हिन्दी कृषि पत्रिका पुरस्कार"** परिषद के अधिनस्थ संस्थानों द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिकाओं में वर्ष 2015–16 के दौरान प्रकाशित पत्रिकाओं में गेहूँ एवं जौ स्वर्णिमा को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

विशेष उपलब्धि

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा संस्थान को वर्ष 2016–17 के वार्षिक नराकास राजभाषा पुरस्कार के अन्तर्गत ''द्वितीय पुरस्कार'' प्राप्त हुआ।

10. भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड, मंडल कार्यालय, करनाल

1. कार्यालय में राजभाषा नीति एवं नियमों का नियमानुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।
2. कार्यालय के सभी कंप्यूटरों में हिन्दी फोंट उपलब्ध हैं।
3. नराकास, करनाल की समीक्षा बैंठकों में कार्यालय प्रधान शामिल होते हैं तथा अपरिहार्य कार्यों से उनके स्टेशन में न होने की स्थिति में नामित वरिष्ठ अधिकारी उक्त बैठक में शामिल होते हैं।
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में समय पर हिन्दी बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
5. कार्यशालाएँ– विभिन्न कार्यशालाओं का हिन्दी में समय पर आयोजन किया जा रहा है।
6. नराकास सचिवालय एवं विभागीय मुख्यालय को समय पर हिन्दी प्रगति संबंधी रिपोर्ट भेजी जा रही हैं।
7. हिन्दी पखवाडा के आयोजन

– 14 सितंबर को हिन्दी दिवस का भव्य आयोजन संपन्न।
– 14 से 28 सितंबर, 2017 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया।
– कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन
– निबंध लेखन प्रतियोगिता संपन्न
– हिन्दी टाइपिंग प्रतियोगिता दि. 21.09.2017 को संपन्न
– हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता दि. 25.09.2017 को संपन्न।
– 28.9.17 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित।
– 28.9.17 को राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ

11. केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल

1. अंचल कार्यालय एवं अधीनस्थ शाखाओं में राजभाषा नीति एवं नियमों का नियमानुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।
2. कार्यालय के सभी कंप्यूटरों में हिन्दी फोंट उपलब्ध हैं।
3. नराकास, करनाल की समीक्षा बैंठकों में कार्यालय प्रधान शामिल होते हैं तथा अपरिहार्य कार्यों से उनके स्टेशन में न होने की स्थिति में नामित वरिष्ठ अधिकारी उक्त बैठक में शामिल होते हैं।
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में समय पर हिन्दी बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
5. कार्यशालाएँ– विभिन्न कार्यशालाओं का हिन्दी में समय पर आयोजन किया जा रहा है।
6. नराकास सचिवालय एवं विभागीय मुख्यालय को समय पर हिन्दी प्रगति संबंधी रिपोर्ट भेजी जा रही हैं।
7. हिन्दी माह के दौरान आयोजित गतिविधियॉ

– सितम्बर माह हिंदी माह के रूप में आयोजित 2017 तक हिन्दी माह का आयोजन।
– हिन्दी हस्ताक्षर अभियान के दौरान संकल्प लिया गया कि सभी अपना अधिकतम कार्य हिन्दी में करेंगें ।
– 2.9.2017 को हिन्दी आशुलेखन प्रतियोगिता।
– 4.9.2017 को हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता (अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए)।
– 7.9.2017 को हिन्दी बैंकिंग शब्दावली एवं राजभाषा संबंधी प्रावधान प्रतियोगिता।
– 11.9.2017 को हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता।
– 12.9.2017 को हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।
– 20.9.2017 को मुख्य हिन्दी दिवस कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया ।
– 29 सितंबर को उप महा प्रबंधक के उद्‌बोधन के साथ हिन्दी माह का समापन हुआ ।
– हिन्दी माह के दौरान सभी अनुभागों में अलग अलग ऑन–द–डेस्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

विशेष : केनरा बैंक को नराकास, करनाल द्वारा सर्वोत्तम राजभाषा कार्य हेतु वर्ष 2016–17 का द्वितीय वार्षिक राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

12. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल

1. कार्यालय में राजभाषा नीति एवं नियमों का नियमानुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।
2. कार्यालय के सभी कंप्यूटरों में हिन्दी फोंट एवं यूनिकोड में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है।
3. नराकास, करनाल की समीक्षा बैंठकों में कार्यालय प्रधान शामिल होते हैं तथा अपरिहार्य कार्यों से उनके स्टेशन में न होने की स्थिति में नामित वरिष्ठतम अधिकारी उक्त बैठक में शामिल होते हैं।
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में समय पर हिन्दी बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
5. कार्यशालाएँ– हिन्दी कार्यशालाओं का प्रत्येक तिमाही में समय पर आयोजन किया जा रहा है। नराकास सचिवालय एवं विभागीय मुख्यालय को समय पर हिन्दी प्रगति संबंधी रिपोर्ट भेजी जा रही हैं।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित गतिविधियॉं

– कार्यालय द्वारा दि. 11.09.2017 से 25.09.2017 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।
– हिन्दी कार्यशाला का आयोजन संपन्न।
– 11.09.2017 को हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता।
– 13.09.2017 को हिन्दी शब्द ज्ञान प्रतियोगिता।
– 14.09.2017 को हिन्दी बैंकिग शब्दावली प्रतियोगिता।
– 19.09.2017 को यूनिकोड पर हिन्दी टाईपिंग प्रतियोगिता।
– 20.09.2017 को निबंध प्रतियोगिता।
– 22.09.2017 को मुख्य हिन्दी दिवस कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया ।
– हिन्दी पखवाडा के दौरान सभी अनुभागों में अलग अलग ऑन–द–डेस्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

विशेष : नराकास, करनाल द्वारा सर्वोत्तम राजभाषा कार्य हेतु वर्ष 2016–17 का प्रथम वार्षिक राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

13. <u>बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल</u>

1. राजभाषा विभाग एवं मुख्यालय के निर्देशानुसार राजभाषा नीति एवं नियमों का नियमानुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।
2. कार्यालय के सभी कंप्यूटरों में युनिकोड एवं हिन्दी फोंट उपलब्ध हैं।
3. नराकास, करनाल की समीक्षा बैंठकों में कार्यालय प्रधान शामिल होते हैं तथा अपरिहार्य कार्यों से उनके स्टेशन में न होने की स्थिति में नामित वरिष्ठ अधिकारी उक्त बैठक में शामिल होते हैं।
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में समय पर हिन्दी बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
5. कार्यशालाएँ– विभिन्न कार्यशालाओं का हिन्दी में समय पर आयोजन किया जा रहा है। नराकास सचिवालय एवं विभागीय मुख्यालय को समय पर हिन्दी प्रगति संबंधी रिपोर्ट भेजी जा रही हैं।

न नम्रतापूर्वक
रा राजभाषा
का कार्यान्वयन
स समन्वय

हिंदी लिखते समय विराम चिह्नों का प्रयोग

मैं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल की कर्णोदय पत्रिका के माध्यम से पाठकों को हिंदी भाषा में प्रयोग होने वाले विराम चिह्नों के बारे में बताना चाहती हूँ कि किसी चिह्न विशेष को हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में क्या कहा जाता है एवं उनका प्रयोग किस प्रकार किया जाता है। मैं यहाँ हिंदी भाषा में आम तौर पर प्रयोग में लाए जाने वाले विराम चिह्नों के अंग्रेजी नाम व प्रयोग का उल्लेख कर रही हूँ, ताकि पाठकों को इन्हें समझने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही यह आग्रह भी करती हूँ कि हिंदी लिखते समय इन विराम चिह्नों का सही प्रयोग करें।

क्रम सं.	विराम चिह्न	हिंदी नाम	अंग्रेजी नाम	प्रयोग
1.	।	पूर्ण विराम	Full Stop(.)	वाक्य के समाप्त होने की सूचना के अंत में, जैसे 'मोहन आता है'।
2.	(जैसे राम,)	अल्पविराम	Comma	1. वाक्य, वाक्यांश में तीन या अधिक शब्दों को पृथक करने में,
				'जैसे : अजमेर, जयपुर, दौसा आदि।'
				2. समान पदबंधों, उपवाक्यों को पृथक करने हेतु, जैसे–
				क. इलाहाबाद में संगम, हनुमान मंदिर एवं आनन्द भवन रमणीय हैं।
				ख. वह आता है, काम करता है और लौट जाता है।
				3. सकारात्मक और नकारात्मक वाक्यों में हॉं या नहीं के बाद, जैसे–हाँ
				मैं आ रहा हूं। नहीं, मैं आने में असमर्थ हूँ।
				4. संबोधन में शब्द के उच्चारण के बाद क्षण भर रूकने में,
				जैसे – नमस्कार, आप यहां पधारे, उसके लिए, धन्यवाद।
3.	?	प्रश्न चिह्न	Question Mark	प्रश्न पूछने वाले वाक्यों के अंत में प्रयोग होता है।
				जैसे आप कैसे हो ?
4.	!	विस्मयसूचक चिह्न	Exclamation Sign	विस्मय, हर्ष, विषाद, घृणा, आश्चर्य आदि को प्रकट करने में, जैसे–हाय!
				बेचारा सताया गया!
5.	:	उपविराम या अपूर्ण	Colon	1. आगे आने वाली सूची आदि के पूर्व में, जैसे सीमा के तीन पुत्र हैं
		विराम		– राम : मोहन एवं सोमू।
				2. संख्याओं के अनुपात दर्शाने में, जैसे 1:2 आदि।
				3. नाटक / एकांकी में पात्रों द्वारा कथन कहने में, जैसे– पुत्र : पिताजी, मैं
				कायर नहीं हूँ।
				4. स्थान / समय आदि की सूचना हेतु, जैसे– स्थान : मनोरंजन कक्ष,
				समय : सायंकाल 3 बजे, प्रातः 08:00 बजे
6.	;	अर्धविराम	Semi Colon	1. छोटे–छोटे दो या अधिक वाक्यों की श्रृंखला में जो परस्पर आश्रित हों,
				जैसे : विद्या विनय से आती है; विनय से पात्रता।
				2. अंकों के विवरण देने में– जैसे भारत–210; जापान–205
7.	' (जैसे सन'	ऊर्ध्व अल्पविराम	Apostrophe	ऊर्ध्व अल्पविराम का प्रयोग अंग्रेजी के अपॉस्ट्रॉफी के लिए किया जाता है।
	47 तक)			हिंदी में यह ''अंक लोप'' के चिह्नन मात्र का सूचक है। जैसे–
				सन् 1947 से 1950 तक को सन् '47 से सन् '50 तक लिखेंगे।

शालिनी कुशवाहा

न नम्रतापूर्वक
रा राजभाषा
का कार्यान्वयन
स समन्वय

नराकास करनाल की गतिविधियों की स्थानीय समाचार पत्रों में झलक

हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए सार्थक प्रयास करने की जरूरत : डा. सिंह

हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सार्थक प्रयास हो

समीक्षा बैठक में बोले निदेशक आर आर बी सिंह

हिंदी के प्रचार-प्रसार में सिनेमा का अहम योगदान

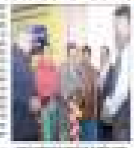

बसंत का पैगाम, राजभाषा हिंदी के नाम

हिंदी के प्रचार-प्रसार में सिनेमा का अहम योगदान

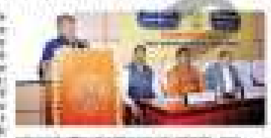

'हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए सभी को सार्थक प्रयास करने की जरूरत'

एनडीआरआई में किया गया नराकास की 65वीं समीक्षा बैठक का आयोजन

देश की राजभाषा का मजबूत होना जरूरी : डी.डी.वर्मा

नराकास की 65वीं समीक्षा बैठक का आयोजन

'देश के विकास के लिए राजभाषा हिंदी का मजबूत होना जरूरी'

करनाल | शुक्रवार | अमर उजाला

बसंत का पैगाम, राजभाषा हिंदी के नाम

एनडीआरआई में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, हिंदी में कामकाज पर जोर दिया गया

राजभाषा ज्ञान प्रश्नावली

प्रश्न / उत्तर

1 भारतीय संघ की राजभाषा क्या है ?

उत्तर देव नागरी में लिखी जाने वाली वाली हिंदी भाषा।

2 राजभाषा हिंदी किस लिपि में लिखी जाती है ?

उत्तर देवनागरी लिपि में।

3 भारतीय संसद में संविधान का भाग सत्रह कब पारित हुआ ?

उत्तर 14 / 09 / 1949 को।

4 राजभाषा अधिनियम 1963 कब पारित हुआ ?

उत्तर 10 मई 1963 को।

5 राजभाषा अधिनियम 1963 कब संशोधित किया गया ?

उत्तर 1967 में।

6 राजभाषा नियमों में वर्गीकृत 3 क्षेत्र क्या हैं ?

उत्तर क,ख व ग क्षेत्र।

7 भारतीय हिंदी दिवस कब मनाते हैं ?

उत्तर 14 सितम्बर प्रत्येक वर्ष।

8 अंडमान व निकोबार द्वीप समूह किस क्षेत्र में स्थित है ?

उत्तर ''क'' क्षेत्र में।

9 '' ख '' क्षेत्र में कितने प्रदेश व केन्द्र शासित प्रदेश हैं ?

उत्तर कुल 06, तीन प्रदेश गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब एवं तीन केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ , दमन व दीव, दादर व नागर हवेली।

10 ''ग'' क्षेत्र में कितने प्रदेश व केन्द्र शासित प्रदेश हैं ?

उत्तर जम्मू–कश्मीर, असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर, नागालैंण्ड, सिक्किम, गोवा, पश्चिम बंगाल, ओडीशा, केरल, तमिलनाडु, आंध्र–प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक,केन्द्र शासित प्रदेश 02 : लक्षद्वीप व पुदुचेरी।

11 नागालैण्ड व अरूणाचल प्रदेश की राजभाषा क्या है ?

उत्तर अंग्रेजी।

12 संसदीय राजभाषा समिति का प्रथम गठन कब हुआ ?

उत्तर जनवरी, 1976

13 संसदीय राजभाषा समिति में कितने सदस्य होते हैं ?

उत्तर 30, लोकसभा से 20 राज्यसभा से 10 ।

14 संसदीय राजभाषा समिति में वर्तमान में कितनी उप–समितियां हैं ?

उत्तर 03 उप–समितियां हैं।

15 राजभाषा कार्यान्वयन समिति का मुख्य कर्त्तव्य क्या है ?

उत्तर किसी कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा एवं कार्यान्वयन हेतु कार्रवाई / कार्यवाही।

16 T.O.L.I.C की बैठकों की अवधि क्या होती है ?

उत्तर 6 माह में एक बार

17 वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम कौन तैयार करता है ?

उत्तर गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग।

18 गैर हिंदी भाषी निवासियों को दिए गए आश्वासनों को विधिक रूप देने के लिए कौन–सा नियम पारित किया गया ?

उत्तर राजभाषा अधिनियम 1963 (यथासंशोधित 1967)

19 राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) कब से लागू की गई है ?

उत्तर 26 जनवरी 1965 से ।

20 राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 4 किससे संबंधित है ?

उत्तर संसदीय राजभाषा समिति के गठन से।

21 संविधान की धारा 343–351 किस भाग में है ?

उत्तर भाग सत्रह में

22 राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 7 क्या है ?

उत्तर उच्च न्यायालयों के निर्णयों में हिंदी या अंग्रेजी भाषा के प्रयोग का विकल्प ।

23 राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 6 क्या है ?

उत्तर राज्यों के उच्च न्यायालयों के मामलों में राज्यपाल की अनुमति से अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषा का प्रयोग।

24 क्या राजभाषा नियम 1976 का विस्तार संपूर्ण भारत पर है ?

उत्तर इनका विस्तार तमिलनाडु राज्य को छोड़ कर पूरे भारत पर है।

25 राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 6 व 7 किस राज्य पर लागू नहीं हैं ?

उत्तर जम्मू और कश्मीर पर।

26 राजभाषा संकल्प 1968 किन सदनों में परित हुआ ?

उत्तर लोकसभा और राज्यसभा में।

27 साइन बोर्ड में तीन भाषाओं को लिखने का क्रम क्या है ?

उत्तर सबसे पहले क्षेत्रीय भाषा, उसके बाद हिंदी एवं अंत में अंग्रेजी भाषा।

28 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात भारत की प्रमुख भाषाएं कौन–कौन सी हैं ?

उत्तर 1. हिंदी , 2. संस्कृत, 3. उर्दू

29 धारा 3 (3) के अंतर्गत द्विभाषी जारी किए जाने वाले दस्तावेज कौन–कौन से हैं?

उत्तर 1. संकल्प, 2. साधारण आदेश, 3. नियम, 4. अधिसूचनाऐं, 5. प्रशासनिक व अन्य प्रतिवेदन 6. प्रेस विज्ञप्ति, 7. संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष प्रस्तुत व अन्य प्रतिवेदन, 8. राजकीय दस्तावेज, 9. संविदाएं, 10. करार, 11. लाइसेंस, 12. अनुज्ञापत्र, 13. टेण्डर के लिए नोटिस, 14. निविदा प्रारूप।

30 भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भाग पांच में राजभाषा नीति संबंधी प्रावधान है ?

उत्तर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 120 में।

31 भारतीय संविधान के किन–किन अनुच्छेदों में आठवीं अनुसूची के प्रावधान का उल्लेख है ?

उत्तर धारा 344(1) व 351 में।

32 राजभाषा अधिनियम कब व क्यों परित किया गया ?

उत्तर 1963 में, वर्ष 1965 के बाद भी सरकारी कामकाज में हिंदी के साथ अंग्रेजी भाषा का प्रयोग जारी रखने के बावत्।

33 भारतीय संविधान के भाग 17 में कितने अनुच्छेद हैं ?

उत्तर 09 अनुच्छेद हैं–343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351

34 भारतीय संविधान की धारा 344 के तहत राजभाषा आयोग कब बना ?

उत्तर वर्ष 1955 में , बी.जी.खैर आयोग।

35 राजभाषा आयोग की सिफारिश पर बनी संसदीय समिति के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

उत्तर जी.वी. पंत।

36 संविधान के अनुसार सांविधिक नियमों, विनियमों व आदेशों का अनुवाद करने के लिए कौन सा मंत्रालय प्राधिकृत है ?

उत्तर कानून मंत्रालय।

37 वर्ष 1965 तक भारतीय संघ की मुख्य भाषा एवं सह राजभाषाऐं कौन सी थीं ?

उत्तर मुख्य भाषा– अंग्रेजी, सह राज्य भाषा–हिंदी।

38 हिंदी कार्यशालाओं में प्रतिभागिता हेतु पात्रता क्या है ?

उत्तर हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त सभी अधिकारी व वर्ग 'ग' के अधिकारी / कर्मचारी।

39 'क' 'ख' व 'ग' क्षेत्रों में राज्यों आदि के वर्गीकरण का प्राधिकार क्या है ?

उत्तर ''राजभाषा नियम, 1976।

40 जम्मू और कश्मीर एवं तमिलनाडु के मामलों में राजभाषा नियमों / विनियमों संबंधी अपवाद क्या है ?

उत्तर 1. जम्मू और कश्मीर पर राजभाषा अधिनियम की धारा 6 व 7 लागू नहीं हैं।

2. राजभाषा नियम 1976 तमिलनाडू पर लागू नहीं है।

41 भारतीय संविधान का अनुच्छेद 343 (1) क्या है ?

उत्तर यह कहता है कि देवनागरी में लिखी हिंदी भारतीय संघ की राजभाषा होगी और अंकों का प्रारूप अंतराष्ट्रीय मानक अर्थात 0,1, 2, 3, 4.........9 होगा।

42 अनुच्छेद 120 और राजभाषा अधिनियम 3(1)(ख) क्या है ?

उत्तर संसद में कार्य अंग्रेजी या हिंदी में किया जा सकता है। राज्य सभा के अध्यक्ष या लोकसभा अध्यक्ष किसी संसद सदस्य को उनकी मातृभाषा में बोलने की अनुमति भी दे सकते हैं।

43 राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 क्या है ?

उत्तर सरकारी कामकाज के उददेश्य से हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी भी प्रयोग में लाई जा सकती है।

44 किस उददेश्य के लिए हिंदी, किस उददेश्य के लिए अंग्रेजी या दोनो का प्रयोग किया जाना है, कौन निर्धारित करेगा?

उत्तर यह राजभाषा अधिनियम 1963 राजभाषा नियम 1976 एवं गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर निर्धारित किया जाता है।

45 राजभाषा नियम 10 (2) व 10 (4) में क्या अंतर है ?

उत्तर नियम 10 (2) –किसी केन्द्रीय सरकार के कार्यालय में कार्य करने वाले कर्मचारियों में से 80 प्रतिशत स्टाफ ने हिंदी का ज्ञान प्राप्त कर लिया है तो यह समझा जाएगा कि उस कार्यालय के सभी कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान है।

नियम 10 (4)–केन्द्रीय सरकार के जिन कार्यालयों के 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, उन्हें भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

46 धारा 3 (3) के संशोधन की प्रक्रिया क्या है ?

उत्तर प्रस्ताव को पहले लोकसभा, फिर राज्यसभा और उसके बाद सभी राज्यों की विधानसभा से पारित कराना होगा।

विश्व के एकमात्र साहित्यकार जिनकी रचनाऐं दो देशों का राष्ट्रगान हैं ।

47 गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर (7 मई 1861 से 7 अगस्त 1941) ?

उत्तर भारत–जन गण मन अधिनायक

बांग्लादेश–आमार सोनार बांग्ला

48 गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार कब मिला व किस रचना हेतु ?

उत्तर 1913 में, गीतांजली रचना हेतु।

49 रविन्द्रनाथ टैगोर की प्रसिद्व कहानियां कौन–कौन सी हैं?

उत्तर काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर ।

50 संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राजभाषा हिंदी का प्रचार व प्रसार केन्द्रीय सरकार का कर्तव्य है ?

उत्तर संविधान का अनुच्छेद 351

51 वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम का सूत्रपात कैसे हुआ ?

उत्तर राजभाषा संकल्प 1968 के तहत ।

52 यदि कोई कार्यालय भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित है तो क्या तात्पर्य है ?

उत्तर उस कार्यालय के 80 प्रतिशत कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

53 क्या हिंदी पत्राचार की गणना में हिंदी में प्रेषित ई–मेल को जोड़ा जाना चाहिए ?

उत्तर जी हाँ।

54 अनुच्छेद 351 में राजभाषा हिंदी के लिए क्या उपबंध हैं ?

उत्तर हिंदी का विकास इस प्रकार किया जाए कि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सब तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

55 वैज्ञानिक एवं तकनीकि शब्दावली आयोग द्वारा मान्य शब्दावली तैयार करने का मुख्य लक्षण क्या है ?

उत्तर स्पष्टता, यर्थाथता व सरलता ।

56 धारा 3 (3) के अंतर्गत ''सामान्य आदेश'' क्या हैं ?

उत्तर 1. स्थायी प्रकार के सभी आदेश, निर्णय, अनुदेश, परिपत्र जो विभागीय प्रयोग के हों।

2. ऐसे सभी आदेश, अनुदेश, पत्र, ज्ञापन, नोटिस, परिपत्र, आदि जो सरकारी कर्मचारियों के समूह/समूहों के लिए हों।

57 धारा 3 (3) के अनुसार संसद में सांविधानिक नियमों, आदेशों आदि का हिंदी रूपांतर कौन तैयार करता है ?

उत्तर विधि मंत्रालय का विधायी विभाग (राजभाषा खंड)

58 किसी प्रदेश की राजभाषा यदि हिंदी को बनाना हो तो प्रक्रिया बताएं ?

उत्तर उस राज्य की विधानसभा को इस विषयक प्रस्ताव पारित करना होगा।

59 अंग्रेजी में लिखित किन्तु हिंदी में हस्ताक्षरित पत्र की गणना अंग्रेजी पत्र में की जाएगी या हिंदी पत्र में ?

उत्तर पत्र तैयार करने वाले कार्यालय में इसकी गणना अंग्रेजी पत्र में एवं पत्र प्राप्त करने वाले कार्यालय में इसकी गणना हिंदी पत्र में की जाएगी एवं उसका जबाव केवल हिंदी में देना होगा।

60 राजभाषा कार्यान्वयन समिति का अध्यक्ष कौन होता है ?

उत्तर कार्यालय का वरिष्ठतम अधिकारी ।

61 विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ?

उत्तर प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को, प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10.1. 2006 को मनाने के स्मरण में ।

62 आठवीं अनुसूची में भारतीय भाषाओं को सम्मिलित करने का उददेश्य क्या है ?

उत्तर देश की शैक्षणिक व सांस्कृतिक उन्नति के लिए इन भाषाओं के पूर्ण विकास हेतु सामूहिक उपाय किया जाना मुख्य उद्देश्य है।

63 हिंदी की फाईल एक कंम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में खोलने पर कभी–कभी एक भी शब्द नहीं दिखते, या चौकोर आकृति दिखती है, क्यों ?

उत्तर उस फाईल का नए कम्प्यूटर में फोन्ट नहीं होता, यूनिकोड से अब यह समस्या सुलझ गयी है।

64 गोवा की राजभाषा क्या है ?

उत्तर कोंकणी।

65 संसदीय राजभाषा समिति के सदस्यों का निर्वाचन कैसे होता है ?

उत्तर लोकसभा व राज्यसभा के सदस्यों द्वारा आनुपातिक पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा।

66 संसदीय राजभाषा समिति का गठन कब व कैसे हुआ ?

उत्तर राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 4 के तहत 1976 में हुआ।

67 भाषा के संबंध में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की प्रसिद्व उक्ति लिखें ?

उत्तर ''निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति को मूल,

बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को सूल ''

68 देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली किन्हीं चार भाषाओं के नाम लिखिए ?

उत्तर 1. हिंदी, 2. संस्कृत, 3. नेपाली एवं 4. मराठी

69 भारत का पहला हिंदी समाचार पत्र कौन सा है ?

उत्तर उदंत मार्तण्ड (1826)

70 साहित्य के प्रमुख तत्व क्या हैं ?

भाव, कल्पना, बुद्धि और शैली।

71 राजभाषा अधिनियम 1963 कैसे बना ?

उत्तर खेर आयोग(1955) और पंत समिति (1957) की रिपोर्ट के आधार पर ।

72 राजभाषा विभाग की स्थापना 1975 में की गई ? हॉ या नहीं ?

उत्तर जी हॉ।

73 राजभाषा अधिनियम में कितनी धारायें व उपधारायें हैं ?

उत्तर 9 धारायें व 11 उप धारायें।

74 राजभाषा नियम 1976 कैसे बना ?

उत्तर राजभाषा अधिनियम 1963 (यथासंशोधित 1967) की धारा 8(2) के तहत।

75 कबीर, जायसी, प्रसाद, निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा कौन हैं?

उत्तर हिंदी के प्रमुख रहस्यवादी कवि हैं।

76 पंजाबी भाषा की लिपि क्या होती है ?

उत्तर गुरूमुखी तथा शाहमुखी।

77 बोली तथा भाषा में अंतर क्या है ?

उत्तर बोली भाषा की प्रारंम्भिक अवस्था है एवं भाषा विकसित अवस्था।

78 भाषा और लिपि में क्या समानताएं एवं अंतर है ?

उत्तर समानता– दोनों मनुष्यों के विचार–संप्रेषण के माध्यम हैं।

अंतर– भाषा विचार, संप्रेषण का मौखिक रूप है जिसमें ध्वनियां श्रव्य रूप में व्यक्त होती है जबकि लिपि लिखित रूप है उसमें दृश्य रूप है।

79 देश की राजभाषा क्या है ?

उत्तर संविधान के अनुच्छेद 343(1) के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का स्वरूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा।

80 विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किसके द्वारा किया जाता है ?

उत्तर विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

81 राज्यों की राजभाषा बनाने का कार्य किसका है ?

उत्तर भारत के संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 345, 346 और अनुच्छेद 347 में राज्य की राजभाषाओं के संबध में उल्लेख किया गया है। संघ सरकार का इसमे कोई हस्तक्षेप नही है।

82 उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों आदि के संबंध में प्रयोग की जाने वाली भाषा क्या है ?

उत्तर भारत के संविधान भाग 17 अनुच्छेद 348 और 349 में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों आदि के संबंध में प्रयोग की जाने वाली भाषा के बारे में जानकारी दी गई है।

83 राजभाषा हिन्दी को लागू करवाने की जिम्मेदारी किसकी है ?

उत्तर संघ सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार इसे केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालयो/विभागों के संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों में लागू किए जाने का कार्य राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के द्वारा देखा जाता है, जिसे लागू करवाने की जिम्मेदारी इन मंत्रालयों/विभागों/संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख की है।

84 लिपि देवनागरी और हिन्दी का अभिप्राय क्या है ?

उत्तर संघ सरकार की राजभाषा हिन्दी और लिपि (लिखने) के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग किया जाएगा तथा अंकों का रूप अन्तर्राष्ट्रीय रूप अर्थात 1,2,3,4,5,6,7,8,9 और 10 होगा ।

85 हर वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस क्यों मनाया जाता है ?

उत्तर हर वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। अतः केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों में हिन्दी के कार्यान्वयन एवं प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

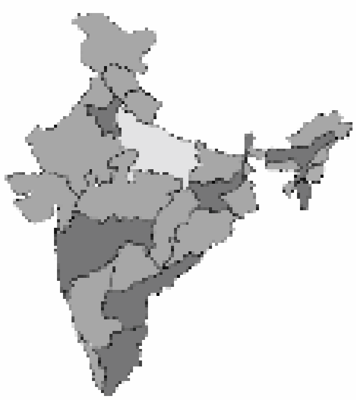

''भारत : हमारा महान देश

मैं जमीन का एक टुकड़ा हूँ। कभी मेरे सीने पर एक अथाह महासागर लहराया करता था। फिर मैंने ऊपर उठने की ठानी और हर साल मैं कुछ–न–कुछ मिलीमीटर ऊपर उठता रहा। हजारों–लाखों सालों की मेहनत के बाद एक दिन मैंने पाया कि मैं खुली हवा में साँस ले रहा हूँ..... महासागर मुझसे दूर खिसक चुका था, और मेरा कद ऊँचा हो गया था। मैंने फिर सिर उठाया, तो देखा कि मुझसे भी ऊँचा एक पर्वत, मानो मेरे सिर पर खड़ा हो, मेरी ओर मुँह किये हुए मुस्कुरा रहा था। उस पर इतना हिम (बर्फ) पड़ा था कि मैंने उसे हिमालय पुकारा। फिर उसने मुझे अपनी गोद में पड़ा देखकर हल्के भार(वजन) का अनुभव किया........................

और उसने मुझे ''भारत'' पुकारा।

पुष्पनायक एवं चित्रनायक
वरिष्ठ वैज्ञानिक
डेरी अभियांत्रिकी प्रभाग,
भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
''स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें''

कंप्यूटर पर काम करने के लिए कुछ सरल व शॉर्टकट तरीके

राकेश कुमार, भूतपूर्व निरीक्षक, सी.आर.पी.एफ. एवं अब सहा. निदेशक(राजभाषा), राडेअनुसं, करनाल

इस लेख में मैं कंप्यूटर व लेपटॉप यूजरों के साथ कुछ सरल व शॉर्टकट तरीकों को शेयर करना चाहता हूँ, इस उम्मीद के साथ कि ये शॉर्टकट यूजरों के बहुत काम आएंगे। प्रायः कंप्यूटर पर काम करने वाले यूजरों को कुछ शॉर्टकटों के बारे में जानकारी रहती है। जैसे–

Control + C	किसी फाइल को कॉपी करने के लिए
Control + V	किसी फाइल को चिपकाने या पेस्ट करने के लिए
Control + X	किसी फाइल को कट करने के लिए
Control + Z	किसी फाइल को अन–डू करने के लिए
Control+ Y	किसी फाइल को रि–डू करने के लिए

यहां हम कुछ महत्वपूर्ण शॉर्टकटों के बारे में चर्चा करेंगे जोकि अपने आप में लाजवाब हैं और इनके प्रयोग से हमें यह लगेगा कि ये शॉर्टकट आसान एवं बहुत उपयोगी भी हैं–

फाइल कॉपी – Control बटन दबाए रखते हुए किसी भी फाइल को माउस से ड्रैग करें, उसकी एक और कॉपी बन जाएगी।

माय कंप्यूटर को खोलना – Windows Key + E दबा कर आप बिना माउस क्लिक किए सीधे ''माय कंप्यूटर'' खोल सकते हैं।

शार्टकट्स बनाए – Control + Shift को दबाते हुए माउस से किसी भी प्रोग्राम फोल्डर, ड्राइव आदि को ड्रैग करें, शार्टकट आ जाएगा।

सिस्टम इन्फारमेशन – अगर आप अपने कम्प्यूटर में कौन सा सीपीयू है, कितनी रैम या ऑपरेटिंग सिस्टम है जानना चाहते हैं तो यह इन्फारमेशन Windows Key + Pause/Break Keys दबाने पर आपको स्क्रीन पर तुरंत प्राप्त हो जाएगी।

सिस्टम लॉक – काम करते अचानक कहीं जाना है तो बेहतर है Windows + L बटन दबाकर सिस्टम को लॉक करके जाएं।

परमानेंट डिलीट – डिलीट की हुई फाइलें सिस्टम से पूरी तरह डिलीट नहीं होती बल्कि Recycle Bin में चली जाती हैं, जहां से उसे दोबारा लाया जा सकता है। अगर किसी फाइल को हमेशा के लिए डिलीट करना चाहते हैं तो फाइल को सलेक्ट करके Shift + Delete दबायें।

राइट माउस क्लिक – अगर माउस को राइट क्लिक किए बिना उसका काम करना चाहते हैं Shift + F10 बटन का प्रयोग करें।

स्टार्ट मेन्यू – Windows Key दबाने से या Control + Esc Keys दबाने से स्टार्ट मेन्यू खुल जाता है।

फाइल री–नेम – किसी फाइल या फोल्डर को Rename करने के लिए माउस को राइट क्लिक कर Rename कमांड दबाने की बजाय फाइल या फोल्डर पर कर्सर रखकर सिर्फ F2 दबाकर देखें।

प्रॉपर्टीज – किसी फाइल, फोल्डर या ड्राइव आदि की Properties देखने के लिए Alt + Enter का प्रयोग करें।

विंडोज नेविगेशन – डेस्कटॉप पर खुले कई सारे डाक्यूमेंट्स या प्रोग्राम में से किसी एक को सलेक्ट करने के लिए Alt + Tab को बार–बार दबाकर देखें।

मल्टीपल सलेक्ट – एक से ज्यादा फाइलों को Copy, Move आदि करना हो तो उनकी सूची में पहली फाइल पर जाने के बाद Shift दबाएं और अब Arrow बटन दबाकर ऊपर–नीचे बढ़ते जाएं। दायरे में आने वाली सभी फाइलें सलेक्ट हो जाएंगी। किसी डाक्यूमेंट में एक से ज्यादा लाइनों को सिलेक्ट करने के लिए भी Shift + Arrow का यूज कर सकते हैं।

विंडोज़ मिनिमाइज – डेस्कटॉप पर बहुत सारे प्रोग्राम खुले हों तो सबको एक साथ मिनिमाइज़ करने के लिए Windows + M का यूज करें।

पेज रिफ्रेशर – F5 का प्रयोग My Computer, Desktop या Internet Explorer को Refresh करने के लिए कर सकते हैं।

प्रिंट आउट – Print लेने के लिए Ctrl + P तथा कई पेजों में से Current Page का Print लेने के लिए Alt + E दबाएं।

प्रोग्राम बंद करें – किसी भी एक्टिव प्रोग्राम को बंद करने के लिए Alt +F4 को आजमाएं।

डेस्क्टॉप दिखाएं – किसी भी डाक्यूमेंट में काम करते हुए अगर अचानक डेस्क्टॉप पर जाने की जरूरत पड जाए तो सभी प्रोग्राम को एक–एक कर मिनिमाइज करने की बजाय Windows Key + D दबाएं।

उपरोक्त शार्टकट्स अगर एक बार याद हो जाएं तो कम्प्यूटर पर काम करना कहीं ज्यादा दिलचस्प और आसान हो जाएगा।

राजभाषा (हिन्दी) एवं अनुवाद की महत्ता

कंचन चौधरी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

भाषा संवाद का माध्यम होती है और मानव–मन की भावनाओं, आवश्यकताओं को अभिव्यक्ति करती है। मानव जीवन में भाषा का अत्यन्त महत्व है। हिन्दी भारत की राजभाषा है। हिन्दी भारतीय सम्यता/संस्कृति की भाषा है। विश्वभाषा के रूप में हिन्दी समस्त भूमण्डल की तीसरी भाषा है। युवा भारत की आत्मा और पहचान है हिन्दी। मनुष्य अपनी जिज्ञासु प्रवृति के कारण अपने आस–पास के वातावरण के प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। ज्ञान की खोज में आगे बढ़ते उसके कदम न कभी थकते हैं, न रूकते हैं एक दूसरे के ज्ञान के परिचित होने की इस प्रक्रिया में भाषायी भिन्नता जो चुनौती उत्पन्न करती है उसे अनुवाद के द्वारा ही सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सका है। वैश्वीकरण का सहज एवं सार्थक स्वरूप देने में अनुवाद की विशिष्ट भूमिका है। कदाचित यह कहा जाए कि अनुवाद को अछूत रखकर वैश्वीकरण हो ही नहीं सकता तो भी अतिश्योक्ति नहीं होगा। उद्योग, प्रबंधन, राजनीति व अर्थशास्त्र आदि ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जिससे विश्व समुदाय सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। दुनिया के सभी देश एक दूसरे के विषय में जानने–समझने और परस्पर सहयोग के प्रति उत्सुक एवं तत्पर ही इन्हीं कारणों से हुए और कहना गलत न होगा कि इन सभी क्षेत्रों के कार्य संपादन में अनुवाद ने उल्लेखनीय भूमिका निभायी है। अन्तराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया के सभी देशों के शिक्षण संस्थान अनुवाद के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के नवीनतम अनुसंधानों से परिचित व प्रेरित होते हैं। अनुवाद के माध्यम से ही हम दुनिया की कई प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों यथा यूनानी, होमियों, आयुर्वेद इत्यादि से लाभान्वित हो पा रहे हैं। हर देश व समाज की अपनी भाषागत सीमाएं होती हैं और इसलिए अनुवाद ही वह माध्यम हैं जिससे हम किसी अबूझ भाषा में सृजित साहित्य से परिचित हो पाते हैं अर्थात् अनुवाद भाषा के स्तर पर अज्ञात साहित्य संपदा से जुड़ने में सेतु का कार्य करता है। अनुवाद के सेतु पर ही चल कर मूल भाषा अपनी साहित्यिक तथा तकनीकी उपलब्धियों को लक्ष्य भाषा तक पहुंचाती है। निःसन्देह किसी एक मन की बात गंतव्य तक पहुचाने का कोई तो रास्ता होना ही चाहिए। किसी भी साहित्य, धर्म, दर्शन, संस्कृति इतिहास को दूसरी भाषा वालों तक पहुंचाने का हमें जो सीधा और सरल एकमात्र रास्ता नजर आता हैं, वह है अनुवाद। साधारण अनुवाद, प्रशासनिक/कार्यालयीन अनुवाद, शैक्षणिक अनुवाद, भावानुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद आदि अनुवादों की श्रेणियों में भी सबसे कठिन किंतु महत्वपूर्ण है–साहित्यिक अनुवाद। 'रामचरितमानस' रूस में लोकप्रिय नहीं हुई होती यदि 'अलकसी बारानिक्कोव' उसे रूसी में अनुवादित नहीं करते। कहने का तात्पर्य है कि न केवल परस्पर विचारों के आदान–प्रदान के लिए वरन् समग्र साहित्य व संस्कृति की परस्पर सूझ बूझ के लिए आज की दुनिया की अनिवार्यता है–अनुवाद। कहने सुनने में बहुत आसान से लगने वाले शब्द 'अनुवाद' की व्यवहारिक डगर इतनी सीधी–सादी नहीं है। अनेकनिक कठिनाईयों से दो चार होना होता है। वास्तव में एक शीशी से दूसरी शीशी मे इत्र डालने जैसा काम अनुवाद है इत्र भी डल जाए और गंध भी न बिखरें। स्त्रोत भाषा(जिस भाषा से अनुवाद किया जाता है) और लक्ष्य भाषा(जिस भाषा में अनुवाद किया जाना है) दो समानान्तर रेखाएं हैं। अनुवाद उनके मध्य का सेतु है। इसमें यह बेहद जरूरी हो जाता है कि अनुवादक को दोनों भाषाओं की शब्द संपदा का सही ज्ञान हो अन्यथा वह अपने कार्य से न्याय नहीं कर पाएगा तथा अर्थ का अनर्थ हो जाएगा। अनुवाद को यथासंभव सजीव बनाना चाहिए। अनुवादक को अनुवाद मस्तिष्क से ज्यादा हदय से करना चाहिए। अनुवाद मूल अर्थ के अत्यन्त नजदीक हो इस मूल समस्या का यथोचित समाधान यह नहीं है कि साहित्यकार स्वयं ही उसे अनुवादित करे। रचनाकार और अनुवादक का अलग–अलग होना ही सहज और स्वाभाविक है। मन में गहरे से लगा एक दंश यह भी है कि अनुवादक को अपनी दूरी शक्ति, प्रतिभा, कल्पनाशक्ति और श्रम लगाने के बावजूद भी रचना के लिए हमेशा सौतेला ही माना जाता है। जब तक मानव मस्तिष्क की उर्वरा भाव भूमि में 'स्त्रोत भाषा' से 'लक्ष्य भाषा' के अनुवाद के बीज चाहे सुप्तावस्था में ही विद्यमान क्यों न हों, तमाम अनुकूल प्रतिकूलताओं के मध्य भी शब्द, अर्थ, भाव अथवा मर्म के अनुवाद का यह सिलसिला निरन्तर बस चलता ही जाएगा।

डेरी क्षेत्र महिला सशक्तिकरण का आधार : आलेख

अभियंता सुनील कुमार एवं डा. जीतेन्द्र कुमार डबास
भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल

किसान परिवार और ग्रामीण मातृशक्ति, महिलाओं में संतानों की तरह ही दुधारू पशुओं की सार–संभाल के संस्कार विद्यमान हैं। डेरी खेती जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला की आर्थिक गतिविधियों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डेरीविकास में पुरूषों के मुकाबले महिलाएं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस क्षेत्र में 15 मिलियन पुरूषों की तुलना में 75 मिलियन महिलायें कार्यरत हैं। आदर्श रूप में, उनकी वृद्धि की भागदारी इस डेरीकी दीर्घकालिक मजबूती के लिए आवश्यक है। देश के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में, दुधारू पशुओं को पालने से संबंधित अधिकांश क्रियाकलापों (रख–रखाव, उन्हें चारा देने तथा दूध दुहने) महत्वपूर्ण कार्य महिलाएं ही संभालती हैं। गांवो में खासतौर पर भूमिहीन मजदूरों, लघु और सीमांत किसानों और महिलाओं को रोजगार मुहैया कराने तथा उनकी पारिवारिक आय बढाने में पशुपालन, डेरीविकास महत्वपूर्ण योगदान देता हैं। एक समय ऐसा था, जब देश में लोग शौक के चलते डेरीपशुपालन के क्षेत्र में आते थे। लेकिन आज आधुनिक तकनीकों से लैस यह क्षेत्र डिग्रीधारी युवाओं को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। डेरी क्षेत्र कृषि की ही एक महत्वपूर्ण कड़ी है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से कृषि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में कृषि के बाद डेरीउद्योग की प्रमुख भूमिका है। सामान्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से कृषि अर्थव्यवस्था में योगदान देने के अलावा यह क्षेत्र रोजगार सृजन, परिसंपत्ति निर्माण करने के साथ–साथ, फसल नष्ट होने और प्रकृति की सशक्त बनाने के लिए कृषि विकास और पशुपालन के सशक्तिकरण आवश्यक हैं। डेरी उद्योग भारत में ग्रामीण परिवारों के लाखों लोगों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण माध्यमिक स्रोत हैं। एसोचैम इकोनॉमिक्स रिचर्स ब्यूरों के एक अध्ययन के अनुसार, पूरे देश में डेरीइकाइयां 60,255 करोड़ रूपये का बिजनेस करती हैं। भारत में पशुपालन फसल विज्ञान के मुकाबले बेहतर परिणाम दे रहा है। कृषि (फसल एवं पशुधन) के संबंध में पशुपालन क्षेत्र के सकल मूल्य संर्वधन (जीविए) की हिस्सेदारी स्थिर मूल्यों पर 2011–12 के 24 प्रतिशत से बढ़कर 2013–14 में 26.1 प्रतिशत हो गई है। कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अविष्कार अनिवार्य है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, ग्राम विकास, खेती और पशुपालन के आर्थिक और सामाजिक समृद्धि के उत्तम भविष्य की संभावना आकार लेगी पशुपालन के आर्थिक स्तर को सुधारने के लिए पशुपालन का खर्च घटे और दूध उत्पादकता बढ़े इस पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता हैं। अगर भारत के ग्रामीण युवा शिक्षित किसान भी वैज्ञानिक पशुपालन के व्यवसाय की ओर बढ़े हैं, तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज़ की गई है। इसने ग्रामीण क्षेंत्रो में गरीबी के उन्मूलन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है क्योंकि, वंचितों के परिवार ने सूखे के दौरान 75–85 प्रतिशत आय दूध उत्पादकों से प्राप्त की थी। इसने देश में बड़े स्तर पर देश में रोजगार को पैदा किया है। दूध उत्पादन 70 लाख से अधिक किसानों को रोजगार देता है। यह किसानों व महिला डेरी उद्यमियों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। ग्रामीण भारत के कमजोर तबकों के आर्थिक विकास में डेरीसेक्टर ने अहम भूमिका निभाई है। डेरी उद्योग सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए एक साधन के रूप में मान्यता प्राप्त है। पशुधन विकास क्रियाकलापों में महिलाओं की भागीदारी के प्रति बढ़ता हुआ रूझान हैं। इससे ग्रामीण समुदायों में महिला–प्रमुख घरों के सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता हैं।

सहकारिताओं में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि

डेरी सहकारिता आंदोलन की दीर्घकालिक मजबूती के लिए उनकी भागीदारी में वृद्धि करना अत्यंत आवश्यक हैं हालांकि शुरू में एक सदस्य के रूप में उनका कार्य डेरी गतिविधियों पर केंद्रित था, लेकिन आज के दौर की बात करें तो महिलाओं की शासन में अर्थात प्रबंधन समिति और संघ के बोर्डों के माध्यम से उनकी भागीदारी बढ़ानी चाहिए। 1995 में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने महिला सशक्तिकरण की प्रायोगिक नेतृत्व कार्यक्रम का (डबल्यू.डी.सी.एल.पी.) आरंभ किया। इस कार्यक्रम की सफलता को समग्र देश के अन्य दुग्ध संघों में भी दोहराया गया। महिलाओं में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए बचत एवं उधार समूहों के विकास के साथ–साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आर्थिक गतिविधियॉं बढ़ाने को केन्द्र में रखा गया, जिनसे कि महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ। डेरीसे संबाधित कार्यो से न केवल कृषि अर्थव्यवस्था मजूबत हो रही हैं बल्कि ग्रामिण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण का आधार भी बन रहा है। आज महिलयें डेरी में पीछे नहीं है, बल्कि वे डेरी विकास में अग्रणी बन कर उभरी हैं। महिला सदस्यता के दिलचस्प आंकडे दर्शाते हैं कि कुल महिला दुग्ध उत्पादको की संख्या 43.80 लाख के करीब है एवं प्रबंधकारिणी समिति सदस्यों की करीब 3.29 लाख (2013) हैं। वर्तमान में 1.60 लाख ग्राम दुग्ध सहकारी समितियों में से 26,700 महिला समिति हैं। महिला समिति की वार्षिक वृद्धि दर लगभग 10 प्रतिशत हैं इन तथ्यों से पता चलता है कि डेरी उद्योग के कारण महिला सशक्तिकरण आज काफी स्पष्ट नजर आता है।

महिला डेरी सहकारी समितियां

भारत सरकार का मानव संसाधन विकास मंत्रालय दुग्ध उत्पादक सहकारी संघों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है जिसके अंतर्गत ''प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम सहायता कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, ऐसी दुग्ध सहकारी समितियों का ही गठन किया जाता है, जिनका पूर्ण रूप से महिलाओं द्वारा संचालन किया जाता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, ''प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम'' की महत्ता को स्वीकार करता है। दुग्ध संघा को समग्र महिला दुग्ध सहकारी समितियॉ गठिन करने के लिए

प्रोत्साहित किया जाता है, चाहे वे प्रशिक्षण एवं नियोजन सहायता कार्यक्रम के लिए पात्र हों या नहीं।

महिला बचत ग्रुप

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा कुछ दुग्ध संघों में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया गया बचत समूहों के गठन को आज भी महिला डेरी सहकारी नेतृत्व कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग माना जाता है। बचत समूह सदस्यों की बचत को सीधे या ऋण के रूप में दुधारू पशुओं के रख–रखाव और पशुधन को खरीदने संबधी तैयारी करता हैं। यह महिलायों को दुग्ध सहकारी समितियों में बेचे गए दूध से हुई आय को जमा कराने की एक व्यवस्था उपलब्ध कराता है, महिलाओ की सक्रियता का स्तर बढ़ता है और उन्हे सामाजिक संपर्क का अवसर देता है। बचत समूहों का एक अतिरिक्त लाभ है कि महिलाओं को अपनी स्वयं की संस्थाओं को संस्थाओं को संचालित करने का अनुभव प्राप्त होता है, यह अनुभव उन्हें डेरी सहकारी समितियों और संघ के संचालन में अधिक जिम्मेदारियाँ निभाने के लिए तैयार करता हैं। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के द्वारा सहकारी समितियों के लिए किए गए अथक प्रयास के चलते महिला सशक्तिकरण और उनकी सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान की दिशा में अर्जित उपलब्धियां नीचे संक्षेप में दी गई है ग्रामीण महिलाओं को अब परिवार की आय को जोड़ने, पुरूषों के साथ काम कदम से कदम मिलाकर काम कर रही है। दो दुग्ध संघों, पश्चिम बंगाल में इच्छामती सहकारी दूध संघ और आंध्र प्रदेश में मुलुकन्नुर महिला सहकारी दूध संघ संपूर्ण महिला सहकारी संघ है जहां महिलाएं ही पूरी तरह से डेरी उद्‌यम का संचालन और प्रबंधन करती हैं।

महिला डेरी सहकारी नेतृत्व कार्यक्रम

महिला डेरी सहकारी नेतृत्च कार्यक्रम 1995 में एक प्रायोगिक कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था, जिसका उदेश्य सहकारी समितियों, संघो और महासंघों के शासन में महिलाओं की सक्रिय सदस्यता एवं नेता के रूप में सहभागिता से उल्लेखनीय वृद्धि कर डेरी सहकारी आंदोलन को सुहढ़ करना था। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने दुग्ध उत्पादक सहकारी संघो को उनके द्वारा महिला डेरी सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रमों के उदेश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न गतिविधियों में सहायता प्रदान की। आज भी कुछ दुग्ध संघ इस संकल्पना को आगे बढ़ा रहे हैं। महिला डेरी सकारिता नेतृत्व कार्यक्रम के अतंर्गत उन महिला कर्मचारियों की प्रशिक्षण हेतू पहचान की जाती है जिनमें नेतृत्व करने की क्षमता छिपी है। गांव के स्तर पर मुख्य रणनीति थी स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें जानकर व्यक्ति के रूप में स्थापित करना जिससे डेरी सहकारिताओं में महिलाओं की भागेदारी को प्रोत्साहित किया जा सके और सहायता प्रदान की जा सके।

राष्ट्रीय डेरी योजना–1 के अंतर्गत महिलाओं पर केंद्र बिंदु

राष्ट्रीय डेरी योजना–1 ग्रामीण स्तर पर अधिक से अधिक उत्पादक सदस्यों की भागीदारी बढ़ाने एवं इसके साथ–साथ उनको शासन संबंधित उदे्श्यों पर केंद्रित है। सभी स्वीकृत उपपरियोजनाओं में महिलाओं उत्पादक सदस्यों का न्यूनतम लक्ष्य 30ः रखा गया है। उनयोजना में प्रत्येक अंतिम कार्यान्वयन एजेंसी (ई.आई.ए.) के लिए महिला विस्तार अधिकारी का प्रावधान रखा गया है, जो महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगी, संस्था के मूल्यों का संदेश देगी एवं महिलाओं में स्वछ दुग्ध उत्पादन के उपर संदेश देगी।

राष्ट्रीय डेरी योजना–1 के अंतर्गत महिला संस्थाओं के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए सहायता की जाती है, जिससे दुग्ध संकलन को संचालित करने में उन्हें मदद मिलती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डेरी फार्मिग ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन तथा आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई है। पशुधन विकास क्रियाकलापों और डेरीसहकारिताओं में नेतृत्वकारी भूमिका में महिलाओं की भागीदारी के प्रति रूझान बढ़ रहा है।

राजभाषा हिंदी एवं हिंदी दिवस का महत्व

हिंदी हमारी घोषित राजभाषा एवं अघोषित राष्ट्रभाषा है और हमें इसका मन से सम्मान करना चाहिये। यहाँ इस आलेख में मैं हिन्दी भाषा के प्रति आत्मिक झुकाव के कारण राष्ट्रभाषा शब्द का प्रयोग करने के लिए सर्वप्रथम क्षमा भी चाहता हूँ। ऐसा लगता है कि आज आर्थिक और तकनीकी विकास के साथ–साथ हिंदी भाषा अपने महत्त्व को खोती चली जा रही है। देखने में आता है कि आज हर कोई सफलता पाने के लिये अंग्रेजी भाषा को सीखना और बोलना चाहता है, क्योंकि हम देखते हैं कि आज हर जगह अंग्रेजी भाषा की ही मांग है। ये सच है लेकिन हमें अपनी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा को कभी नहीं भूलना चाहिये। भले ही आज अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना जरुरी है, लेकिन सफलता पाने के लिये हमें अपनी राष्ट्रभाषा को कभी नही भूलना चाहिये, क्योंकि हमारे देश की भाषा और हमारी संस्कृति हमारे लिये बहुत मायने रखती है। किसी भी देश की आर्थिक रूप से प्रगति के साथ देश की राष्ट्रभाषा वहाँ के लोगों के साथ–साथ हमेशा तेजी से बढती जाती है, क्योंकि वे लोग जानते हैं कि किसी भी बाहरी देश में उनकी राष्ट्रभाषा और संस्कृति ही उनकी पहचान बनने वाली है। उसी तरह से हम भारतीयों को भी अपनी राष्ट्रभाषा को महत्त्व देना चाहिये, क्योंकि हिंदी भाषा ही हमारे महान प्राचीन इतिहास को उजागर करती है और वहीं हमारी पहचान है। देश में हर साल अभी हिंदी दिवस मनाने की बहुत जरुरत है। यह जरुरी है कि हम अपनी राष्ट्रभाषा को सम्मान दें और हमारी अगली पीढ़ी भी विदेशी भाषा की बजाये हमारी राष्ट्रभाषा को जानें। हिंदी दिवस केवल इसलिए नहीं मनाया जाता कि वह हमारी राष्ट्रभाषा है बल्कि इसलिए भी मनाया जाता है क्योंकि सदियों से हिंदी ही हमारी भाषा रही है दूसरे देशों में भी हिंदी भाषा बोलते समय हमें शर्मिंदगी महसूस नहीं होनी चाहिये बल्कि हमें गर्व होना चाहिये। आज–कल हम देखते हैं कि भारतीय लोग हिंदी की बजाये अंग्रेजी को ज्यादा महत्त्व देने लगे हैं, क्योंकि अभी कार्यालयीन जगहों पर अंग्रेजी भाषा का महत्त्व बढ़ चुका है। ऐसे समय में साल में एक दिन हिंदी दिवस मनाना लोगों में हिंदी भाषा के प्रति गर्व को जागृत करता है और लोगों को याद दिलाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा है। राजभाषा देश की धरोहर होती है, जिस तरह हम तिरंगे को सम्मान देते हैं उसी तरह हमें हमारी राजभाषा को भी सम्मान देना चाहिये। हम खुद जब तक इस बात को स्वीकार नहीं करते, तब तक हम दूसरों को इस बात पर भरोसा नहीं दिला सकते। हिंदी हमारे भारत देश की राजभाषा है। हमें गर्व होना चाहिये कि हम हिंदी भाषी हैं। हमारे देश की राजभाषा का सम्मान करना हम नागरिकों का परम कर्तव्य है। हम सब की धार्मिक विभिन्नताओं के बीच एक हमारी राजभाषा ही है जो एकता का आधार बनती है।

हिंदी दिवस एक ऐसा अवसर है, जिसके माध्यम से हम भारतीयों के दिलो में हिंदी भाषा के महत्त्व को पहुँचा सकते हैं और उन्हें हिंदी भाषा के महत्त्व को बता सकते हैं। इस समारोह से भारतीय युवाओं के दिलो–दिमाग में हिंदी भाषा का प्रभाव पड़ेगा और वे भी बोलते समय हिंदी भाषा का उपयोग करने लगेंगे। हमें बड़े गर्व और उत्साह के साथ हर साल हिंदी दिवस मनाना चाहिये और स्कूल, कॉलेज, सोसाइटी और कार्यालयों में होने वाली विविध गतिविधियों में हिस्सा लेना चाहिये, ताकि हम लोगो में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम को उजागर कर सकें और हिंदी के महत्त्व को बता सकें। हिंदी दिवस भारत में स्कूल, कॉलेज, ऑफिस, संस्थाओ कार्यालयों के अधिकारी, प्राइवेट ऑफिस के अधिकारी और शैक्षणिक संस्थाए बड़ी धूम–धाम से मनाती हैं, जिसमें विविध कार्यक्रमों का आयोजन और हिंदी से संबंधित स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है, जैसे हिंदी कवितायें, कहानी लेखन, निबंध लेखन, हिंदी भाषा के महत्त्व, उपयोग और कुछ रोचक तथ्यों के बारे में लोगों को बताया जाता है। भारत में ज्यादातर लोग बातचीत करते समय हिंदी भाषा को ही महत्व देते हैं, बचपन से ही हमें अपने घरो में हिंदी भाषा का ज्ञान दिया जाता है। हिंदी दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा में से एक है। हिंदी भाषा कई देशों में भी बोली जाती है, जैसे कि पकिस्तान, नेपाल, मॉरिशस, बंगलादेश, सूरीनाम, इत्यादि। हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसका उपयोग करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा के रूप में करते हैं। हिंदी दिवस पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा विविध अवार्ड और पुरस्कार भी दिये जाते हैं, नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में हिंदी के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले लोगों को पुरस्कार दिये जाते हैं। इसके साथ ही कई विभाग, मंत्रालय और राष्ट्रीयकृत बैंकों को भी राजभाषा अवार्ड दिया जाता है। हिंदी दिवस पर दिये जाने वाले दो अवार्डों का नाम गृह मंत्रालय द्वारा 25 मार्च 2015 को बदला गया था, जिसमें राजीव गांधी राष्ट्रीय ज्ञान–विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार का नाम बदलकर राजभाषा गौरव पुरस्कार और इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार का नाम बदलकर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार रखा गया है।

डॉ उत्तम कुमार
मुख्य तकनीकी अधिकारी
चारा अनुसंधान एवं प्रबंधन केन्द्र / सस्य विज्ञान अनुभाग
भाकृअप–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

शिक्षक : कविता

डा. मगन सिंह
वरिष्ठ वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान)
चारा अनुसंधान एवं प्रबंधन केंद्र, भा.कृ.अनु.सं.–रा.डे.अनु.सं., करनाल

पूरी करती शब्दों की कड़ियाँ मेरी,
गिनती सिखलाती जिससे पूरी होती अंकों की संख्या मेरी,
ज्ञान के आंगन में गुरुओं तक पहुंचाती ममता तेरी,
बढ़ती आयु पर संस्कार सिखाती माता मेरी,
जिससे संकलित होती जाती शिक्षा मेरी,
दूसरी गुरुओं की वाणी से नित होता ज्ञानार्जन,
जिससे मस्तिष्क मेरा बनता पावन,
राह दिखाते गुण सिखाते,
जिससे अवलोकित होती यश तुम्हारी,
जो ज्ञान सहज सिखलाते हैं,
शिक्षक वे कहलाते हैं,
ये शिष्य तेरा हो चहुँमुखी उत्थान,
इस शुभाशीष से बिखेरो अपना पूरा ज्ञान,
पायें इसमें गौरव का स्थान,
सुनहरी होगी तेरी जिन्दगी,
बढ़ेगा देश का गौरव मान,
याद करोगे गुरु शिक्षा,
जब पाओगे सबसे सम्मान,
ये माता तू धन्य है,
ये शिक्षक तू धन्य है,
जो तूने संवारी मेरी ये सुलभ जिन्दगानी,
बचपन से बुढ़ापे तक जो करता तेरा गुणगान,
इसलिए सब कहते,
ये शिक्षक तू तो ईश्वर से भी ज्यादा महान ।
ये शिक्षक तू तो ईश्वर से
पहली शिक्षिका बनती माँ, जननी मेरी,
निर्देशित करती पकड़ उँगलियाँ मेरी,
रिश्तों को बुनती, बचपन से चुनती दिशा मेरी,
क, ख, ग से शुरू करती क्ष त्र ज्ञ तक,
भी ज्यादा महान ।।
।। धन्यवाद ।

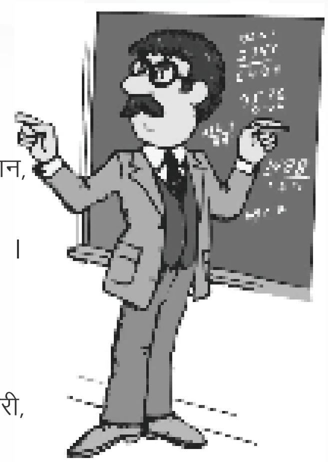

माँ : कविता

आलोक कुमार यादव,
शोध छात्र, भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल

वाह रे जमाने तेरी हद हो गई, बीवी के आगे माँ रद्द हो गई !
बड़ी मेहनत से जिसने पाला, आज वो मोहताज हो गई !
और कल की छोकरी, तेरी सरताज हो गई !
बीवी हमदर्द और माँ सरदर्द हो गई !
वाह रे जमाने तेरी हद हो गई.!!
पेट पर सुलाने वाली, पैरों में सो रही !
बीवी के लिए लिम्का, माँ पानी को रो रही !
सुनता नहीं कोई, वो आवाज देते सो गई !
वाह रे जमाने तेरी हद हो गई .!!
माँ माँजती बर्तन, वो सजती संवरती है !
अभी निपटी ना बुढ़िया तू , उस पर बरसती है !
अरे दुनिया को आई मौत, तेरी कहाँ गुम हो गई !
वाह रे जमाने तेरी हद हो गई !

अरे जिसकी कोख में पला, अब उसकी छाया बुरी लगती,
बैठ होण्डा पे महबूबा, कन्धे पर हाथ जो रखती,
वो यादें अतीत की, वो मोहब्बतें माँ की, सब रद्द हो गई !
वाह रे जमाने तेरी हद हो गई.!!
बेबस हुई माँ अब, दिए टुकड़ों पर पलती है,
अतीत को याद कर, तेरा प्यार पाने को मचलती है !
अरे मुसीबत जिसने उठाई, वो खुद मुसीबत हो गई !
वाह रे जमाने तेरी हद हो गई !!
मां तो जन्नत का फूल है, प्यार करना उसका उसूल है,
दुनिया की मोहब्बत फिजूल है, मां की हर दुआ कबूल है,
मां को नाराज करना इंसान तेरी भूल है
मां के कदमो की मिट्टी की धूल है।

सफलता

सफलता एक ऐसा शब्द है, जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है । प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए लालायित है, लेकिन कई बार कठिन परिश्रम के बावजूद नकारात्मक परिणाम उसे निराश कर देता है। यही वक्त जीवन का अहम मोड़ होता है, क्योंकि ऐसे समय पर जो व्यक्ति हिम्मत हार कर असफलता को अपना भाग्य मान लेता है, वह जिन्दगी भर सिर्फ दूसरों की सफलता का दर्शक मात्र बन कर रह जाता है। वहीं, जो व्यक्ति अपनी कमियों–खामियों को दूर कर सही दिशा में मेहनत करने का मार्ग चुनते हैं, वे सफलता प्राप्त करते हैं। अधिकांश व्यक्तियों की सफलता के पीछे कई बार हार की कहानी छिपी होती है। जीवन में मिलने वाली अनेक विफलताएं ही व्यक्ति की सफलता का आधार रखती हैं, शर्त बस इतनी है कि व्यक्ति अपनी विफलताओं से सबक ले और दोगुनी ऊर्जा के साथ निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़े । ऐसे लोगों के लिए ही किसी ने क्या खूब कहा है–

''मंजिल उनको मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है ।

सिर्फ पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है ।।''

संघर्ष, परिश्रम, दृढ़ संकल्प और प्रबल इच्छाशक्ति से, असफलताओं की रात के बाद सफलता का सूर्योदय अवश्य होता है।

तरुण शर्मा,

राजभाषा अधिकारी

केनरा बैंक , अंचल कार्यालय, करनाल

पिता का प्यार (कविता)

प्यारे पिता,
आप हमारे लिए,
जी–तोड़ मेहनत करते हो,
हमारे लिए शीत घाम सहते हो।
आपने हमें वह सब दिलाया,
जो हमने कहा,
आपने हमारे हर स्वप्न पूरे किये,
हमारे लिए हर कष्ट सहे,
आपने हमे जीने की कला सिखाई।
हर मुश्किल में की हौंसला अफ़ज़ाई।
रात भर सेवा की,
जब हम थे बीमार
आपको धन्यवाद,
बाँटने के लिए अपना प्यार अपार।
रहेगा आपका हाथ हमारे सिर पर जब तक
रहेगा आपका आशीर्वाद हमारे साथ जब तक
हम निश्चित हैं, हमें कोई डर नहीं।
हम निश्चित हैं, हमें कोई डर नहीं।

झलक कुशवाहा
कक्षा 8 'ब',
केन्द्रीय विद्यालय, करनाल

आस्था के दीप

दीप जलाये थे लेकिन देखा भी नहीं,
तुम्हारे इर्द–गिर्द अंधेरा था।
रूप संवारा था लेकिन सोचा भी नहीं,
तुम्हारे चमन में हमारा बसेरा था।
अंधेरों में अपने ही घिरती रही तुम,
उजालों से हमारे ही बचती रही तुम।
सिसकती रही तुम अतीत की यादों में,
लेकिन देखा भी नहीं तुम्हारे इर्द–गिर्द नया सवेरा था।
दीप जलाये थे लेकिन देखा भी नहीं ....
कृत्रिमता के उजालों में भटकती रही तुम,
शाश्वतता के उजालों से छिटकती रही तुम।
मचलती रही तुम मायावी ख्वाबों में,
लेकिन देखा भी नहीं तुम्हारे आंचल में दीपों का पहरा था।
अज्ञानता के अंधेरों से लडूंगा जब तक,
अंतसः में उजाला फैला ना दूं तब तक।
ताकि फिर से फिसल न सको अज्ञानता के अंधरों में,
समझा दूँगा कि तुम्हारे इर्द– गिर्द ज्ञान का उजियारा था।
अंधेरों से उजालों में आओगी जब तुम,
दीपों से दीप जलाओगी जब तुम।
प्रेम की गंगा बहाओगी जब तुम,
समझूँगा, ''गौतम'' वह दीप मेरा था।
दीप जलाये थे लेकिन देखा भी नहीं,
तुम्हारे इर्द–गिर्द अंधेरा था।
रूप संवारा था लेकिन सोचा भी नहीं,
तुम्हारे चमन में हमारा बसेरा था।

के.पी.एस. गौतम
मुख्य प्रशा. अधिकारी
भाकृअनुप – राडेअनुसं, करनाल

मै हूँ निशानी हिंद की

हिंद वाणी हिंद की।
मै हूँ निशानी हिंद की।।
सूर की मैं अर्चना।
तुलसी की अभिवंदना।।
कबीर की धड़कन हूँ मै,
कहानी प्रेमचन्द की।
मै हूँ निशानी हिंद की।।
पंत की मधुर वाणी हूँ मै।
महादेवी की रागिनी हूँ मैं।।
प्रसाद का मुखर मौन तो,
निराला की रवानी मुक्तछंद की।
मै हूँ निशानी हिंद की।।
फिर क्यों मुझसे परहेज तुम्हें ?
मुझे अपनाने से क्यों गुरेज तुम्हें ?
स्वातंत्र्य–भाल की शक्ति हूँ,
फिर भी कहानी तुम्हारे द्वन्द्व की।
मै हूँ निशानी हिंद की।।
हिंद वाणी हिंद की।
मै हूँ निशानी हिंद की।।
मै बिछुडी हिन्द की भाषा हूँ

अंजलि पुंडीर
स्नातकोतर शिक्षक हिंदी
जवाहर नवोदय विद्यालय
तितरम, कैथल

सभी मनुष्यों को गौरव और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतन्त्रता और समानता प्राप्त है। उन्हें बृद्धि और अन्तरात्मा की देन भी प्राप्त है। अतः उन्हें परस्पर भाईचारे के भाव से बर्ताव करना चाहिए।

मातृभाषा की पुकार

घायल पक्षी की अभिलाषा हूँ,
टूटे अरमानों की आशा हूँ।
सीता के अपहरण की गाथा हूँ,
उगते भानु की किरण हूँ मैं।
एक अंक से उत्तीर्ण हूँ मैं,
घायल हुई करहा रही हूँ।
फिर भी दिल में धीर बँधा है,
अब भी मेरा दिल जवाँ है।

2. वैसे तो मां का दर्जा मुझे,
फिर भी क्यों इतना हरजा मुझसे।
क्यों इतना है पर्दा मुझसे,
क्यों मैं आंसू बहा नहीं सकती।
किसी के कंठ में समा नहीं सकती,
खुद के गान मैं गा नही सकती।
नौ रसों मे नहा नहीं सकती,
जैसा तुमकों अब तक दिखा है।
ऐसा मुझमें कहाँ लिखा है?
मुझमें कैसा राज छिपा है,
जो वर्षों से राज बना है.।

3. मुझे नीचा दिखलाते तुम हो,
मेरी हँसी उड़ाते तुम हो।
मुझ हीरे को ठुकराते तुम हो,
मुझ पर दाग लगाते तुम हो।
भारत मां की बुलंद आवाज हूँ मैं,
भारत मां की ताज हूँ मैं।
फिर भी क्यों हताश हूँ मैं,
तुम द्रोहियों से निराश हूँ मैं।

4. अब मुझसे रोया नहीं जाता,
चैन से सोया नहीं जाता।
मुख से अब कुछ कहा नहीं जाता,
ये दुखड़ा अब सहा नहीं जाता।

मुस्कान
कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान
उदयगिरि सदन
जवाहर नवोदय विद्यालय, तितरम, कैथल

मेरी प्यारी हिंदी

हिंदी मेरी भाषा
भुलभुलैया बनकर रह गई है वो
इन जिंदगी की राहों में
एक खिलखिलाती हस्ती थी जो
इस दुनिया की निगाहों में
जीने की चाह थी जिसमें
मुश्किलें जिसे मार गई
जो थी इस दुनिया को
संवार गई।
आज खुद ही से
है हार गई।
मेरी हिंदी एक विषय
ही बनकर है रह गई
आज मेरी हिंदी एक
आम भाषा हो चुकी है
खुद ही के देश में अपना
महत्व खो चुकी है
आज हिंदी रोती है
बिलबिलाती है
फिर खुद को ही
सहलाती है
बस ये हमसे थोड़ी सी
इज्जत ही तो चाहती है।
हिंदी पर ही गर्व करो
हिंदी पर अभिमान,
हिंदी बिना तो सुनी है
अपनी दुनिया अपना जहान।
हिंदी को ही मानो अपना
और करो इसका सम्मान
हिंदी को ही मानो
अपनी दुनिया अपना जहान।
अपनी दुनिया अपना जहान

अंजली
कक्षा आठवी 'ख'
उदयगिरि सदन
जवाहर नवोदय विद्यालय
तितरम, कैथल

आधुनिकता पर व्यंग्य

तेरी बुराइयों को हर अखबार कहता है,
और तू मेरे गांव को ''गँवार'' कहता है।

ऐ शहर मुझे तेरी औकात पता है
तू चुल्लू भर पानी को भी ''वाटरपार्क'' कहता है।

थक गया है हर शख्स काम करते करते,
तू इसे अमीरी का ''बाज़ार'' कहता है।

गांव चलो वक्त ही वक्त है सबके पास,
तेरी सारी फुर्सत तेरा ''इतवार'' कहता हैं

मौन होकर फोन पर रिश्ते निभाए जा रहे हैं,
तू इस मशीनी दौर को ''परिवार'' कहता है।

जिनकी सेवा में खपा देते थे जीवन सारा,
तू उन माँ बाप को अब ''भार'' कहता है।

वो मिलने आते थे तो कलेजा साथ लाते थे,
तू दस्तूर निभाने को माँ–बाप को ''रिश्तेदार'' कहता है।

बड़े–बड़े मसले हल करती थी पंचायतें,
तू अंधी भ्रष्ट दलीलों को ''दरबार'' कहता है।

बैठ जाते थे अपने पराये सब बैलगाडी में,
पूरा परिवार भी न बैठ पाये उसे तू ''कार'' कहता है।

अब बच्चे भी बड़ों का अदब भूल बैठे हैं,
तू इस नये दौर को ''संस्कार'' कहता है।

संकलनकर्ता एवं
प्रस्तुतकर्ता–चन्द्र भान, सहायक,
भा.कृ.अनु.प.–राडेअनुसं.,करनाल

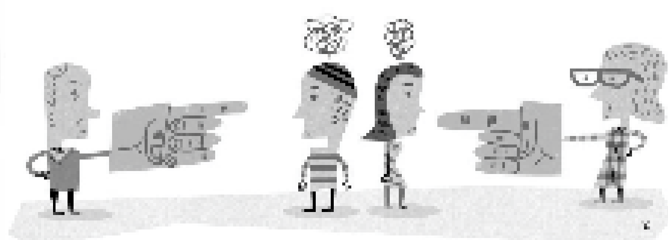

हम पंछी एक डाल के

हम पंछी एक डाल के,
खुले गगन के हम शहजादे।
है ये सारी दुनियां हमारी,
आओ मिलकर खुशियों से इसे सजा दें।
बांटेंगें गम एक दूजे के हम,
बहरों को सुना दें, और गूँगो को हँसा दें।
सारे जहां में जलाकर रहेंगे,
हम रखवाले इस मशाल के।
हम पंछी एक डाल के,
हम पंछी एक डाल के।

जातिवाद के घेरे से,
अब तो निकलो इस अंधेरे से।
धर्म बना शिकारी,
इंसानियत बन गई तलवार।
मानवता की तलाश में,
निकला है मानव सबेरे।
इन राहो में मंजिल तुझे नही मिलेगी,
सुन बन्धु अब निकल बाहर इस मजहब के घेरे से।
अहिंसा को अपनायेंगे, सोई मानवता को जगायेंगे,
जो कह दिया वो कर दिखलायेंगे।
हम पंछी एक डाल के, हम पंछी एक डाल के,

भर लिये प्यासे लबों पर तूने लहू के सागर,
प्यास पूरी इस मरू मही की होती नहीं।
उन्होंने तो कर दिया जीवन तुझे अर्पण,
फिर भी इच्छा तेरी पूर्ण होती नहीं।
किया हमने भी प्रण तेरे दिल में समायेंगे,
जग में दीया सदा ज्ञान का अब जलायेंगे।
हर दहलीज पर अलख जगाकर,
गीत सुनायेंगे हम इस हाल के।
हम पंछी एक डाल के, हम पंछी एक डाल के,

उठ के चल मुसाफिर, सुनसान राहो में तेरा काम नहीं,
है सारा जहां तेरा ही बन्दे, यहां का तू मेहमान नहीं।
कठिन बहुत है डगर तेरी, उठा इसे, शरीर तेरा बेजान नहीं,
तेरे गिरने से तेरी हार नहीं, प्यारे तू इन्सान है, भगवान नहीं।

जागते रहिए जमाने को जगाते रहिए,
मेरी आवाज में आवाज मिलाते रहिए।
नींद आती है तो तकदीर भी सो जाती है,
कोई अब सो न सके गीत वो गाते रहिए।
वक्त के हाथ में पत्थर भी है फूल भी है,
चाह फूलों की है, तो चोट भी खाते रहिए।

संजीव कुमार राणा
वरिष्ठ लिपिक
जवाहर नवोदय विद्यालय
तितरम, कैथल

गजल

कुछ ऐसे प्यार में मेरी वफाएं लौट आती हैं,
किसी गहरे कुएं पे ज्यों सदाएं लौट आती हैं।
उसे मंजूर ही शायद नहीं हैं मेरी फरियादें,
तभी तो आसमां से सब दुआएं लौट आती हैं।
कभी होठों पे होती हैं, गजल कोई तेरे गम की,
कभी लब पे खुशी की गीतिकाएं लौट आती हैं।
बहुत जी चाहता है, खुल के रोएं पर न जाने क्यों,
बिना बरसे ही आंखों से घटाएं लौट आती हैं।
महकती गुनगनाती हैं हवाएं मुझको लगता है,
तेरी पायल से टकराकर हवाएं लौट आती हैं।
तेरे जाने से ''प्रकाश'' हर तरफ वीरान लगता है,
तेरे आने से खुशियों की फिजाएं लौट आती हैं।

प्रस्तुतकर्ता : ब्रहम प्रकाश,
स0प्रशासनिक अधिकारी, भाकृअप–राडेअसं, करनाल

व्यंग्य कविता

करबला की जमीन पर बच्चे रूला दिए,
मसज़िद तो बना दी आपने, मगर घर जला दिए।
नमाज़ी बनो मगर सर झुका के मत चलो,
इस चक्कर में ना जाने कितनों ने अपने सर कटा दिए।
मेरे मौला दुआएँ कब कबूल होंगी,
सोने की छोड़ो, अब तो पीतल ने भी अपने दाम बढ़ा दिए।
मैं किसी ओर भी जाती तो किसी को कोई हर्ज़ ना था,
उसके घर की ओर मुड़ी, तो लोगों ने किस्से तमाम उठा दिए।
कल का हादसा था, चार नेता जिंदा बचा लिए गए,
एक खुद्दार समाचार पत्र ने लिखा ,
जिंदा दबा दिए गए और मुर्दा बचा लिए गए।
मैंने कई बार कोशिश की,
सच ना लिखने की
लेकिन मेरी तहज़ीब ने झूठे सारे अक्षर मिटा दिए।।

गतिका, अधिकारी,
केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल

ज्ञान की महिमा (कविता)
(संकलित एवं प्रेरणार्थ उद्धृत)

जीवन पथ जटिल है ये, कालचक्र कठिन है ये,
पग पग पे भेद–भाव है, रक्त–रंजित पांव है,
जन्म से किसी के सर वंश की छाँव है,
झूठ के रथ पे सवार, डाकुओं का गाँव है,
किसी के पास है छल–कपट,
किसी को रूप का वरदान है,
ये सोच के मत बैठ जा कि, ये विधि का विधान है,
बज रहा मृदंग है, ये कहता अंग–अंग है,
कि प्राण अभी शेष है, मान अभी शेष है,
उठा ले ज्ञान का धनुष, उठा ले ज्ञान का धनुष,
एक क्षण भी और कुछ, माँग मत भगवान से,
ज्ञान की कमान पे, लगा दे तू विजय तिलक,
ज्ञान की कमान पे, लगा दे तू विजय तिलक,
काल के कपाल पे लिख दे, तू ये गुलाल से,
यदि रोक सकता है कोई, तो रोक के दिखा मुझे
हक छीनता आया है, जो अब छीन के बता मुझे
ज्ञान के मंच पर सब, एक समान हैं,
विधि का विधान पलट दे, वो ब्रहमास्त्र ज्ञान है,
तो आज से ये ठान ले, ये बात गाँठ बांध ले,
कि कर्म के कुरूक्षेत्र में, ना रूप काम आता है,
ना झूठ काम आता है, ना जाति काम आती है,
ना बाप का नाम काम आता है,
सिर्फ ज्ञान ही आपको , आपका हक दिलाता है।
सिर्फ ज्ञान ही आपको , आपका हक दिलाता है।
सिर्फ ज्ञान ही आपको , आपका हक दिलाता है।
सिर्फ ज्ञान ही आपको , आपका हक दिलाता है।

प्रस्तुतकर्ता : संजीव कुमार
राजभाषा अधिकारी,
यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया

सब मिथ्या है.......
कविता

है प्रियवर, तुम्हारा स्नेह और प्यार,
है शक्ति मेरी और संबल अपार,
बाकी सब मिथ्या है, सब मिथ्या है।

जीवन की हैं, टेढ़ी–मेढ़ी राह,
धूप अधिक है, कम मिलती छाँह।
पर
तुम्हारे स्नेहिल मार्गदर्शन का ठौर,
हर लेगा मेरी मुश्किल का दौर,
बाकी सब मिथ्या है, बाकी सब मिथ्या है।

सुख–दुःख हैं जीवन के अभिन्न अंग,
पर न कभी हुआ, न होऊँगा इनसे अनंग,
क्योंकि
रहता है तुम्हारा विश्वास सदैव मेरे संग,
तुम संग खेले मैंने जीवन के कई रंग,
इसीलिए तो,
कर्मपथ से डिगा न पाई मुझे,
कोई उलझन निगोड़ी तरंग,
चूँकि
तुम्हारा स्नेह और प्यार,
है शक्ति मेरी और संबल अपार,
बाकी सब मिथ्या है, सब मिथ्या है।

राकेश कुमार
सहा0निदेशक(राजभाषा),
भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल

छात्र की धृष्टता, लघुकथा

स्थानः एकादश कक्षा, राजकीय विद्यालय
कक्षा अवधि : 10:00 से 10.40 तक. समयः 10:00 पूर्वाहन.

कक्षा में श्रीमती बनर्जी का प्रवेश, छात्रों का कोलाहल अनवरत् रूप से जारी रहा, वर्ग शिक्षक होते हुए उन्हें यह बात विशेष रूप से चुभी।

उन्होंने वर्ग को सम्बोधित करते हुए कहा, ''आज आप लोगों की गणित की आकस्मिक परीक्षा ली जाएगी''। वर्ग का कोलाहल अपितु और बढ़ गया, एक छात्रा ने सविनय पूछा'' हम लोगों को तो इस टेस्ट के बारे में बताया ही नहीं गया, क्या हमें त्रिकोणमिति के सूत्रों को देखने की अनुमति होगी।

वर्ग शिक्षिका अभी उत्तर देतीं उससे पहले ही एक अन्य छात्र ने पूछा,'' क्या ज्योमेट्री से भी सवाल होंगे ?'' श्रीमती बनर्जी का रोष और बढ़ गया, एक तो यह टेस्ट की बात उन्होंने अनायास ही कह दी थी और दूसरी ओर छात्रों का कोलाहल पहले से भी अधिक बढ़ गया था।

समय 10:08 पूर्वाह्न

बनर्जी महोदया ने स्थिति को संभालने के लिए कहा, ''यह एक आसान सी परीक्षा होगी, पांच सवाल पूछे जायेंगे..........''

शिक्षिका महोदय अभी अपनी बात को समाप्त करती, उससे पहले ही वर्ग मॉनिटर ने तंज किया, ''मैडम आप हमारी वर्ग शिक्षक हैं या द्वादश वर्ग की, उस वर्ग में तो आप कोई आकस्मिक परीक्षा नहीं लेतीं''.

बनर्जी महोदया की आशा के विपरीत वर्ग मॉनिटर ने भी विद्रोह के बिगुल बजा दिया, महोदया ने गुस्से में आकर डस्टर जोर से मॉनिटर के तरफ चला दिया. डस्टर तीव्र गति से मॉनिटर के बगल में बैठे सहपाठी की कनिष्ठ उंगली में लग गया.

वह छात्र जोर से दर्द के मारे कराह उठा, सभी को विस्मित करते हुए उसी समय विद्यालय की प्राचार्या भी आकस्मिक रूप से प्रकट हो गयीं। उन्होनें जोर से पूछा,'' क्या हो रहा है यहाँ पर ?''

समयः 10.17 पूर्वाह्न

पूरे वर्ग में शांति स्थापित हो गयी, मानो सभी को सांप सूंघ गया हो।

कराहते हुए चोट खाए हुए छात्र ने पूछा,''महोदया क्या मैं प्राथमिक चिकित्सा के लिए बाहर जा सकता हूँ ?''

प्राचार्य महोदया ने सहमति में सिर हिलाया और कहा, ''साथ में तुषार (एक अन्य छात्र) को भी लेते जाओ?''

वह छात्र अपने सहपाठी के साथ वर्ग से बाहर चला गया।

प्राचार्या ने बनर्जी महोदया से पूछा,'' इतना कोलाहल क्यों हो रहा था ?, क्या आप कुछ देर के लिए मेरे कक्ष में आएँगी?''

इतना कह कर के प्राचार्या अपने कक्ष की ओर चली गयीं।

समयः 10:23 पूर्वाह्न

अब पूरा वर्ग बनर्जी महोदया को देख रहा था और बनर्जी महोदया पूरे वर्ग को देख रही थीं, वर्ग आकस्मिक परीक्षा नहीं चाहता था और महोदया शोरगुल नहीं चाहती थीं।

महोदया ने वर्ग मॉनिटर से कहा,'' मिल गया तुम लोगों को संतोष, मुझसे ऐसा कार्य करवाते हो, जो मैं खुद नहीं चाहती हूँ''।

वर्ग मॉनिटर ने द्रवित भाव में कहा,'' महोदया हम स्वयं इस बात से लज्जित हो रहें हैं, लेकिन क्या... अब तो आप ही हमें कोई राह दिखाएँ।''

समयः 10:28 पूर्वाह्न

बनर्जी महोदया ने कहा,'' 10 मिनट में तो टेस्ट होने से रहा, तुम सभी स्वाध्याय करो, मैं प्राचार्य कक्षा से आती हूँ''।

वर्ग मॉनिटर ने सहमति में हामी भरी।

पाठकगण दुविधा में है, वर्ग शिक्षिका के जाने के उपरान्त वर्ग में खुशी के क्षण होंगे या अवलोकन के ?

क्या वर्ग की प्रतिक्रिया आज से 24 वर्ष से पहले भी ऐसी ही रही होगी ? क्या किसी सुधार की आवश्यकता है?

अग्निवेश
प्रशा.अधिकारी,
भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल

सरकारी कामकाज में प्रायः उपयोग में लाए जाने वाले प्रचलित वाक्यांश

क्र.	वाक्यांश अंग्रेजी में	वाक्यांश हिन्दी में
1.	A brief note is placed below	संक्षिप्त नोट नीचे रखा है
2.	Acceptance is awaited	स्वीकृति की प्रतीक्षा करें
3.	Acting in good faith	सद्भाव से कार्य करते हुए
4.	Against public interest	लोक हित के विरूद्व
5.	All concerned should note	सभी संबंधित नोट करें।
6.	Approval may be accorded	अनुमोदन प्रदान कर दिया जाए
7.	As directed	निर्देशानुसार
8.	As revised	यथासंशोधित
9.	Ascertain the position	स्थिति का पता लगाऐं
10.	Attention is invited to	की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है
11.	Await reply	उत्तर की प्रतीक्षा करें
12.	Bring into notice	ध्यान में लाना
13.	By authority of	के प्राधिकार से
14.	By return post	वापसी डाक से
15.	By virtue of office	पद के नाते, पद की हैसियत से
16.	Call for the report	रिपोर्ट मंगाइऐ
17.	Case is submitted as directed on pre-page	पूर्व पृष्ठ पर निर्देशानुसार मामला पुनः प्रस्तुत है
18.	Charge handed over	कार्यभार सौंप दिया
19.	Checked and found correct	जांच की और सही पाया
20.	Circulate and then file	संबंधित व्यक्तियों को दिखा कर फाइल कर दीजिए
21.	Consequent upon	के परिणामस्वरूप
22.	Convene a joint meeting	संयुक्त बैठक बुलाई जाये
23.	Copy forwarded for information and necessary action	सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रतिलिपि सलंग्न
24.	Corrigendum may be put up	शुद्धि पत्र प्रस्तुत करें
25.	Delay in submitting the case is regretted	मामले को प्रस्तुत करने में विलम्ब के लिए खेद है
26.	Draft for approval please	मसौदा अनुमोदनार्थ प्रस्तुत
27.	Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें
28.	Draw attention	ध्यान दिलाना
29.	Early action in the matter is requested	अनुरोध है कि मामले में शीघ्र कार्रवाई करें
30.	Errors in verfication	सत्यापन में त्रुटियाँ
31.	Expedite action	शीघ्र कार्रवाई करें
32.	Ex-Post Facto sanction	कार्योत्तर मंजूरी
33.	Fix a date for meeting	बैठक के लिए कोई तारीख निश्चित करें
34.	For favourable action	अनुकूल कार्रवाई के लिए
35.	For information please	सूचनार्थ

क्र.	वाक्यांश अंग्रेजी में	वाक्यांश हिन्दी में
36.	For Signature please	कृपया हस्ताक्षर के लिए
37.	For sympathetic consideration	सहानुभूतिपूर्ण विचार के लिए
38.	Forwarded and recommended	अग्रेषित और संस्तुत
39.	Further action not necessary	आगे कार्रवाई आवश्यक नहीं है
40.	Give top priority to this	इसे सबसे पहले करें/इसे प्राथमिकता दें
41.	Highly objectionable	अत्यन्त आपत्तिजनक
42.	If deemed fit	यदि उचित समझें
43.	In compliance with	के अनुपालन में
44.	In prescribed manner	निर्धारित ढंग से
45.	In this behalf	इस संबंध में/इस विषय में
46.	It has since been decided	अब यह निर्णय लिया गया है
47.	Justi fication has been accepted	औचित्य स्वीकार कर लिया गया है
48.	Keep pending	इसे रोके रखें/लम्बित रखा जाए
49.	Keep with the file	इसे फाइल के साथ रखें
50.	Laid down in	में निर्धारित, में प्रदत्त
51.	Letter of introduction	परिचय पत्र
52.	Matter is under consideration	मामला विचाराधीन है/मामले पर विचार हो रहा है
53.	May be filed	फाइल कर दें
54.	May be treated as urgent	इसे अति आवश्यक समझा जाए
55.	Necessary steps should be taken	आवश्यक कदम उठाए जाएं
56.	Needful be done	आवश्यक कार्रवाई की जाए
57.	No action necessary	कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है
58.	No objection certificate	अनापत्ति प्रमाण पत्र
59.	Noted, thanks	नोट कर लिया, धन्यवाद
60.	obtain formal sanction	औपचारिक मंजूरी प्राप्त करें
61.	Office to note and comply	कार्यालय ध्यान दें, और पालन करें
62.	On leave/tour	छुट्‌टी पर/दौरे पर
63.	Order may be issued	आदेश जारी कर दें
64.	Paper under consideration(P.U.C.)	विचाराधीन कागज/प्रपत्र
65.	Please circulate and file	कृपया सभी को दिखा कर फाइल कर दें
66.	Please do the needful	कृपया आवश्यक कार्रवाई करें
67.	Please expedite compliance	कृपया शीघ्र अनुपालन कीजिए
68.	Please issue	कृपया जारी करें।
69.	Please put up the case with previous papers	कृपया इस मामले को पिछले कागजों के साथ प्रस्तुत करें
70.	Please revise	कृपया संशोधित करें
71.	Please send a reminder immediately	कृपया तुरन्त अनुस्मारक भेजें
72.	Please treat this as strictly confidential	कृपया इसे सर्वथा गोपनीय समझें
73.	Please verify	कृपया जांच पड़ताल करें

क्र.	वाक्यांश अंग्रेजी में	वाक्यांश हिन्दी में
74.	Preceding notes	पूर्ववर्ती टिप्पणियां
75.	Quote reference	संदर्भ बताएँ
76.	Reluctant to do the work	कार्य करने को अनिच्छुक
77.	Reminder may be sent	अनुस्मारक भेजें
78.	Required information may please be furnished	वांछित सूचना भी शामिल करें
79.	Revised note may be put up	संशोधित नोट प्रस्तुत करें
80.	Seen and returned	देख कर वापिस किया जाता है
81.	Seen and spoken	देख लिया और चर्चा कर ली
82.	Spoken	बात हो गई, चर्चा कर ली है।
83.	Submitted for consideration	विचार के लिए प्रस्तुत
84.	The relevant file is placed below	संबंधित फाइल नीचे रखी है
85.	Till further orders	अगले आदेश होने तक
86.	To the best of ability	पूरी योग्यता से
87.	Under consideration	विचाराधीन/विचार हो रहा है
88.	Undue interference	अनुचित हस्तक्षेप
89.	Urgent	तत्काल/अति आवश्यक
90.	Verified and found correct	जाँच की ओर सही पाया
91.	We are not concerned with it	इसका सबसे संबंध नहीं है
92.	Will you please state	कृपया बताएं
93.	With concurrence of	की सहमति से
94.	With diverse circumstances	विभिन्न परिस्थितियों सहित
95.	With full particulars	पूरे विवरण के साथ
96.	Join both words of increment	वेतनवृद्धि रोकना
97.	With immediate effect	तत्काल प्रभाव से
98.	With reference to	के संदर्भ में या संबंध में
99.	With regards	सादर
100	With the approval of	के अनुमोदन से
101	Within stipulated period	नियत अवधि के भीतर
102	Without assigning reason	बिना कोई कारण बताए
103	Without being informed	अवगत कराए बिना
104	You are hereby informed	आपको एतद्द्वारा सूचित किया जाता है
105	Your attention is drawn	आपका ध्यान आकर्षित किया जाता है
106	Your reply should reach this office by	आपका उत्तर इस कार्यालय में......तक पहुंच जाना चाहिए
107	Your request cannot be acceded to	आपकी प्रार्थना स्वीकार नहीं की जा सकती।

हिन्दी पत्रों में प्रायः प्रयोग की जाने वाली अशुद्धियों का निवारण

द्वारा : राकेश कुमार कुशवाहा, सहायक निदेशक (राजभाषा) भाकृअप–राडेअसं, करनाल

विभिन्न कार्यालयों में सरकारी कामकाज के दौरान प्रयोग में लाई जाने वाली हिंदी भाषा एवं कार्मिकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदन पत्रों आदि में अक्सर कुछ अशुद्धियॉं दृष्टिगोचर होती हैं। प्रायः प्रयोग में लाई जाने वाली इस प्रकार की अशुद्धियॉं आवेदन लिखने वाले व्यक्ति के हिंदी भाषा, व्याकरण एवं वर्तनी के ज्ञान को दर्शाती है। कुछ मामलों में, कर्मचारियों द्वारा लिखी जाने वाली भाषा में क्षेत्रीयता का पुट झलकता है तो कुछ मामलों में वर्तनी प्रयोग के प्रति उपेक्षा एवं ''सब चलता है'' का दृष्टिकोण इन अशुद्धियों को जन्म देता है। आपने यह महसूस किया होगा कि कुछ कार्मिक उनके बोलने एवं लिखने के लहजे में ''विकास.'' शब्द के स्थान पर ''बिकास'' एवं ''महावीर'' नाम की जगह ''महाबीर'' शब्द का प्रयोग करते हैं। कुछ कार्मिकों द्वारा शब्दों के प्रयोग में छोटी इ, बड़ी ई, छोटा उ, बड़ा ऊ, कि या की शब्दों आदि के प्रयोग में हिंदी भाषागत नियमों के ज्ञान के अभाव में गलत शब्द या वर्तनी आदि का प्रयोग किया जाता है। यहॉं मैं सरकारी कामकाज के दौरान प्रयोग किए जाने वाले कुछ आम शब्दों के अशुद्ध रूप के साथ उनके शुद्ध रूप प्रस्तुत कर रहा हूँ। इस लेख को लिखने के पीछे मेरा उद्देश्य मात्र यही है कि पाठक इन अशुद्धियों के बारे में जानने के बाद इनका सही प्रयोग करने के प्रति सचेत होंगे–

गलत शब्द	सही शब्द	गलत शब्द	सही शब्द
रिर्पोट	रिपोर्ट	पुर्नस्थापना	पुनर्स्थापना
केन्द्रिय	केन्द्रीय	निमार्ण	निर्माण
रिर्जव	रिजर्व	अनुयाई	अनुयायी
उपलक्ष	उपलक्ष्य	स्थाई	स्थायी
ग्रहनिवास	गृहनिवास	छमता	क्षमता
अपरान्ह	अपराह्न	पैत्रिक	पैतृक
पूर्वान्ह	पूर्वाह्न	तइयार	तैयार
भूगौलिक	भौगोलिक	इतिहासिक	ऐतिहासिक
निरस	नीरस	अन्तरगत	अन्तर्गत, अंतर्गत
अनुगृह	अनुग्रह	अलोकिक	अलौकिक
उर्तीण	उत्तीर्ण	परिस्थिती	परिस्थिति
आयू	आयु	अर्थात	अर्थात्
अकस्मात	अकस्मात्	अक्षुण्य	अक्षुण्ण
अहार	आहार	उज्वल	उज्ज्वल
आदेस	आदेश	उदहारण	उदाहरण
एच्छिक	ऐच्छिक	शारिरिक	शारीरिक
उतरोत्तर	उत्तरोत्तर	वपिस	वापस
उलंधन	उल्लंघन	वान्छनीय	वांछनीय
ओचित्य	औचित्य	महत्व	महत्व
आर्शीवचन	आशीर्वचन	भाषाई	भाषायी
डोक्टर	डाक्टर, डॉक्टर	प्रतीलिपी	प्रतिलिपि
कोसिस	कोशिश	तिथी	तिथि
ब्यवहार	व्यवहार	चिन्ह	चिह्न
पाणी	पानी	शाषकीय	शासकीय
गणमान्य	गण्यमान्य	श्रीमति	श्रीमती
विसराम	विश्राम	तत्वाधान	तत्वावधान

भाकृअनुप-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में राजभाषा गतिविधियाँ

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में राजभाषा हिंदी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन हेतु संस्थान में वर्ष 1979 में राजभाषा एकक की स्थापना की गई। यहाँ वर्ष 1988, 1989 एवं 2011 में क्रमशः हिन्दी अनुवादक, सहायक निदेशक(राजभाषा) एवं उप निदेशक(राजभाषा) के पद सृजित किए गए। राजभाषा एकक द्वारा संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, मंत्रालयिक स्टाफ, तकनीकी स्टाफ आदि को राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए हर संभव सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। संस्थान के राजभाषा एकक द्वारा निम्नलिखित विवरणानुसार विभिन्न राजभाषा गतिविधियों का आयोजन किया जाता है–

1 संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

संस्थान में गठित संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष में चार बैठकें अर्थात् प्रत्येक तिमाही में एक बैठक, समय पर आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में संस्थान की प्रगति का आकलन किया जाता है एवं भावी कार्यक्रमों हेतु कार्ययोजना तैयार कर उन्हें कार्यान्वित किया जाता है।

2 द्विभाषी मानक फॉर्म/स्टेशनरी का प्रयोग

राजभाषा नियम 1976 के नियम–11 का अनुपालन करते हुये संस्थान द्वारा सभी प्रकार के मानक फार्मों एवं स्टेशनरी सामान आदि को द्विभाषी रूप में प्रयोग करना सुनिश्चित किया जा रहा है।

3 हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को सतत् बढ़ाने एवं कर्मचारियों की सरकारी काम–काज में राजभाषा के प्रयोग में होने वाली झिझक को दूर करने के लिए प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान में विभिन्न संवर्गों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वर्ष 2016 एवं 2017 में आयोजित की गई हिन्दी कार्यशालाओं का विवरण इस प्रकार है–

कार्यशाला संख्या	आयोजन तिथि	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
1	20.9.2016	''प्रशासनिक हिंदी''	43
2	10.11.2016	''कंप्यूटर पर युनिकोड एवं तकनीकी टूल्स के द्वारा हिंदी प्रयोग को बढ़ावा''	47
3	16.5.2017	तकनीकी टूल्स का प्रयोग	22
4	22.5.2017	हिन्दी फोंट एवं तकनीकी टूल्स का प्रयोग	27
5	6.6.2017	यूनिकोड का प्रयोग	25
6	17.6.2017	तकनीकी टूल्स का प्रयोग	10
7	22.9.2017	राजभाषा प्रबंधन	37

4 हिंदी दिवस/हिंदी चेतन मास समारोह का भव्य आयोजन –

संस्थान में 14 सितंबर 2017 को शुभारंभ के साथ 14 सितंबर से 16 अक्तूबर 2017 तक राजभाषा चेतना मास का आयोजन किया गया। इस अवधि में दि. 14.9.2017 को हिन्दी चेतना मास के उद्घाटन के साथ निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं :–

–14.9.2017 को हिन्दी देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता।

–20.9.2017 को हिन्दी शोध–पत्र पोस्टर प्रतियोगिता।

–22.9.2017 को टी 6 से टी 9 श्रेणी के तकनीकी अधिकारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला।

–25.9.2017 को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता।

–6.10.2017 को हिन्दी आशु–भाषण प्रतियोगिता।

–16.10.2017 को हिन्दी पुरस्कार वितरण समारोह में 129 विजेताओं का प्रमाण पत्र से सम्मान।

5 वार्षिक मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन –

वर्ष 2016–17 की वार्षिक मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन प्रतियोगिता में 10 कार्मिकों ने भाग लिया तथा नियमानुसार 10 सुपात्र कर्मचारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्रों से पुरस्कृत किया गया।

6 संस्थान के हिन्दी प्रकाशनों की सूची

हर वर्ष की भॉति संस्थान की वार्षिक गृह पत्रिका ''दुग्ध गंगा'' एवं तिमाही न्यूज लैटर ''डेरी समाचार'' को पूर्णतः हिन्दी में प्रकाशित किया जा रहा है।

7 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल के अतिरिक्त दायित्वों का बखूबी निर्वहन

संस्थान के निदेशक, नगरस्तरीय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल के पदेन अध्यक्ष हैं। अध्यक्ष नराकास एवं निदेशक, भाकृअनुप–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल की अध्यक्षता में समिति की छमाही बैठकें राजभाषा विभाग के वार्षिक कैलेण्डर के अनुसार समय पर आयोजित हो रही हैं। समिति की अंतिम बैठक दिनॉक 9.6.2017 को संपन्न हुई। नराकास की छमाही बैठकों में करनाल में स्थित 68 केन्द्र सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों, अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, लिमिटेडों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों आदि के प्रशासनिक अध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, राजभाषा अधिकारियों एवं प्रतिनिधि अधिकारियों द्वारा प्रतिभागिता की जाती है। इन बैठकों में भारत सरकार, राजभाषा विभाग के अधिकारी भी शामिल होते हैं। समिति द्वारा समिति के रूटीन प्रकार के कार्यों के अलावा अध्यक्ष नराकास एवं संस्थान के निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में संस्थान के राजभाषा एकक के प्रभारी मय नराकास समन्वयक एवं सचिव नराकास द्वारा समिति के सदस्य कार्यालयों को राजभाषा के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन हेतु समय–समय पर मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है।

8 अनुवाद कार्य :

संस्थान के वैज्ञानिकों से प्राप्त आलेखों, छात्रों के शोध सारांश, वार्षिक प्रतिवेदन, प्रशासनिक पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, विभिन्न समारोहों की प्रेस विज्ञप्ति, गण्यमान्य अतिथियों, मंत्रियों आदि के संबोधन, व्याख्यान एवं अन्य सामग्री का अनुवाद एवं वेटिंग का कार्य संस्थान के राजभाषा एकक द्वारा किया जाता है।

9 हिंदी में शिक्षण कार्य :

गैर हिन्दी क्षेत्रों से अध्ययन हेतु आए एम.एससी. / एम.टैक. / पीएच.डी. के छात्र जिन्हें मैट्रिक स्तर तक हिंदी का ज्ञान नहीं है उन्हें हिंदी शिक्षण का कार्य राजभाषा एकक द्वारा किया जाता है।

10 अन्य –

राजभाषा एकक द्वारा वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित ''बृहत प्रशासनिक शब्दावली'' की पर्याप्त प्रतियाँ संस्थान के कर्मचारियों को उपलब्ध कराई गई हैं। संस्थान में अंग्रेजी / टाइपिस्टों / आशुलिपिकों को हिन्दी टाइपिंग सीखने हेतु निरन्तर प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा डेस्क प्रशिक्षण के द्वारा कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग सिखाई जा रही है।

11 संस्थान के द्वारा वर्ष 2017 में संपन्न विभिन्न राजभाषा गतिविधियों का ब्यौरा इस प्रकार है–

भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल के राजभाषा एकक के तत्वावधान में वर्ष 2017 में आयोजित गतिविधियॉ

क्र.	दिनांक	गतिविधि
1	28.1.2017	केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान में नराकास हिन्दी शब्दावली एवं वाक्यांश प्रतियोगिता का आयोजन।
2	1.2.2017	सैनिक स्कूल कुंजपुरा कार्यालय में तिमाही रिपोर्ट आनलाइन प्रेषित करने में राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण में आ रही समस्याओं का निराकरण।
3	3.2.2017	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, करनाल क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन।
4	15.2.2017	एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान कार्यालय का औचक निरीक्षण एवं संस्थान के निदेशक महोदय एवं राजभाषा अधिकारी से वार्तालाप कर नराकास करनाल की वैबसाइट को पुनः एक्टिवेट कराने संबंधी कार्रवाई शुरू की।
5	20.2.2017	जवाहर नवोदय विद्यालय, सग्गा, करनाल हिन्दी कार्यशाला का आयोजन।
6	22.2.2017	पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय, सेक्टर 12, करनाल द्वारा नराकास के तत्वावधान में आयोजित यूनिकोड हिन्दी कंप्यूटर टाइपिंग प्रतियोगिता में प्रतियोगिता।
7	28.2.2017	संस्थान में हिन्दी टाइपिंग प्रतियोगिता का आयोजन।
8	8.3.2017	संस्थान की राजभाषा ज्ञान लिखित प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
9	9.3.2017	संस्थान में ''बसन्त का पैगाम, नराकास एवं राजभाषा हिन्दी के नाम'' बैनर तले राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
10	10.3.2017	संस्थान में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
11	10.3.2017	पंजाब एण्ड सिंध बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल में हिन्दी कार्यशाला के आयोजन में प्रतिभागिता।

12	31.3.2017	संस्थान की वार्षिक गृह पत्रिका ''दुग्ध–गंगा'' का समय पर प्रकाशन कर इसका विमोचन।
13	7.4.2017	संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न।
14	16.5.2017	संस्थान के डेरी विस्तार प्रभाग में आयोजित हिंदी कार्यशाला में 1 अधिकारी, 8 कर्मचारी एवं 13 विद्यार्थी शामिल हुए।
15	18.5.2017	संस्थान के कार्यालय आदेश संख्या : अनुदेश / राजभाषा एकक / 2017 दिनॉक 18.5.2017 के तहत राजभाषा अनुदेशों के अनुपालन के लिए जॉच बिन्दुओं की स्थापना संबंधी विस्तृत आदेश जारी किये गये हैं।
16	19.5.2017	संस्थान के परिपत्र फा.स. / पुरस्कार / वैज्ञा. / तक. / रा.भा. / 2016–17 दि. 19.5.2017 के तहत संस्थान में वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों की मूल रूप से हिंदी में लिखी गई पुस्तकों / प्रकाशित बुलेटिनों / फोल्डर / शोध पत्र / आलेख आदि के लिए पुरस्कार योजना वर्श 2016–17 के लिए क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों एवं संस्थान के विभिन्न प्रभागों एवं अनुभागों से प्रविष्टियॉ आमंत्रित की गई।
17	20.5.2017	वर्ष 2017–18 की संस्थान मूल हिंदी टिप्पण / आलेखन प्रतियोगिता(प्रषासनिक कार्य) का परिपत्र जारी कराया।
18	20.5.2017	नराकास करनाल के सदस्य कार्यालय विजया बैंक के वरिश्ठ षाखा प्रबंधक श्री डी.एन.चन्द्रा ने समिति कार्यालय में सचिव, नराकास से संपर्क कर उनके कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार, प्रचार एवं कार्यान्वयन के संबंध में विस्तृत चर्चा की।
19	20.5.2017	संस्थान के कार्यालय आदेश संख्या : अनुदेश / राजभाषा एकक / 2017 दिनॉक 20.5.2017 के तहत संस्थान के 37 प्रभागों / अनुभागों को राजभाषा नियम 1976 के नियम 8(4) के अंतर्गत शासकीय प्रयोजनों के लिए अपना शत–प्रतिषत प्रशासनिक कार्य हिन्दी में करने के लिए विनिर्दिष्ट कराया गया है।
20	22–23.5.17	पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, कल्याणी कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण करके हिंदी कार्यशाला संपन्न कराई गई।
21	23.5.2017	संस्थान के कार्यालय आदेश संख्या : अनुदेश / राजभाषा एकक / 2017 दिनांक 23.5.2017 के तहत राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेजों को द्विभाषी (हिंदी एवं अंग्रेजी) जारी करने की सांविधिक आवश्यकता की अनुपालना के लिए संस्थान के सभी प्रभागों / अनुभागों एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों को निदेशक महोदय की ओर से आदेश जारी किये गए हैं।
22	6.6.2017	राडेअसं करनाल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही अंत जून–17 की समीक्षा बैठक संपन्न।
23	9.6.2017	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति करनाल की 65वीं समीक्षा बैठक संपन्न।
24	13.6.2017	मूल हिन्दी टिप्पण एवं मसौदा लेखन की वार्षिक प्रोत्साहन योजना की प्रविष्टियों का मूल्यांकन संपन्न।
25	14.6.2017	एमएसएमई विकास संस्थान में मूल हिन्दी टिप्पण / मसौदा लेखन की वार्षिक प्रोत्साहन योजना का मूल्यांकन।
26	17.6.2017	संस्थान के पीएचडी, मास्टर्स एवं बैचलर्स के अध्ययनार्थियों हेतु यूनिकोड पर तकनीकी हिन्दी कार्यशाला का आयोजन।
27	12.7.17 से 18.7.17	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल के तत्वावधान में स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा की पहल पर उत्कर्ष सोसायटी के सौजन्य से आयोजित ''नाट्यलेखन एवं प्रस्तुति विषय पर कार्यशाला'' जिसमें 55 हरियाणा सरकार के शिक्षकों ने भाग लिया।
28	18.7.2017	नराकास करनाल की ओर से हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता–2017 का आयोजन।
29	25.7.2017	नराकास करनाल के वार्षिक लेखे–जोखे का लेखा–परीक्षा समिति से ऑडिट संपन्न।
30	28.7.2017	नेहरू युवा केन्द्र, करनाल द्वारा युवा नेतृत्व व सामुदायिक विकास प्रशिक्षण शिविर में 40 प्रतिभागियों को मार्गदर्शन
31	10.8.2017	वार्षिक तकनीकी लेखन प्रतियोगिता की मूल्यांकन समिति की प्रथम बैठक का आयोजन।
32	12 / 13.8.17	राडेअसंस्थान के ''फ्रेशर 2017'' के लिए आयोजित ''सॉफ्ट–स्किल्स'' कार्यक्रम में प्रतिभागिता एवं समन्वय।
33	18.8.2017	राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जोधपुर में आयोजन नराकास तकनीकी संगोष्ठी में प्रतिभागिता।
34	19–20.8.17	संस्थान के ''फ्रेशर 2017'' के लिए आयोजित ''लीडरशिप बिल्डिंग'' कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।
35	21.8.2017	वार्षिक तकनीकी लेखन प्रतियोगिता की मूल्यांकन समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन।
36	22.8.2017	नराकास करनाल की ओर से हिन्दी लघु–कथा लेखन प्रतियोगिता–2017 का आयोजन।
37	1.9.2017	केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में प्रतिभागिता।
38	1.9.2017	एमएसएमई विकास संस्थान के हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम में प्रतिभागिता।
40	7.9.2017	एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान, करनाल द्वारा नगर स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।
41	8.9.2017	राडेअसं करनाल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही अंत सितंबर'17 की समीक्षा बैठक का आयोजन।

42	13.9.2017	गेहूँ एवं जौं अनुसंधान संस्थान, करनाल में संपन्न कर्मचारी राजभाषा पुरस्कार प्रतियोगिता कार्यवाही संपन्न कराएं
43	14.9.2017	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में हिन्दी चेतना मास समारोह का शुभारंभ व देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता का आयोजन।
44	14.9.2017	न्यू इन्डिया एश्योरन्स, मण्डल कार्यालय, करनाल में हिन्दी दिवस समारोह में प्रतिभागिता।
45	16.9.2017	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय करनाल में हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागिता।
46	20.9.2017	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में हिन्दी शोध–पत्र पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता का आयोजन।
47	20.9.2017	केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, करनाल का दौरा, वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा एवं राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी मार्गदर्शन।
48	22.9.2017	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में ''राजभाषा प्रबंधन'' पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन।
49	25.9.2017	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।
50	06.10.2017	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
51	16.10.2017	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन।

उक्तियाँ

अखिल भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है,
जिसे जनता का अधिकतम भाग पहले से जानता–समझता है–महात्मा गॉधी

अन्धकार है वहॉ, जहां आदित्य नहीं है,
निष्क्रिय है वे देश जहॉ साहित्य नहीं है।

हिन्दी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और उसे दृढ़ करती है–पुरूषोत्तम दास टंडन

हिन्दी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है–माखनलाल चतुर्वेदी

हिन्दी से किसी भी भारतीय भाषा को भय नहीं है, यह सबकी सहोदरा है–महादेवी वर्मा

हिन्दी के बिना भारत की राष्ट्रीयता की बात करना व्यर्थ है–वी.वी.गिरि

''अपने युग को हीन समझना आत्महीनता होगी।
सजग रहो, इससे दुर्बलता और दीनता होगी।
जिस युग में हम हुए वही हो अपने लिए बड़ा है।
अहा हमारे आगे कितना कर्मक्षेत्र पड़ा है।''
–मैथिलीशरण गुप्त

''निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल'' – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

राजभाषा चेतना मास–2016 में भाकृअनुप–राडेअसं, करनाल में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता

क. टिप्पण एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता (15.9.2016 को संपन्न)

क्रमांक	नाम	पदनाम	प्रभाग	स्थान
1.	श्री विवेक सैनी	सहायक	क्रय अनुभाग	प्रथम
2.	श्री मनजीत सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	नकदी एवं देयक अनुभाग	द्वितीय
3.	श्री सतीश मीणा	निपुण सहायी–कर्मचारी	कृषि विज्ञान केन्द्र	तृतीय
4.	श्री रामधारी	सहायक	पी.एम.ई.	प्रोत्साहन
5.	श्री ओ.पी.मुहाल	स.मु.तक.अधि.	डेरी इंजीनियरिंग	प्रोत्साहन

ख. शोध–पत्र पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता (दिनांक 22.9.2016 को संपन्न) –

क्र0	नाम (श्री/सुश्री/श्रीमती)	पोस्टर का भीर्शक	प्रभाग	स्थान
1.	पूजा गुप्ता सोनी, डा.राजेन्द्र कुमार यादव, डा. राकेश कुमार, तारामणी यादव, गोविन्द मकराना, सौरभ कुमार, आकांक्षा टमटा, डा. उत्तम कुमार एवं दीपा जोशी	घरेलू अपशिष्ट पानी की सिंचाई एवं सिंचाई निर्धारण का ज्वार की गुणवत्ता पर प्रभाव	चारा अनुसंधान प्रबंधन केन्द्र	प्रथम
2.	बृजेश पटेल, डा. निशांत कुमार, नितिन रहेजा, डा. एस.एस.लठवाल, वर्षा जैन, डा.सोहनवीर सिंह	जिंक अनुपूरण का करण फ्रीज गायों के प्रजनन प्रदर्शन पर प्रभाव	पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन	द्वितीय
3.	जगरानी मिंज एवं शिल्पा विज	उक्त रक्तचाप रोधी और रोगाणुरोधी क्षमतायुक्त फल योघर्ट का उत्पादन करना	डेरी सूक्ष्मजीव विज्ञान	तृतीय
4.	डा. राकेश कुमार, डा. मगन सिंह, डा.राजेश कुमार मीना, डा.हरदेव राम, डा. उत्तम कुमार, डा.बिजेन्द्र कुमार मीणा, मालूराम यादव एवं सुब्रमण्यम डी.जे.	मक्का चारा फसल की उत्पादकता एवं गुणवत्ता पर बीज दर एवं उर्वरक स्तरों का प्रभाव	चारा अनुसंधान प्रबंधन केन्द्र	प्रोत्साहन
5.	डा. विजेन्द्र कुमार मीना, डा. राकेश कुमार, डा. मगन सिंह, डा. राजेश कुमार मीना, डा. हरदेव राम एवं डा.उत्तम कुमार	केरल राज्य में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन द्वारा धान की दक्षता में सुधार	चारा अनुसंधान प्रबंधन केन्द्र	प्रोत्साहन
6.	श्री दीपक यादव, वरिष्ठ तकनीशियन	राष्ट्रीय डेरी योजना	नकदी एवं देयक	प्रोत्साहन

ग. नराकास के तत्वावधान में राडेअनुसं द्वारा 3.10.16 को आयोजित नगर स्तरीय हिंदी गीत–गायन प्रतियोगिता

क्र.	नाम	पदनाम	प्रभाग	स्थान
1.	श्रीमती संगीता सामरा	सहायक	न्यू इंडिया एश्योरंस कं.लि.	प्रथम
2.	श्री प्रवीन कुमार	अपर श्रेणी लिपिक	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान	द्वितीय
3.	श्री निशांत कुमार	वैज्ञानिक	–तदैव–	द्वितीय
4.	श्री मंजीत सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	–तदैव–	तृतीय
5.	श्री लखविन्दर सिंह	अपर श्रेणी लिपिक	–तदैव–	प्रोत्साहन
6.	श्री अशोक कुमार	अपर श्रेणी लिपिक	भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखेड़ी	प्रोत्साहन
7.	श्री सुभाष कुमार	सहायक	एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान	प्रोत्साहन

हिन्दी चेतना मास–2017 के दौरान भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल में संपन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

1. हिन्दी देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता(14.9.2017 को संपन्न)

क्र.	नाम व पदनाम	कार्यालय	पुरस्कार
1.	श्री प्रवीण कुमार, अपर श्रेणी लिपिक	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान	प्रथम
2.	डा. अश्वनी कुमार रॉय, वरिष्ठ वैज्ञानिक	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान	द्वितीय
3.	श्री अनिल वधावन, सहायक अभियंता	दूरदर्शन, करनाल	तृतीय
4.	श्री मंजीत सिंह, अवर श्रेणी लिपिक	राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान	प्रोत्साहन
5.	श्री मयंक, सहायक	केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान	प्रोत्साहन

2. हिन्दी शोध–पत्र/पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता (20.9.2017 को संपन्न)–

क्र.	प्रतियोगियों का नाम	शोध–पत्र/पोस्टर का शीर्षक	पुरस्कार
1	भावेश बारिआ, डा. नीलम उपाध्याय, डा ए.के.सिंह, डा. रविंदर के. मल्होत्रा	प्राकृतिक खाद्य रंग हेतु कैसेटिनॉयड के हरित निष्कर्षण की तकनीक	प्रथम
2	डा.अश्विनी कुमार रॉय, डा.महेन्द्र सिंह मीती पुनेठा	संकर गायों को प्रिल वसा एवं साइक्रोमाइसिस फफूंद का मिश्रण खिलाने से दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव	द्वितीय
3	असगर उद दिन, अनुकरणा सिंह, सौरभ राजवैध, सरोबना सरकार, डा.नितिन त्यागी, डा.सचिन कुमार, डा. ए.के.त्यागी	संतुलित आहार का दुधारू पशुओं की उत्पादक क्षमता पर प्रभाव	तृतीय
4.	डा. के पोन्नुशामी एवं मौ. नईम अली	पशुपालन में तकनीकी हस्तक्षेप के द्वारा महिला सशक्तिकरण	प्रोत्साहन
5.	मितुल बुम्बडिया, ऋचा सिंह, दिवस प्रधान, डा. बिमलेश मान, डा. सुमित अरोड़ा एवं प्रियंका सिंह राव	दुग्ध प्रणाली में अलग अलग परिरक्षक की रोगाणुरोधी गतिविधि	प्रोत्साहन

हिन्दी निबंध प्रतियोगिता(25.9.2017 को संपन्न)

क.	विजेता का नाम व पदनाम	पुरस्कार
1	श्री कुलजीत सिंह, अपर श्रेणी लिपिक	प्रथम
2	डा. उत्तम कुमार, मु.तक.अधि.	द्वितीय
3	सुश्री ऋतु दलाल, प्रशा.अधिकारी	तृतीय
4	सुश्री सोनिका यादव, सहायक	प्रोत्साहन

हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता(दिनॉक 6.10.2017 को संपन्न)

क.	विजेता का नाम व पदनाम	पुरस्कार
1	डा.नीलम उपाध्याय, वैज्ञानिक	प्रथम
2	कु0 सोनिका यादव, सहायक	द्वितीय
3	श्री मनजीत सिंह, अवर श्रेणी लिपिक	तृतीय
4	श्री दीपक यादव, वरिष्ठ तकनीशियन	प्रोत्साहन
5	श्रीमती शीला बर्मन, नि0सहा0कर्म0	प्रोत्साहन
6	डा.उत्तम कुमार, मु.तक.अधि.	प्रोत्साहन

नराकास करनाल द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के समेकित परीक्षा परिणाम

''हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का परिणाम (18.7.2017 को संपन्न)

क्र0	प्रतिभागी का नाम व पदनाम	कार्यालय का नाम	स्थान
1	श्री कुनाल कालड़ा, वित्त एवं लेखा अधिकारी	भाकृअनुप–राडेअनुसं	प्रथम
2	श्री चित्रनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक	भाकृअनुप–राडेअनुसं	प्रथम
3	श्री अनिल शर्मा, वरि0 तकनीकी अधिकारी	भाकृअनुप–के.मृ.ल.अनु.सं	द्वितीय
4	श्री प्रशांत शर्मा, विपणन प्रबंधक	बैंक ऑफ बड़ौदा	द्वितीय
5	श्री राकेश कुमार, तकनीकी अधिकारी	भाकृअप–एनबीएजीआर	द्वितीय
6	श्रीमती ज्योति भाटिया, अधिकारी	क्षेत्रीय कार्यालय, केनरा बैंक	तृतीय
7	श्रीमती पूनम सलूजा, आशुलिपिक	एमएसएमई–विकास संस्थान	प्रोत्साहन
8	डा. साकेत कुमार निरंजन, वरिष्ठ वैज्ञानिक	भाकृअनुप–एन.बी.ए.जी.आर.	प्रोत्साहन

''हिन्दी लघुकथा लेखन प्रतियोगिता का परिणाम (22.8.2017 को संपन्न)

क्र0	प्रतिभागी का नाम व पदनाम	कार्यालय का नाम	स्थान
1	सुश्री परमिता नाइक, अधिकारी	केनरा बैंक	प्रथम
2	श्री ध्रुव ज्योति, प्रबंधक–विधि	केनरा बैंक	द्वितीय
3	श्री मंजीत सिंह, अवर श्रेणी लिपिक	भाकृअनुप–राडेअनुसं	द्वितीय
4	श्री विजयपाल सहरावत, प्रा0शि0	केन्द्रीय विद्यालय	तृतीय
5	श्री पंकज सिंह, टीजीटी	केन्द्रीय विद्यालय	तृतीय
6	श्रीमती संतरा, निजी सचिव	भाकृअनुप–के.मृ.ल.अनु.सं., करनाल	प्रोत्साहन
7	श्री दीपक यादव, वरिष्ठ तकनीशियन	भाकृअनुप–राडेअनुसं,	प्रोत्साहन
8	श्रीमती ऊषा कत्याल, आशुलिपिक	एमएसएमई विकास संस्थान	प्रोत्साहन
9	सुश्री निशा, ए.जी.3(डिपो)	भारतीय खाद्य निगम	प्रोत्साहन
10	श्री रमेश कुमार, तकनीकी अधिकारी	भाकृअप–एनबीएजीआर	प्रोत्साहन

''हिन्दी शब्दावली प्रतियोगिता–2017'' (12.10.2017 को संपन्न)

क्र0	प्रतिभागी का नाम व पदनाम	कार्यालय का नाम	स्थान
1	श्रीमती ऊषा कत्याल, आशुलिपिक	एमएसएमई विकास संस्थान, करनाल	प्रथम
2	श्री कुनाल कालड़ा, वित्त एवं लेखा अधि0	भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल	द्वितीय
3	श्री शेर सिंह, मुख्य प्रबंधक	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल	द्वितीय
4	श्री अनिल शर्मा, वरि0 तकनीकी अधिकारी	भाकृअनुप–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	तृतीय
5	श्री मुनीश गुनाटी, प्रशासनिक अधिकारी	भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल कार्यालय	तृतीय
6	सुश्री रेणू बाला, सहायक	भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल	प्रोत्साहन
7	श्री धनेन्दर कु.जैन, प्र.अ.	नैशनल इंश्योरेंस कं.लि.	प्रोत्साहन
8	श्री धर्मेन्द्र सिंह, सहायक	भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल	प्रोत्साहन
9	श्री प्रशांत शर्मा, प्रबंधक	बैंक आफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय	प्रोत्साहन
10	श्री मुकेश कु.तोमर, वरिष्ठ तकनीशियन.	दूरदर्शन, करनाल	प्रोत्साहन
11	सुश्री सोनिका यादव, सहा.	भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल	प्रोत्साहन
12	श्री सुमित कुमार, प्रबंधक	अंचल कार्यालय, केनरा बैंक	प्रोत्साहन

भाकृअनुप–राडेअनुसं, करनाल कार्यालय में सरकारी कामकाज में टिप्पण व आलेखन मूल रूप से हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना के विजेता

वर्ष 2015–16 के विजेता (दिनाँक 07.01.2017 को प्रमाण पत्र से सम्मानित) :

क.	कर्मचारी का नाम	प्रभाग/अनुभाग	स्थान	पुरस्कार राशि
1	श्री सुरेश कुमार, निपुण सहायक कर्मचारी	श्रम कल्याण अनुभाग	प्रथम	1600/–
2	श्री प्रभजीत सिंह बहल, सहायक	लेखा परीक्षा अनुभाग	प्रथम	1,600/–
3	श्री सतीश मीणा, निपुण सहायक कर्मचारी	क्रय अनुभाग(अब के.वी.के.)	द्वितीय	800/–
4	श्री मनजीत सिंह, अवर श्रेणी लिपिक	नकदी–देयक अनुभाग	द्वितीय	800/–
5	डा. उत्तम कुमार, मुख्य तक. अधिकारी	चारा अनु.एवं प्रबं. केन्द्र	द्वितीय	800/–
6	श्री नीरज कुमार, निपुण सहायक कर्मचारी	स्थापना–चार अनुभाग	तृतीय	600/–.
7	श्री अश्विनी कुमार रॉय, वरिश्ठ वैज्ञानिक	पशु शरीर–क्रिया विज्ञान	तृतीय	600/–
8	श्री संजीव कुमार, परिचर	वाहन पूल	तृतीय	600/–
9	श्री विजय पाल, तकनीकी सहायक	वाहन पूल	तृतीय	600/–
10	श्री रमेश कुमार, तकनीकी सहायक	वाहन पूल	तृतीय	600/–
			कुल पुरस्कार राशि रू. 8,600/–	

वर्ष 2016–17 के विजेता (16.10.2017 को राडेअनुसं में संपन्न राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह में प्रमाण पत्र से सम्मानित)

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	कर्मचारी सं.	प्रभाग/अनुभाग	पुरस्कार	राशि
1	श्री प्रभजीत सिंह बहल, सहायक	300126	लेखा परीक्षा अनुभाग	प्रथम	5000/–
2	श्री नीरज कुमार कु0स0 कर्मचारी	401223	स्थापना–4 अनुभाग	प्रथम	5000/–
3	श्रीमती शीला बर्मन, कु0स0कर्म.	400497	श्रम कल्याण अनुभाग	द्वितीय	3000/–
4	श्री मनजीत सिंह, अवर श्रेणी लिपिक	300340	नकदी व देयक अनुभाग	द्वितीय	3000/–
5	डॉ.ब्रजेन्द्र सिंह मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक	114020	डेरी विस्तार प्रभाग	द्वितीय	3000/–
6	डॉ. अश्विनी रॉय, वरिष्ठ वैज्ञानिक	105018	पशु शरीर क्रिया विज्ञान प्रभाग	तृतीय	2000/–
7	श्री चित्रनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक	119002	डेरी अभियांत्रि. प्रभाग	तृतीय	2000/–
8	श्री रामबहादुर वर्मा, तक.सहायक	210179	डेरी अर्थ.व सांख्यिकी प्रबंधन	तृतीय	2000/–
9	डॉ. उत्तम कुमार, मुख्य तक0अधि.	210181	चारा अनु.व प्रबंधन के./श.वि.अनु.	तृतीय	2000/–
10	श्रीमती मीरा रानी, सहायक	300286	नकदी एवं देयक अनुभाग	तृतीय	2000/–
11	श्री विजयपाल, तकनीकी सहायक	300218	वाहन पूल	प्रमाण पत्र से सम्मानित	
			कुल स्वीकृत पुरस्कार राशि रूपये		29,000/–

रा.डे.अनु.सं., करनाल में दि. 28.12.2017 को संपन्न हिन्दी निबंध प्रतियोगिता के विजेता (07.01.2017 को प्रमाण पत्र से सम्मानित)

क्र.सं.	नाम व पदनाम	प्रभाग/अनुभाग	प्राप्त स्थान
1	श्री चित्रनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक	डेरी अभियांत्रिकी	प्रथम
2	डा.अश्विनी कुमार रॉय, वरिष्ठ वैज्ञानिक	पशु शरीर–क्रिया	द्वितीय
3	डा.नीलम उपाध्याय, वैज्ञानिक	डेरी प्रोद्यौगिकी प्रभाग	तृतीय

रा.डे.अनु.सं., करनाल में दि. 28.02.2017 को आयोजित हिन्दी टंकण प्रतियोगिता के विजेता (07.04.2017 को प्रमाण पत्र से सम्मानित)

	विजेता का नाम	प्राप्त स्थान
1.	श्रीमती मीरा, सहायक	प्रथम स्थान
2.	श्री रजनीश कुमार, आशुलिपिक	द्वितीय स्थान
3.	श्री चित्रनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक	प्रोत्साहन पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल के सदस्य कार्यालय, लोगो एवं उनके कार्यालय प्रधान

क्र.सं.	समिति के सदस्य कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यालय का लोगो	कार्यालय प्रधान का नाम
1	निदेशक एवं कुलपति, भाकृअनुप–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, (एन.डी.आर.आई) अग्रसैन चौक करनाल, हरियाणा, पिन–132001 (सदस्य एवं समन्वय कार्यालय)		डा. आर.आर.बी.सिंह, निदेशक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल।
2	निदेशक, भाकृअनुप–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआई), काछवा रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा, निदेशक
3	निदेशक, भाकृअनुप–राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, पी.बी.129, बलड़ी बाईपास, जीटी रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001		डा. आर्जव शर्मा, निदेशक
4	परियोजना निदेशक, भाकृअनुप–भारतीय गेहूं एवं जौं अनुसंधान संस्थान पी.बी.158, कुंजपुरा रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, निदेशक
5	अध्यक्ष, भाकृअनुप–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, कुंजपुरा रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा. वी.के.पण्डिता, अध्यक्ष
6	अध्यक्ष, भाकृअनुप–गन्ना प्रजनन संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पी.बी.52, अग्रसेन मार्ग, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा. नीरज कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष
7	कार्यपालक अभियन्ता(सिविल), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, केन्द्रीय मंडल, एनडीआरआई परिसर करनाल, हरियाणा, पिन–132001		श्री चरणजीत पसरीचा, कार्यपालक अभियंता(सिविल)
8	कार्यपालक अभियन्ता(विद्युत), करनाल केन्द्रीय विद्युत डिविजन, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, 208, डी.एच.एस.आई.आई.डी.सी., सेक्टर–3, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री सुखबीर सिंह राणा, कार्यपालक अभियंता(विद्युत)
9	कार्यालय प्रधान आयकर आयुक्त, सैक्टर–12, करनाल–132001.		श्रीमती रेखा शुक्ला, प्रधान आयकर आयुक्त
10	अधीक्षक(प्रथम), केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, एसपीओ–356, मुगल कैनाल मार्केट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री के.आर.मीणा, अधीक्षक(रेंज 1)
11	अधीक्षक(द्वितीय), केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, एस.पी.ओ.–356, मुगल कैनाल मार्केट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री चन्द्रमोहन, अधीक्षक(रेंज 2)
12	क्षेत्रीय आयुक्त, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, उप क्षेत्रीय कार्यालय, भविष्य निधि भवन, एसीओ 5–8, सेक्टर–12, अरबन स्टेट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	E.P.F	श्री रवि कान्त, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त–1
13	प्रवर अधीक्षक डाकघर(सीनियर सुपरिन्टेंडेंट ऑफ पोस्ट ऑफिसेज), करनाल मण्डल, जीपीओ–करनाल, जिला–करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा.पी.के.सारस्वत, प्रवर अधीक्षक–डाकघर
14	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, स्वास्थ्य मंत्रालय, करनाल– 132001.		डा. मो0 मुस्तकीम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी(एनएफएसजी)
15	वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय क्षेत्र संकार्य प्रभाग, सेक्टर–6, एससीएफ 92, अरबन स्टेट, मुख्य बाजार करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री सतपाल, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, (प्रभारी)

16	रक्षा पेंशन संवितरण अधिकारी, 159, शक्ति कॉलोनी, माल रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री राजीव गावा, रक्षा पेंशन संवितरण अधिकारी
17	उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, गृह मंत्रालय, भारत सरकार,हाउस नं. 17–बीपी / सेक्टर–8, अरबन स्टेट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री रतन सिंह ढ़ाकला, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी
18	स्टेशन अधीक्षक, करनाल रेलवे स्टेशन, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री नरेन्द्र कुमार, स्टेशन मास्टर
19	सहायक मंडल अभियंता, उत्तर रेलवे, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री मनदीप सिद्धू, सहा–मडंल अभियंता
20	प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखेड़ी, करनाल, हरियाणा–132117		श्री सिंह राज बोदरा, प्रबंधक
21	सहायक श्रम आयुक्त(केन्द्रीय), 32, बैंक कॉलोनी, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		मो0 रजी आलम खान, सहा0 श्रम आयुक्त
22	उप निदेशक, राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (नेशनल हार्टीकल्चर रिसर्च एंड डेवलप्मेंट फाउण्डशन), गॉव–सलारू, पोस्ट–दरड़, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा. बी.के.दुबे, उप निदेशक
23	क्षेत्रीय निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, 06, सुभाष कॉलोनी, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		डा. मोती राम, क्षेत्रीय निदशक (प्रभारी)
24	प्राचार्य, सैनिक स्कूल कुंजपुरा, करनाल, हरियाणा, पिन–132023		कर्नल वी.डी.चन्दौला, प्राचार्य
25	प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय–करनाल, जिला सुधार गृह के निकट, कैथल रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री अनुराग भटनागर, प्राचार्य
26	प्राचार्य,जवाहर नवोदय विद्यालय, सग्गा, करनाल, हरियाणा, पिन–132001		श्री पूरण चन्द्र उपाध्याय, प्राचार्य
27	प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, तितरम, जिला–कैथल, हरियाणा, पिन–136027.		श्री मुहर सिंह, प्राचार्य
28	वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक, कृभको लिमिटेड, एससीओ 44, सेक्टर–7, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री बी.एस.राणा, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक
29	क्षेत्र प्रबन्धक, भारतीय खाद्य निगम, जिला कार्यालय, काछवा रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री रवि यादव, क्षेत्रीय प्रबन्धक
30	वरिष्ठ सहायक प्रबन्धक, केन्द्रीय भण्डार गृह(प्रथम), केन्द्रीय भण्डारण निगम, (सेन्ट्रल वेयर–हाउसिंग कॉर्पोरेशन), पुरानी अनाज मण्डी के पास, मटक माजरी, करनाल, हरियाणा, पिन– 132001		श्री पी.के.सचदेवा, वरिष्ठ सहायक प्रबन्धक
31	क्षेत्र प्रबन्धक, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, प्लॉट नं 425–426, सेक्टर–3, करनाल, पिन–132001		श्री महेश चन्द रूहिला, क्षेत्रीय प्रबन्धक
32	निदेशक, एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान, आई.टी.आई. के पास, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री मेजर सिंह, निदेशक
33	महाप्रबन्धक, दूरसंचार, भारत संचार निगम लि0, सेक्टर 8, अरबन स्टेट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री सुदीप कुमार, महाप्रबन्धक

34	निदेशक, प्रसार भारती, (भारत का लोक सेवा प्रसारक), दूरदर्शन अनुरक्षण केन्द्र, करनाल, सेक्टर–3, हरियाणा, पिन कोड–132001		श्री सुरेश कुमार दावर, सहायक अभियन्ता(प्रभारी)
35	वरिष्ठ शाखा प्रभारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस कं0लिमि0, एससीओ 218–19, प्रथम मंजिल, सेक्टर 12, पार्ट 1, सिटी सेन्टर हुडा, करनाल		श्री विवेक श्रीवास्तव, वरिष्ठ शाखा प्रभारी
36	प्रबन्धक, भारतीय जीवन बीमा निगम, हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एस.सी.एफ–144, सेक्टर–13, अरबन स्टेट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री अमन शर्मा, प्रबन्धक
37	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल कार्यालय, करनाल हरियाणा, पिन–13 बड़ौदरा 2001.		श्री जोगेन्द्र कुमार, वरिष्ठ मंडल प्रबन्धक
38	उप महाप्रबन्धक, ओरियण्टल बैंक ऑफ कॉमर्स–कोड 8510, क्लस्टर कार्यालय, 97, पहली मंजिल, सोनीपत रोड, रोहतक, हरियाणा, पिन–124001		श्री अशोक सिंगला, उप महाप्रबंधक
39	वरिष्ठ मंडल प्रबन्धक, दि न्यू इंडिया एश्योरंस कं.लिमि., मंडलीय कार्यालय, जीटी रोड, गगन बिल्डिंग, बस स्टेंड के सामने, करनाल–132001.		श्री अनिल कुमार भोला, वरिष्ठ मंडल प्रबन्धक
40	वरिष्ठ मंडलीय प्रबन्धक, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, मंडलीय कार्यालय, उन्नीस–226, जीटी रोड, बस स्टेंड के सामने, करनाल 132001.		श्री आर.एस.बहलान, वरिष्ठ मंडलीय प्रबन्धक
41	मण्डलीय प्रबन्धक, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमि0, मंडलीय कार्यालय, संतोख मार्केट, रेलवे रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001		श्रीमती सीमा, मण्डलीय प्रबन्धक
42	वरिष्ठ मंडल प्रबन्धक, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमि0, मंडल कार्यालय, जीटी रोड, बस अड्डे के पास, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री अश्विनी ऋषि, वरिष्ठ मंडल प्रबन्धक
43	मंडल प्रबन्धक, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमि0, मोटर डीलर कार्यालय, कोड 112300, एससीओ 14, प्रथम मंजिल, सेक्टर 3, नमस्ते चौक के निकट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री वीरेन्द्र खर, मंडलीय प्रबन्धक
44	वरिष्ठ प्रबन्धक, कॉर्पोरेशन बैंक, मुख्य शाखा, महफिल बिल्डिंग, जी.टी.रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री ओम प्रकाश बारापात्रे, वरिष्ठ प्रबन्धक
45	वरिष्ठ प्रबन्धक, इण्डियन ओवरसीज बैंक, कर्ण–गेट, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री राम बाबू, वरिष्ठ प्रबन्धक
46	उप महाप्रबन्धक, केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, बेसाइट–17,18, सेक्टर–12, करनाल, हरियाणा–132001		श्री उमेश कुमार शर्मा, उप महाप्रबन्धक
47	वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय, सेक्टर–12, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री डी.एल.मित्तल, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक
48	शाखा प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (अब एस.बी.आई), एस.सी.ओ.–232 / पार्ट–1, सेक्टर–12, करनाल	भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India हर भारतीय का बैंक THE BANKER TO EVERY INDIAN	श्री सुशील कुमार, प्रबन्धक
49	सहायक महाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, शक्ति कॉलोनी, माल रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India हर भारतीय का बैंक THE BANKER TO EVERY INDIAN	श्री प्रदीप कुमार, सहायक महाप्रबंधक
50	सहायक महाप्रबन्धक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, प्रथम मंजिल, आसाराम मार्केट, मॉडल टाउन, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.		श्री नवनीत कुमार, क्षेत्र प्रमुख
51	उप महाप्रबन्धक, बैंक ऑफ बड़ौदा, नमस्ते चौक, डिवेंचर होटल के सामने, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda	श्री एस.के.बिस्वल, उप महाप्रबंधक

52	मुख्य प्रबन्धक, मुख्य शाखा, बैंक ऑफ इण्डिया, मुख्य शाखा, फव्वारा चौक, एर्थ प्लेनेट होटल के पास, मुगल कनाल, करनाल,पिन–132001.	श्री अनिल कुमार दुर्गा, मुख्य प्रबंधक
53	उप महाप्रबन्धक, इण्डियन बैंक, अंचल कार्यालय, एससीओ 244–245, सेक्टर–12, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	श्री संदीप कुमार गुप्ता, उप महाप्रबंधक
54	वरिष्ठ प्रबन्धक, इलाहाबाद बैंक, एससीएफ–89, 90, सेक्टर–6, करनाल, हरियाणा, पिन – 132001.	श्री आशु जिन्दल, वरिष्ठ प्रबंधक
55	वरिष्ठ प्रबन्धक, आन्ध्रा बैंक, उन्नीस–379, गगन बिल्डिंग, बस स्टेंड के सामने, जीटी रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	श्री सी.एच.एस. सुब्रमणियम, वरिष्ठ प्रबंधक
56	वरिष्ठ प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला (अब एस.बी.आई), मुख्य शाखा, लिबर्टी शोरुम के पास, रेलवे रोड, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	श्री बाल किशन धीमान, वरिष्ठ प्रबंधक
57	वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक, विजया बैंक, एस.सी.ओ. 223–232, पार्ट–1, सेक्टर 12, करनाल, हरियाणा–132001.	श्री डी.एन.चन्द्रा, वरिष्ठ प्रबंधक
58	वरिष्ठ प्रबन्धक, यूको बैंक, दुर्गा भवन मंदिर कॉम्प्लेक्स, जी.टी.रोड, बस स्टेंड के पास, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	श्री देवेन्द्र अरोड़ा, प्रबंधक
59	उप महाप्रबन्धक, पंजाब एवं सिंध बैंक, आंचलिक कार्यालय, गुरूद्वारा भवन, मॉडल टाउन करनाल, हरियाणा–132001.	श्री गोपाल कृष्ण, उप महाप्रबंधक
60	सहायक महाप्रबन्धक,सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, मुख्य शाखा, कोड–0381, जीटी रोड, माता दुर्गा भवानी मन्दिर, बस स्टेंट के निकट, करनाल	श्री तेजेन्द्र सिंह, सहायक महाप्रबंधक
61	वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, शाखा कोड–0444, अम्बेडकर चौक, जीटी रोड, करनाल–132001	श्री उत्तम नेगी, वरिष्ठ प्रबंधक
62	वरिष्ठ प्रबन्धक, सिंडिकेट बैंक, मुख्य शाखा, गोविन्द नगर, पुरानी सब्जी मंडी के पास, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	श्री गुलशन कुमार, वरिष्ठ महाप्रबंधक
63	वरिष्ठ प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला, (अब एस.बी.आई) एनडीआरआई शाखा, करनाल, हरियाणा–132001.	श्री एम.पी.अशाल, वरिष्ठ प्रबंधक
64	मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक, इफको, क्षेत्रीय कार्यालय, बे नंबर 19–20, सेक्टर 12, करनाल, पिन–132001.	श्री सत्यपाल सिंह पंवार, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक
65	वरिष्ठ प्रबन्धक(मार्केटिंग), नेशनल फर्टिलाजर्स लिमिटेड, एससीओ–12, सेक्टर–8, फर्स्ट फ्लोर, मुख्य बाजार, करनाल, पिन–132001	श्री एस.एस.पोशवाल, वरिष्ठ प्रबंधक(विपणन)
66	जिला सूचना अधिकारी, राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र डी.सी. ऑफिस के निकट, मिनी सचिवालय, सेक्टर–12, करनाल	श्री महिपाल सीकरी, जिला सूचना अधिकारी
67	जिला युवा समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, क्षेत्रीय केन्द्र, कोठी नं.229, न्यू चार चमन, महावीर दल हॉस्पिटल पास, कुंजपुरा रोड, करनाल	श्री प्रदीप कुमार, जिला युवा समन्वयक
68	सहायक महाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, ज्ञानार्जन केन्द्र, मॉडल टाउन, करनाल, हरियाणा, पिन–132001.	कार्यालय पंचकूला में स्थानांतरित

न.रा.का.स. करनाल का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार 2016–17 का सम्मान समारोह

न.रा.का.स. करनाल का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार 2016–17 का सम्मान समारोह

न.रा.का.स. करनाल का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार 2016–17 का सम्मान समारोह

न.रा.का.स. करनाल का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार 2016–17 का सम्मान समारोह

न.रा.का.स. करनाल का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार 2016–17 का सम्मान समारोह

न.रा.का.स. करनाल का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार 2016–17 का सम्मान समारोह

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (न.रा.का.स) करनाल

Town Official Language Implementation Committee (T.O.L.I.C.), Karnal

समन्वय कार्यालय :
भाकृअनुप-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

Co-ordination Office :
ICAR-NDRI (Deemed University), Karnal

न.रा.का.स., करनाल

न	नम्रतापूर्वक	क	कर्मठ केन्द्र नगर का
रा	राजभाषा	र	रहे राजभाषा उन्मुखी सर्वदा
का	कार्यान्वयन	ना	ना थमेंगे हमारे अथक प्रयास
स	समन्वय	ल	लक्ष्य न होंगे जब तक पूरे प्राप्त

"नराकास करनाल के बढ़ते कदम, प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सहयोग के संग"

दूर रहकर भी बने रहें अपनों की आर्थिक ताकत

एक बार निवेश करें
जीवनभर की आय सुनिश्चित करें

एलआईसी की
जीवन अक्षय VI
तात्कालिक वार्षिकी प्लान

सभी अनिवासी भारतीयों के लिए तात्कलिक और सुनिश्चित लाभ पहुँचाने वाली बहुमुखी योजना, जिससे आप अपनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी कर सकें.

दस वार्षिक विकल्पों में से अपना विकल्प उपलब्ध

• जीवनभर सुनिश्चित आय • योजना के अगले महीने से आय शुरू
• मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक भुगतान के आसान विकल्प उपलब्ध
• आयु योग्यता:;एद्ध प्रवेश के समय न्यूनतम आयु: पिछले जन्मदिन को 30 वर्ष, ;बीद्ध प्रवेश के समय अधिकतम आयु:वार्षिक वृत्ति विकल्प एफ–खरीद मूल्य की वापसी के साथ जीवन के लिए वार्षिक वृत्ति के लिए पिछले जन्मदिन को 100 वर्ष, वार्षिक वृत्ति विकल्प एफ–खरीद मूल्य की वापसी के साथ जीवन के लिए वार्षिक वृत्ति के अलावा अन्य सभी वार्षिक वृत्ति विकल्पों के लिए जन्मदिन को 85 वर्ष.

अपने एजेन्ट /शाखा से सम्पर्क करें या हमारी वेबसाइट www.licindia.in पर विजिट करें
या SMS करें 'आपके शहर का नाम, 56767474 पर (जैसे कि 'Mumbai')
हमें फॉलो करें YouTube LIC India Forever

नकली फोन कॉल्स और जाली/धोखेधड़ी वाले ऑफर्स से सावधान रहें. आईआरडीआई जनता को स्पष्ट करता है • **आईआरडीएआई या इसके अधिकारी किसी प्रकार के इंश्योरेन्स या फायनान्शियल प्रोडक्ट्स की बिक्री जैसी गतिविधियो में शामिल नहीं होते हैं और न ही प्रीमियम का निवेश करते हैं • आईआरडीएआई द्वारा किसी बोनस की घोषणा नहीं की जाती है.** अगर किसी को ऐसे कोई फोन कॉल्स प्राप्त हों तो कृपया ऐसे फोन्स कॉल की नंबर के विवरण के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

बिक्री समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, नियम और शर्तों के लिए बिक्री पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें.

IRDAI Regn No.: 512 **हर पल आपके साथ**

भाकृअनुप
ICAR

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (न.रा.का.स.) करनाल

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE(TOLIC), KARNAL

संयोजक कार्यालय : भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

Co-ordination office : I.C.A.R-National Dairy Research Institute (N.D.R.I.) Karnal.

रा.डे.अनु.सं
N.D.R.I.

**"नराकास करनाल के बढ़ते कदम,
प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सहयोग के संग"**

कैलेंडर Calendar 2018

जनवरी January 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

फरवरी February 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

मार्च March 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

अप्रैल April 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

मई May 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

जून June 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

जुलाई July 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

अगस्त August 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

सितम्बर September 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

अक्टूबर October 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

नवम्बर November 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

दिसम्बर December 2018

सोम Mo	मंगल Tu	बुध We	वीर Th	शुक्र Fr	शनि Sa	रवि Su
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

''आइये राजभाषा हिन्दी को अपनाएं, इसे सम्मान, पहचान एवं विज्ञान बनाएं''

परिचय : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति करनाल, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार कार्य करती है। करनाल नगर में स्थित केन्द्र सरकार के समस्त संस्थान, कार्यालय, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निगम एवं बैंक आदि इसके सदस्य हैं।

बैठकें : भारत सरकार, राजभाषा विभाग के कैलेण्डर के अनुसार इस समिति की वर्ष में दो बैठकें प्रत्येक वर्ष जून एवं नवम्बर माह में आयोजित की जाती हैं, जिनमें सभी सदस्य कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधान एवं गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि अधिकारी भाग लेते हैं।

कार्य : समिति सदस्य कार्यालयों को राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन में सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करती है।

अन्य : नराकास के सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशाला, राजभाषा कार्यान्वयन की तिमाही बैठक का आयोजन करने के साथ-साथ राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन के लिये विभिन्न गतिविधियों का समय-समय पर आयोजन किया जाना भी अनिवार्य है।

नराकास करनाल के सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रचार, प्रसार एवं कार्यान्वयन में प्रदान किया जा रहा सहयोग सराहनीय है

केनरा बैंक
भारत सरकार का उपक्रम

Canara Bank
A Government of India Undertaking
Together We Can

बचत और विकास केनरा कासा के साथ

व्यक्तिगत या व्यावसायिक बैंकिंग हेतु केनरा बैंक की **चालू खाता** व **बचत खाता** (कासा) से अपने विकल्प का चयन करें। खाता खोलें व अनेक लाभों / छूटों सहित अनुकूलित बैंकिग सुविधाओं का आनंद उठाएं।*

केनरा एस बी पावर प्लस
विशिष्ट ग्राहकों, एचएनआई व एनआरआई ग्राहकों हेतु

केनरा प्रिविलेज चालू खाता
विशिष्ट कारोबारी ग्राहकों हेतु

केनरा एस बी पे–रॉल पैकेज
पे–रॉल / वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु

केनरा जीवन धारा
वरिष्ठ नागरिकों/ पेंशनभोगियों हेतु

केनरा जूनियर बचत खाता
10 वर्ष से अधिक आयु के अवयस्क छात्रों हेतु

केनरा डिफेन्स बचत खाता
सशस्त्र / अर्ध सैनिक बलों हेतु

केनरा एस बी जेन–वाई
विशिष्ट संस्थानों के छात्रों हेतु

केनरा गैलेक्सी बचत खाता
डी–मैट, ओएलटी व अनेकों सुविधाओं से सुसज्जित बचत खाता

*शर्तें लागू

ऑनलाइन सुविधा के लिए स्कैन करें

केनरा बैंक की नज़दीकी शाखा से संपर्क करें
या हमारे टॉल फ्री नंबर पर कॉल करें
ट्विटर पर हमें अनुगमन करें : @canarabanktweet

टाल फ्री नं. 1800 425 0018 जल, वृक्ष की रक्षा, पर्यावरण की सुरक्षा www.canarabank.com